■ भाद्रपद कृष्ण - 6 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 12 ■ अंक - 33 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » रविवार » 25-08-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तक्षिन् पारत् राष्ट्रमत् | दिनसरि हिन्दि नाळितழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 'बुलडोजर न्याय' पूरी तरह अस्वीकार्य है : कांग्रेस

6 कैप्टन सज्जन सिंह मलिक: देशवासियों के लिए 'सज्जन' और आतंकवादियों के लिए थे 'काल'

7 'हाउसफुल 5' में अक्षय कुमार के साथ नजर आएंगी जैकलीन फर्नांडिस

फर्स्ट टेक

कर्नाटक में 24 वर्षीय युवती के साथ दुष्कर्म, दो गिरफ्तार

उडुपी (कर्नाटक)/भाषा। कर्नाटक में उडुपी जिले के कार्कल में 24 वर्षीय एक युवती को कथित तौर पर अगवा कर नशीला पदार्थ दिया गया और एक सुनसान जगह पर ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया गया। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने कहा कि यह घटना 23 अगस्त की रात को कार्कल टाउन पुलिस थाना क्षेत्र में घटित हुई। उसने बताया कि कार्कल कस्बे की रहने वाली पीड़िता को कथित तौर पर अल्ताफ नामक व्यक्ति ने अगवा कर लिया और कार में एक सुनसान जगह पर ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। उडुपी के पुलिस अधीक्षक अरुण के अनुसार युवती और अल्ताफ पिछले तीन महीनों से सोशल मीडिया मंच 'इंस्टाग्राम' पर दोस्त हैं और दोनों एक ही शहर (कार्कल) के रहने वाले हैं।

उत्तराखंड भूस्खलन: बद्रीनाथ और केदारनाथ राजमार्ग आंशिक रूप से बंद

गोपेश्वर/भाषा। बद्रीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग को शनिवार को चमोली और नंदप्रयाग के बीच दूसरे दिन भी बंद रखा गया, जबकि भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन से आए मलबे को हटाने के प्रयास जारी हैं। उत्तराखंड के विभिन्न हिस्सों में रातभर हुई भारी बारिश के बाद शुक्रवार को रुद्रप्रयाग जिले में भूस्खलन में नेपाल के चार मजदूरों की मौत हो गई और हरिद्वार जिले में एक व्यक्ति गंगा में बह गया। केदारनाथ और यमुनोत्री जाने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग भी भूस्खलन के कारण अवरुद्ध रहे। जिला आपदा प्रबंधन केंद्र ने बताया कि हिमालयी मंदिर केदारनाथ की ओर जाने वाला राष्ट्रीय राजमार्ग चमोली और कर्णप्रयाग के बीच पुरसारी एवं नंदप्रयाग में मलबा आने के कारण यातायात के लिए अवरुद्ध हो गया है।

देशभर में 768 कार्यालय स्थापित करेगी भाजपा

पणजी/भाषा। भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने शनिवार को कहा कि पार्टी देशभर में 768 कार्यालय खोलने की योजना बना रही है, जिनमें से 563 तैयार हैं। नड्डा पणजी के निकट गोवा भाजपा मुख्यालय के शिलान्यास समारोह में शामिल होने वाले थे, उन्होंने वीडियो संदेश के जरिए समारोह को संबोधित किया। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत और महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इसकी आधारशिला रखी। मुख्यालय पणजी के बाहरी इलाके में एक राजमार्ग के पास बनेगा। सावंत ने कहा कि मुख्यालय दिसंबर 2026 तक तैयार हो जाएगा।

नासा ने दो अंतरिक्ष यात्रियों को फरवरी तक अंतरिक्ष में रखने का फैसला किया

केप केनवरल/एपी। नेशनल एरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (नासा) ने फैसला किया है कि बोइंग के नए 'कैप्सूल' से भारतीय-अमेरिकी सुनीता विलियम्स समेत दो अंतरिक्ष यात्रियों को पृथ्वी पर लाना बेहद जोखिम भरा हो सकता है, इसलिए उन्हें अगले साल 'स्पेसएक्स' यान से वापस लाया जाएगा। परीक्षण उड़ान के तहत एक सप्ताह के लिए अंतरिक्ष में गए दोनों यात्रियों को अब वहां आठ महीने से अधिक समय रुकना होगा। वे जून की शुरुआत से ही अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर फंसे हुए हैं। नए कैप्सूल में 'थ्रस्टर' के काम नहीं करने और हीलियम रिसाव के कारण अंतरिक्ष स्टेशन तक उनकी यात्रा में बाधा उत्पन्न हुई, जिसके बाद उन्हें वापस पृथ्वी पर लाने में मुश्किल आ रही है।

सूर्यास्त 25-08-2024	सूर्योदय 26-08-2024
6:24 बजे	5:57 बजे

BSE	NSE
81,086.21 (+33.02)	24,823.15 (+11.65)

सोना	चांदी
7,382 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	89,000 रु. प्रति किलो

'एनपीएस' की जगह आई, नई पेंशन योजना 'यूपीएस'

प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में केन्द्रीय मंत्रिमंडल की हुई बैठक में इस महत्वपूर्ण प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की गई।

- एक अप्रैल 2025 से लागू होगी एकीकृत पेंशन योजना
- यूपीएस में कर्मचारी को 25 वर्ष की सेवा के बाद आखिरी वर्ष के औसत वेतन के 50 प्रतिशत के बराबर पेंशन मिलेगी।
- यूपीएस के लिए कर्मचारियों के अंशदान को एनपीएस की मौजूदा व्यवस्था के 10 प्रतिशत के बराबर ही रखा गया है जबकि सरकार ने अपने अंशदान को 14 प्रतिशत से बढ़ाकर 18.5 प्रतिशत करने का निर्णय लिया है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। सरकार ने वर्ष 2004 के बाद सेवा में आने वाले केन्द्रीय कर्मचारियों के लिये लागू नई पेंशन योजना (एनपीएस) के विकल्प के रूप में शनिवार को एक नई एकीकृत पेंशन योजना (यूपीएस) लाने का फैसला किया है जिसमें कर्मचारियों को सेवानिवृत्त के बाद आखिरी वेतन की करीब 50 प्रतिशत सुनिश्चित पेंशन मिलेगी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केन्द्रीय मंत्रिमंडल की आज यहां हुई बैठक में इस महत्वपूर्ण प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की गयी। रेल, सूचना प्रसारण एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने संवाददाताओं को मंत्रिमंडल के फैसलों की जानकारी दी। उनके साथ भावी कैबिनेट सचिव टी वी सोमनाथन भी थे जिन्होंने यूपीएस को तैयार करने में केन्द्रीय भूमिका निभायी थी। एकीकृत पेंशन योजना एक अप्रैल 2025 से लागू होगी।

वैष्णव ने कहा कि यूपीएस में कर्मचारी को 25 वर्ष की सेवा के बाद आखिरी वर्ष के औसत वेतन के 50 प्रतिशत के बराबर पेंशन मिलेगी। यूपीएस के लिये कर्मचारियों के अंशदान को एनपीएस की मौजूदा व्यवस्था के 10 प्रतिशत के बराबर ही रखा गया है जबकि सरकार ने अपने अंशदान को 14 प्रतिशत से बढ़ाकर 18.5 प्रतिशत करने का निर्णय लिया है। इस पेंशन योजना में पारिवारिक पेंशन, गारंटी शुदा न्यूनतम पेंशन और सेवानिवृत्ति के बाद एकमुश्त भुगतान के भी प्रावधान किये गये हैं। उन्होंने कहा कि यूपीएस लागू करने से एरियर के रूप में चालू वित्त वर्ष में सरकार को करीब 800 करोड़ रुपए व्यय करने पड़ेंगे जबकि यूपीएस के लिए लगभग 6250 करोड़ रुपए खर्च होंगे।

जातिगत जनगणना मेरे लिए है एक मिशन : राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

प्रयागराज/एजेन्सी। कांग्रेस के वरिष्ठ सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को कहा कि जाति जनगणना उनके लिये राजनीति नहीं बल्कि एक मिशन है जिसका सीधा संबंध देश के संविधान की रक्षा से है।

पार्टी द्वारा आयोजित संविधान सम्मान सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होने कहा कि देश की 90 फीसदी आबादी की सिस्टम में कोई भागीदारी नहीं है, फिर भी कहा जाता है कि देश सुपर पावर बन जाएगा। संविधान लागू होने के 70 साल बाद भी देश की 90 प्रतिशत आबादी हाशिए पर है और कॉरपोरेट जगत, मीडिया एवं न्यायपालिका में उनकी भागीदारी नहीं है। वे चाहते हैं कि दलितों, पिछड़ों और आदिवासियों को भी समान भागीदारी और अधिकार मिलें तथा देश के संसाधनों पर उनका नियंत्रण हो।

गांधी ने कहा कि 90 प्रतिशत लोगों के पास जरूरी हुनर है, प्रतिभा है लेकिन वे सिस्टम से जुड़े नहीं हैं। इसलिए कांग्रेस ने जातिगत जनगणना की बात उठाई है, ताकि लोगों को उनकी भागीदारी मिल सके। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के लिए जाति जनगणना सिर्फ जनगणना नहीं है, यह नीति निर्माण का आधार है। जातिगत जनगणना से आबादी पता लगेगी, जो जरूरी कदम है, क्योंकि भागीदारी से पहले आबादी पता होनी चाहिए। लेकिन आबादी पता करना अंतिम कदम नहीं है। मेरा मकसद है यह समझना कि हिंदुस्तान में धन किस प्रकार से बांटा जा रहा है और हिंदुस्तान के संस्थाओं में किसकी कितनी भागीदारी है।

कांग्रेस सांसद ने कहा, जातिगत जनगणना मेरे लिए राजनीति नहीं, ये मेरा मिशन है। उन्होने दोहराया कि आरक्षण पर 50 प्रतिशत की सीमा उन्हें स्वीकार्य नहीं है। राहुल ने कहा कि जातिगत जनगणना, सोशल इकोनॉमिक सर्वे और इंस्टीट्यूशनल सर्वे होकर रहेगा। आरक्षण पर 50 प्रतिशत की सीमा भी खत्म होगी। क्योंकि देश की जनता ने यह मन बना लिया है। प्रधानमंत्री को यह बात मान लेनी चाहिए और आदेश लागू कर देना चाहिए। अगर प्रधानमंत्री मोदी यह नहीं करेंगे तो दूसरे प्रधानमंत्री करेंगे।

पाकिस्तान पॉलिमर प्लास्टिक से बने नए मुद्रा नोट चलन में लाएगा

कराची/भाषा। पाकिस्तान का केंद्रीय बैंक इस वर्ष के अंत में प्रयोग करते हुए एक नए पॉलीमर प्लास्टिक मुद्रा बैंक नोट लाएगा। केंद्रीय बैंक इसके साथ ही बेहतर सुरक्षा और होलोग्राम सुविधाओं के लिए सभी मौजूदा बैंक नोटों को फिर से डिजायन करेगा। स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान के गवर्नर जमील अहमद ने इस्लामाबाद में बैंकिंग और वित्त पर सीनेट समिति को बताया कि इस साल दिसंबर तक सभी मौजूदा कागजी मुद्रा नोटों को नई सुरक्षा विशेषताओं के साथ फिर से डिजायन किया जा रहा है।

अहमद ने कहा कि 10, 50, 100, 500, 1000 और 5000 रुपए के मूल्यवर्ग में नए डिजाइन वाले बैंक नोट दिसंबर में जारी किए जाएंगे। एक सूत्र ने कहा, पुराने नोट पांच साल तक प्रचलन में रहेंगे और केंद्रीय बैंक उन्हें बाजार से हटा देगा।

स्टेट बैंक के गवर्नर ने सीनेट समिति को बताया कि जनता के लिए एक मूल्यवर्ग में नया पॉलीमर प्लास्टिक बैंक नोट जारी किया जाएगा, तथा यदि इसे अच्छी प्रतिक्रिया मिली तो अन्य मूल्यवर्गों में भी प्लास्टिक मुद्रा जारी की जाएगी।

वर्तमान में लगभग 40 देश पॉलीमर प्लास्टिक बैंक नोटों का उपयोग करते हैं, जिनकी नकल करना कठिन है और इनमें होलोग्राम और पारदर्शी खिड़की जैसी अधिक उन्नत सुरक्षा विशेषताएं हैं। ऑस्ट्रेलिया 1998 में पॉलीमर बैंक नोट शुरू करने वाला पहला देश था।

अहमद ने यह भी पुष्टि की कि केंद्रीय बैंक की 5,000 रुपए के नोट को बंद करने की कोई योजना नहीं है।

कॉग्निजेंट ने दायर किया इन्फोसिस के खिलाफ मुकदमा

नई दिल्ली/भाषा। प्रमुख सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनी कॉग्निजेंट की अनुषंगी कंपनी ट्राइजेटो ने एक अमेरिकी संघीय अदालत में इन्फोसिस के खिलाफ मुकदमा दायर किया है। ट्राइजेटो ने बेंगलूरु स्थित कंपनी पर कारोबारी रहस्य और स्वास्थ्य बीमा सॉफ्टवेयर से संबंधित जानकारी चुराने का आरोप लगाया है। हालांकि, इन्फोसिस ने एक बयान जारी कर सभी आरोपों को खारिज किया है। कंपनी ने कहा कि उसे मुकदमे की जानकारी है और वह अदालत में अपना पक्ष रखेगी। कॉग्निजेंट ने टेक्सास संघीय अदालत में दायर मुकदमे में इन्फोसिस पर ट्राइजेटो के सॉफ्टवेयर- फेसेट्स और क्यूएनएक्सटी से अवैध रूप से आंकड़ा प्राप्त करने तथा उसका उपयोग प्रतिस्पर्धी उत्पाद विकसित करने और विपणन करने के लिए करने का आरोप लगाया है। कॉग्निजेंट की पेशकशों में ट्राइजेटो के फेसेट्स और क्यूएनएक्सटी शामिल हैं। इनका उपयोग स्वास्थ्य बीमा कंपनियां कार्यों को स्वचालित करने के लिए करती हैं।

देश को मार्च 2026 तक नक्सल समस्या से मुक्त कर लेंगे : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रायपुर/एजेन्सी। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने शनिवार को नक्सलियों को खुली चुनौती देते हुए कहा कि यदि वे अपना रास्ता नहीं बदलते हैं तो 'अंतिम प्रहार' होगा और हम देश को मार्च 2026 तक नक्सल समस्या से मुक्त कर लेंगे।

शाह ने शनिवार को यहां नक्सल प्रभावित राज्यों की अंतर राज्यीय समन्वय समिति की बैठक के बाद प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए यह चुनौती दी। नक्सलियों को खुली चुनौती देते हुए शाह ने कहा, यदि वे अपना रास्ता नहीं बदलते हैं तो 'अंतिम प्रहार' होगा। छत्तीसगढ़ समेत देश को मार्च 2026 तक नक्सल समस्या से मुक्त कर लेंगे। उन्होंने कहा,वामपंथी उग्रवाद की वजह से लोग निरक्षर रह गए हैं उन्हें साक्षर बनाने राज्य सरकार और केंद्र सरकार पहल करेगी। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की तर्ज पर एसआईए बनाएंगे। राज्य सरकार जल्द नई सरेंडर पॉलिसी की घोषणा करेगी।

केंद्रीय मंत्री ने साय सरकार की तारीफ करते हुए कहा, नक्सल मामले में छत्तीसगढ़ में बड़ी कामयाबी मिली है। उन्होंने कहा,पड़ोसी राज्यों का समन्वय जरूरी है। नक्सल वाद के खिलाफ रूथलेस रणनीति के साथ अंतिम प्रहार करने का वक्त आ गया है। हमारा मानना है कि वामपंथी उग्रवाद देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए सबसे बड़ी चुनौती है। पिछले चालीस सालों में करीब 17 हजार लोगों की जान गई है। जब से केंद्र में मोदी सरकार बनी इस समस्या को चैलेंज के रूप में स्वीकार किया।

शाह ने कहा,जिनके हाथ में हथियार है उनके हाथ से हथियार छुड़ाना और जो नहीं छोड़ रहे हैं उन्हें इंगेज करने की दिशा में काम किया गया। इसके साथ ही वामपंथ उग्रवाद क्षेत्र का विकास करना भी प्राथमिकता रही है। कई एचीवमेंट रहा है। वर्ष 2022 में चार दशकों में मृत्यु का प्रतिशत सबसे कम रहा। टॉप 14 नक्सली लीडर को न्यूट्रालाइज किया गया। हमने दो उद्देश्यों को लेकर काम किया। पहला नक्सल क्षेत्रों में रूल ऑफ़ ला को इस्टेब्लिश करना और दूसरा उन इलाकों को विकसित करना। उन्होंने कहा, बिहार, झारखंड, ओड़िशा, मध्यप्रदेश और कुछ हद तक महाराष्ट्र नक्सल समस्या से मुक्त हुआ है। वर्ष 2004 से 2014 तक 16 हजार घटनाएं हुई थी और 2014 के बाद से अब तक करीब सात हजार घटनाएं हुई है। करीब 53 फीसदी की कमी आई है। नागरिक सुरक्षा में 79 फ़ीसदी का आंकड़ा रहा है। वर्ष 2010 में 96 नए 11 जिलों को मिलाकर 107 जिले नक्सल प्रभावित जिले थे। आज यह करीब 42 पर आ गए हैं। थानों की संख्या 171 तक सीमित हुई है। वर्ष 2019 से अब तक सीएपीए के दो सौ से ज्यादा कैंप बनाए गए। वामपंथ उग्रवाद के फाइनेंशियल सिस्टम पर करारा प्रहार किया गया है। इसमें ईडी की भी बड़ी भूमिका रही है।

अनुच्छेद 370 कभी बहाल नहीं किया जाएगा

रायपुर/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर को विशेष राज्य का दर्जा देने वाले संविधान के अनुच्छेद 370 को कभी बहाल नहीं किया जाएगा। जम्मू-कश्मीर के दो प्रमुख क्षेत्रीय दलों नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीडीपी ने आगामी विधानसभा चुनाव के लिए अपने-अपने चुनावी घोषणापत्र में वादा किया है कि वे पांच अगस्त, 2019 को निरस्त किए गए अनुच्छेद 370 को बहाल करने के लिए काम करेंगे, जिसके बाद शाह ने यह टिप्पणी की है। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में संवाददाता सम्मेलन के दौरान इस बारे में पूछे जाने पर शाह ने कहा, अनुच्छेद 370 का जम्मू-कश्मीर में अब या कभी कोई स्थान नहीं रहा है। इसे कभी बहाल नहीं किया जाएगा। गृह मंत्री नक्सल प्रभावित राज्यों के शीर्ष असैन्य व सुरक्षा अधिकारियों की बैठक में भाग लेने के बाद यहां संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। नरेन्द्र मोदी सरकार ने पांच अगस्त, 2019 को अनुच्छेद 370 को निरस्त करके जम्मू-कश्मीर को विभाजित कर दो केंद्र शासित प्रदेशों जम्मू-कश्मीर और लद्दाख का गठन किया था।

उचित समय पर जनगणना कराई जाएगी : शाह

रायपुर/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि जनगणना उचित समय पर करायी जाएगी और जब इस बारे में निर्णय हो जाएगा, तब इसकी घोषणा की जाएगी। पूरे देश में एक अप्रैल से 30 सितंबर, 2020 तक जनगणना के मकान सूचीकरण चरण और राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर (एनपीआर) को अद्यतन करने की कवायद की जानी थी, लेकिन कोविड-19 के प्रकोप के कारण इसे स्थगित कर दिया गया। शाह ने यहां संवाददाता सम्मेलन में इस बारे में पूछे गए एक सवाल का जवाब देते हुए कहा, जनगणना उचित समय पर की जाएगी। जब इस बारे में निर्णय हो जाएगा, तब हम इसकी घोषणा करेंगे।

सोपोर मुठभेड़ में आतंकवादी ढेर

श्रीनगर/एजेन्सी। जम्मू-कश्मीर के सोपोर उप जिले में शनिवार को एक मुठभेड़ के दौरान एक अज्ञात आतंकवादी मारा गया और एक जवान घायल हो गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने कहा कि राफियाबाद में वाटरगाम पॉइंट पर सतर्क सुरक्षा बलों को आसपास संदिग्ध हलचल महसूस हुई। सुरक्षा बलों द्वारा चुनौती दिए जाने पर आतंकवादियों ने उन पर गोलीबारी शुरु कर की। सुरक्षा बलों ने जवाबी कार्रवाई की और मुठभेड़ शुरु हो गयी। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, इलाके को तुरंत घेर लिया गया और तलाशी शुरू की गई। बाद में तलाशी के दौरान हथियार गोला बारूद के साथ आतंकवादी का शव बरामद किया गया। आतंकवादी की पहचान की जा रही है। आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में हालांकि एक जवान भी घायल हो गया जिसे तुरंत अस्पताल में ले जाया गया। पुलिस अधिकारी ने कहा कि यह अभियान समाप्त हो गया है।

कोलकाता बलात्कार-हत्या मामला:

सीबीआई ने आरजी कर मेडिकल कॉलेज में वित्तीय अनियमितताओं की जांच अपने हाथ में ली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने शनिवार को कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में पूर्व प्राचार्य संदीप घोष के कार्यकाल के दौरान कथित वित्तीय अनियमितताओं के मामले की जांच अपने हाथ में ले ली। यह कार्रवाई कलकत्ता उच्च न्यायालय के निर्देश पर की गई। अदालत ने जांच का जिम्मा राज्य द्वारा गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) से लेकर सीबीआई को सौंप दिया था।

अधिकारी ने बताया कि सीबीआई ने शनिवार को एसआईटी से आवश्यक दस्तावेज एकत्र किए और प्राथमिकी फिर से दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू की।

अदालत ने आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के पूर्व उपाधीक्षक अख्तर अली की याचिका पर निर्देश जारी किए थे।

अली ने घोष के कार्यकाल के दौरान मेडिकल कॉलेज में कथित वित्तीय कदाचार की प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से जांच कराने का अनुरोध किया था।

मुख्य आरोपी, छह अन्य का 'पॉलीग्राफ टेस्ट' प्रारंभ

नई दिल्ली/कोलकाता/भाषा। कोलकाता के सरकारी आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में एक प्रशिक्षु चिकित्सक के साथ कथित बलात्कार और उसकी हत्या के मामले के मुख्य आरोपी और छह अन्य का 'पॉलीग्राफ टेस्ट' शनिवार को शुरू हो गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। 'पॉलीग्राफ टेस्ट' के दौरान व्यक्ति द्वारा प्रश्नों के उत्तर दिए जाते समय एक मशीन की मदद से उसकी शारीरिक प्रतिक्रियाओं को मापा जाता है और यह पता लगाया जाता है कि वह सच बोल रहा है या झूठ। अधिकारियों ने बताया कि मुख्य आरोपी संजय रॉय का 'पॉलीग्राफ टेस्ट' उस जेल में ही किया जा रहा है जहां वह बंद है, जबकि पूर्व प्राचार्य संदीप घोष, घटना की रात ड्यूटी पर मौजूद चार चिकित्सकों और एक नागरिक स्वयंसेवक समेत छह अन्य का 'पॉलीग्राफ टेस्ट' सीबीआई के कोलकाता स्थित कार्यालय में किया जा रहा है।

नफरत की फसल काटने वालों की सियासी जमीन सदा के लिए बंजर हो गई : आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

- योगी ने पूछा कि कांग्रेस नेता से पूछना चाहता हूं कि क्या उनकी पार्टी 'नेशनल कांफ्रेंस' के जम्मू-कश्मीर में फिर से 'अलग झंडे' के वादे का समर्थन करती है? क्या राहुल गांधी व कांग्रेस अनुच्छेद 370 और अनुच्छेद-35ए को वापस लाकर जम्मू-कश्मीर को फिर से अशांति और आतंकवाद के युग में धकेलने की नेशनल कांफ्रेंस की घोषणा का समर्थन करती है?

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस और नेशनल कांफ्रेंस के गठबंधन पर शनिवार को तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि नफरत की फसल काटने वाली दोनों पार्टियों की सियासी जमीन सदा के लिए बंजर हो गई है।

यहां पांच कालिदास मार्ग स्थित अपने सरकारी आवास पर पत्रकारों से बातचीत में योगी आदित्यनाथ ने जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस व नेशनल कांफ्रेंस (नेकां) के गठबंधन पर सवाल उठाए। योगी ने दावा किया, ''नफरत की फसल काटने वाली कांग्रेस व नेकां की सियासी जमीन सदा के लिए बंजर हो गई है।'' उन्होंने कहा, ''आतंकवाद और अलगाववाद का मुद्दा वहां चिनाब की जलधारा में सदा के लिए विलीन हो चुका है।''

योगी ने कांग्रेस नेता व सांसद राहुल गांधी को कठघरे में खड़ा करते हुए आरोप लगाया कि इस महत्वपूर्ण चुनाव में 'इंडिया' गठबंधन का नेतृत्व करने वाली कांग्रेस ने 'अब्दुल्ला एंड संस फैमिली प्राइवेट लिमिटेड' की नेशनल कांफ्रेंस के साथ गठबंधन करके फिर से राष्ट्र-विरोधी मंसूबों को देश के सामने रख दिया है।

सहज स्मृति योग

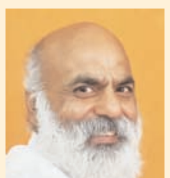

व्यक्ति के मन में जो आध्यात्मिक प्रश्न उठते हैं उनका इस स्तंभ में समाधान प्रस्तुत करने का काम कर रहे हैं गुरुजी श्री नंदकिशोर तिवारी। व्यक्ति की पृष्ठभूमि चाहे किसी भी मत, सम्प्रदाय, मज़हब से हो, सहज स्मृति योग का सरोकार मनुष्य के मात्र आत्मवान होने से है। इसलिए सहज स्मृति योग का ध्यान केवल जिज्ञासु के समाधान पर रहता है। आप भी अपनी जिज्ञासाएं guruji@darpanfoundation.com पर ईमेल या व्हाट्स अप (9902912396) द्वारा भेज सकते हैं।

प्रश्न: गुरुजी, सत्संग में यह खूब कहा जाता है कि गुरु है तो मनुष्य रूप में परमात्मा ही हैं, तो ही गुरु है। लेकिन, तमाम मानवीय ख़ामियों और ख़ूबियों से भरे किसी अपने जैसे ही आदमी को मैं परमात्मा कैसे मानलूँ ? कृपया बताएं कि परमात्मा और गुरु में क्या अंतर है ?

उत्तर: सबसे पहले संवाद अर्थात् समझने और समझाने की इस सीमा को समझिए कि बैखरी वाणी में संवाद की सीमा परस्पर स्वीकृत बुद्धि–ग्राह्य परिभाषाओं से निर्णीत होती है और बुद्धि के इसी सीमित दायरे में सारा संवाद होता है।जो अपनी दृष्टि में स्थूल, सूक्ष्म और कारण तीनों प्रकार के शरीरों से सदा मुक्त है वह गुरु पद का उत्तरदायित्व निभा सकता है,यही शिष्य के लक्षण हैं। यदि कोई ऐसा है तो उसमें और परमात्मा में कोई अंतर नहीं है। स्थूल, सूक्ष्म और कारण शरीर की परिभाषाएँ तो आप जानते ही होंगे इसलिए उद्धृत नहीं कर रहा हूँ। जिनकी 'अपनी' दृष्टि में 'अपनी' कोई अस्मिता/पहचान नहीं बचती वे अदृश्य स्तर पर 'एक' हैं क्योंकि, उनकी कोई 'अपनी' दृष्टि भी नहीं बचती। वे गुरु दृष्टि में ही तल्लीन रहते हैं। ऐसे में जो ख़ामियाँ, ख़ूबियाँ हमें दिखाई देतीं हैं वह हमारी दृष्टि और विवेक की ख़ामियाँ ख़ूबियाँ देखने की सीमा होती है, उन ऐसों की नहीं; जो अपनी दृष्टि में मन बुद्धि अहंकार स्मृति जन्य, उन प्रकृति संभव अस्मिताओं को ज्ञानाग्नि से भस्म कर चुके हैं, जिन अस्मिताओं में गुण और अवगुण पालना सम्भव होता है। वे ख़ामियाँ ख़ूबियाँ से परे होते हैं। गुरु, गुणों, लक्षणों धर्मों आदि सब से परे अवर्ण्य अस्तित्व है। किसी को 'मानना' केवल आप ही से नहीं, और किसी से भी नहीं होता।और यही सहज बात है। इसमें अपने आप को अपराधी 'मानना' उचित नहीं। जो किसी को मानने की कोशिश करेगा वह हताश निराश होगा ही। गुरु को मानना नहीं, जानना और पहचानना चाहिए।क्योंकि, मानना स्वाभाविक घटना है(वह कोई आरोपित विश्वास या बिलीफ़ नहीं है।) जो, हमारी पात्रता हो जाती है तो स्वतः घटती है। हाँ, जो केवल अपने प्रयत्न और पुरुषार्थ से नहीं हो पाता, कृपा, लगन, तप, साधना और परमार्थ से वह भी सहज हो जाता है। जैसे आकाश और खुलेपन में कोई अंतर नहीं है वे एक ही अवस्था के दो नाम हैं। गुरु और परमात्मा में ऐसा ही अंतर नहीं है।

तेलंगाना ने केंद्र से वित्तीय सहायता, ऋण पुनर्गठन की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने शनिवार को यहां वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात की और राज्य पुनर्गठन अधिनियम के अनुसार वित्तीय सहायता और लंबित बकाया राशि की मांग की।

इसके अलावा, विक्रमार्क ने राज्य में पिछली सरकार द्वारा लिए गए गैर-बजटीय ऋणों को पुनर्निर्धारित करने और ब्याज दरों में कमी करने का अनुरोध किया।

विक्रमार्क ने बैठक के बाद संवाददाताओं से कहा, मैंने केंद्रीय मंत्री को राज्य की वित्तीय स्थिति के बारे में बताया और सहायता का अनुरोध किया। मैंने उन्हें केंद्र प्रायोजित योजनाओं के लिए जारी की जाने वाली धनराशि और पुनर्गठन अधिनियम के अनुसार देय धनराशि के बारे में भी याद दिलाया।

कांग्रेस नेता ने कहा कि पिछली सरकार द्वारा ऊंची ब्याज दरों पर उधार लेने के कारण 31,795 करोड़ रुपए का अतिरिक्त ब्याज बोझ पड़ा है।

विक्रमार्क ने कहा, वर्तमान में, ऋण पर ब्याज भुगतान वेतन पर खर्च की गई राशि से अधिक है। मैंने वित्त मंत्री के ध्यान में ऐसे कुल आठ मुद्दे लाए। विक्रमार्क ने तेलंगाना के पिछड़े जिलों के लिए लंबित धनराशि जारी करने की भी मांग की तथा आंध्र प्रदेश से बिजली के लिए बकाया राशि प्राप्त करने में केंद्र के हस्तक्षेप का अनुरोध किया।

केंद्र ने कहा है कि उचित कार्रवाई के लिए राज्य और केंद्र सरकार के अधिकारियों के बीच एक बैठक आयोजित की जाएगी।

एक अलग बैठक में तेलंगाना के पर्यटन मंत्री जुपल्ली कृष्ण राव ने केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत से मुलाकात की और दक्षिणी राज्य के पर्यटन क्षेत्र के विकास के लिए समर्थन मांगा।

राव ने कहा कि शेखावत ने उन्हें तेलंगाना के पर्यटन क्षेत्र के विकास के लिए पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया है।

लाडकी बहिन योजना ने विपक्ष को बेचैन कर दिया है : शिंदे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

यवतमाल (महाराष्ट्र)/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि 'माझी लाडकी बहिन योजना' ने विपक्ष को बेचैन कर दिया है और महिलाओं को इस योजना में अपना मासिक भत्ता 4,000 रुपए तक बढ़ाने के लिए महायुति को मजबूती प्रदान करनी चाहिए।

शिंदे यवतमाल में उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और अजित पवार के साथ योजना को लेकर एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह योजना चुनाव जीतने के लिए नहीं बल्कि महिलाओं को सम्मान दिलाने के लिए शुरू की गयी है। शिंदे ने कहा कि लाडकी बहिन योजना ने विपक्ष को बेचैन कर दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा, ''सरकार महज 1,500 रुपए प्रतिमाह पर नहीं रुकेगी।''

उन्होंने सभा में एकत्रित महिलाओं से महायुति को मजबूत करने के लिए कहा ताकि किस्त को बढ़ाकर 4,000 रुपए किया जा सके। उन्होंने दावा किया कि अगर कांग्रेस सत्ता में होती तो लोगों को भ्रष्टाचार के कारण लाडकी बहिन योजना के तहत 3,000 रुपए में से महज 400 रुपए मिल पाते।

शिंदे ने बदलापुर यौन उत्पीड़न मामले के विरोध में 'महाराष्ट्र बंद' के आह्वान पर विपक्षी दलों की आलोचना की और उन पर घटना का राजनीतिकरण करने का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष बदलापुर घटना को लेकर कुछ बुरी साजिश रचने की कोशिश कर रहा है।

सरकार ने सोने, चांदी के आभूषणों के निर्यात पर शुल्क वापसी दरों में कटौती की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने सोने और चांदी के आभूषणों के निर्यात पर शुल्क वापसी दरों (ड्राबैक दरों) में आधे से अधिक की कटौती की है।

राजस्व विभाग ने इस संबंध में एक अधिसूचना जारी की है। आम बजट में इन कीमती धातुओं के आयात शुल्क में उल्लेखनीय कमी की गई थी, जिसका समायोजन करने के लिए उक्त कटौती की गई। सोने के आभूषणों के निर्यात पर शुल्क वापसी दर को शुद्ध सोने की मात्रा के 704.1 रुपए प्रति ग्राम से घटाकर 335.5 रुपए प्रति ग्राम कर दिया गया है। चांदी के आभूषणों और चांदी की वस्तुओं की दर को घटाकर शुद्ध चांदी की मात्रा के 4,468 रुपए प्रति किलोग्राम कर दिया गया है।

शुल्क वापसी योजना निर्यात की जाने वाली वस्तुओं पर चुकाए गए आयात शुल्क और आंतरिक करों को वापस करती है। बजट में सोने और चांदी पर आयात शुल्क 15 प्रतिशत से घटाकर छह प्रतिशत कर दिया गया था। भारतीय निर्यात संगठनों के महासंघ के महानिदेशक अजय सहाय ने कहा कि बजट में सोने और चांदी पर शुल्क कम किए जाने के कारण सोने और चांदी के आभूषणों पर शुल्क वापसी कम कर दी गई है। चालू वित्त वर्ष में अप्रैल–जुलाई के दौरान रत्न और आभूषण निर्यात 7.45 प्रतिशत घटकर 9.1 अरब अमेरिकी डॉलर रह गया।

महिला आयोग के समक्ष पेश हुए बीआरएस नेता रामाराव, अपनी टिप्पणियों के लिए माफी मांगी

हैदराबाद/भाषा। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष के टी रामाराव शनिवार को यहां तेलंगाना महिला आयोग के समक्ष पेश हुए और राज्य सरकार द्वारा संचालित आरटीसी बसों में महिलाओं की यात्रा के बारे में की गई अपनी टिप्पणियों के लिए खेद जताते हुए माफी मांगी। राव ने सरकारी आरटीसी बसों में महिलाओं के लिए मुफ्त यात्रा संबंधी कांग्रेस सरकार की योजना को लेकर कहा था कि अगर महिलाएं बसों में यात्रा के दौरान बुनाई जैसी गतिविधियों में शामिल रहती हैं तो उनकी पार्टी को कोई आपत्ति नहीं होगी। उन्होंने हाल ही में यहां एक कार्यक्रम में कहा था कि अगर महिलाएं या पूरा परिवार बसों में बुनाई या 'ब्रेक डांस' जैसे काम में शामिल रहता है तो बीआरएस को आपत्ति क्यों होनी चाहिए, लेकिन उनकी पार्टी चाहती है कि बसों में होने वाली झड़प की स्थिति से बचा जाए।

विभिन्न समूहों द्वारा उनकी टिप्पणियों की तीखी आलोचना किए जाने के बाद बीआरएस नेता ने कहा कि उनका इरादा कभी भी 'बहनों' को ठेस पहुंचाने का नहीं था। इसके पहले तेलंगाना महिला आयोग ने 'अपमानजनक' टिप्पणियों को लेकर राव को समन जारी किया था।

एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है कि बीआरएस नेता आज आयोग के सामने पेश हुए और अपने बयानों के लिए स्पष्टीकरण दिया। कार्यवाही के दौरान राव ने खेद व्यक्त किया और टिप्पणियों के लिए औपचारिक रूप से माफी मांगी। आयोग ने माफी को स्वीकार करते हुए बीआरएस नेता को भविष्य में ऐसी कोई भी टिप्पणी करने से परहेज करने का स्पष्ट निर्देश दिया।

भाजपा और सीबीआई केजरीवाल को जेल में रखने की 'साजिश' कर रही है: आप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। आम आदमी पार्टी (आप) ने आबकारी नीति मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जेल में रखने की कथित साजिश के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की शनिवार को आलोचना की। 'आप' के आरोपों पर सीबीआई या भाजपा की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं मिल सकी है।

'आप' के वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया और आतिशी ने आरोप लगाया कि सीबीआई ने केजरीवाल की जमानत याचिका पर जवाब दाखिल करने के लिए उच्चतम न्यायालय से समय मांगा, लेकिन संबंधित जवाब उसने अखबारों में ''प्रकाशित'' करवा दी। सिसोदिया ने 'एक्स' पर कहा, ''सीबीआई जिस दिन अदालत में जाकर कहती है कि जमानत याचिका पर हमारा जवाब तैयार नहीं है इसलिए जमानत की सुनवाई 14 दिन आगे बढ़ा दी जाए। उसी दिन सीबीआई का जवाब मीडिया में दे दिया जाता है, ताकि सीबीआई का जवाब अगले दिन अखबारों का एकतरफा शीर्षक बन सके।'' उन्होंने कहा, ''अरविंद केजरीवाल जी को जेल में रखने के लिए भाजपा के एजेंडे पर सीबीआई किस तरह कठपुतली बनकर नाच रही है।''

कर्नाटक में कानून-व्यवस्था चरमरा गई है : भाजपा

बेंगलूरु। कर्नाटक में कानून–व्यवस्था की स्थिति काफी खराब होने तथा हत्या, जबरन वसूली और बलात्कार की घटनाओं में वृद्धि होने का आरोप लगाते हुए प्रदेश भाजपा ने शनिवार को दावा किया कि राज्य में कांग्रेस सरकार बनने के बाद अपराधियों में पुलिस का कोई डर नहीं रह गया है। मुख्य विपक्षी दल ने यह भी दावा किया कि कर्नाटक में मादक पदार्थों की तस्करी बढ़ रही है वहीं जिहादी मानसिकता भी फैल रही है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने यह भी कहा कि कांग्रेस सरकार ने राज्य में शासन करने का नैतिक अधिकार खो दिया है।

उडुप्पी जिले के करकला में 24 वर्षीय महिला को कथित तौर पर अगवा कर उसके साथ बलात्कार की घटना सामने आने के बाद विपक्षी दल ने सरकार पर कानून व्यवस्था को लेकर हमला बोला है। पुलिस ने बताया कि यह घटना 23 अगस्त की रात करकला शहर थाना क्षेत्र में घटित हुई। पुलिस के अनुसार इस मामले के सिलसिले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

भाजपा के प्रदेश महासचिव और करकला से विधायक सुनील कुमार ने आरोप लगाया, राज्य में कानून–व्यवस्था की स्थिति काफी खराब हो गई है। यह (कांग्रेस की) सरकार बनने के बाद ऐसी स्थिति है कि पुलिस का कोई डर नहीं रह गया है। हत्या, जबरन वसूली और बलात्कार की घटनाएं रोजाना बढ़ रही हैं। उन्होंने यहां पत्रकारों से बातचीत में आरोप लगाया कि मादक पदार्थों की तस्करी बढ़ रही है, जिहादी मानसिकता फैल रही है, ऐसे में सरकार को राजनीति छोड़कर महिलाओं और लड़कियों को बचाने के लिए आगे आना चाहिए।

कर्नाटक में 24 वर्षीय युवती के साथ दुष्कर्म, दो गिरफ्तार

उडुप्पी। कर्नाटक में उडुपी जिले के कार्कल में एक 24 वर्षीय युवती को कथित तौर पर अगवा कर नशीला पदार्थ दिया गया और एक सुनसान जगह पर ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया गया। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने कहा कि यह घटना 23 अगस्त की रात को कार्कल टाउन पुलिस थाना क्षेत्र में घटित हुई। उसने बताया कि कार्कल कस्बे की रहने वाली पीड़िता को कथित तौर पर अल्ताफ नामक व्यक्ति ने अगवा कर लिया और कार में एक सुनसान जगह पर ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। उडुपी के पुलिस अधीक्षक अरुण के अनुसार युवती और अल्ताफ पिछले तीन महीनों से सोशल मीडिया मंच 'इंस्टाग्राम' पर दोस्त हैं और दोनों एक ही शहर (कार्कल) के रहने वाले हैं। शुक्रवार को अल्ताफ महिला के कार्यस्थल पर आया और उसने कथित तौर पर उसे कार में अगवा कर लिया।

उन्होंने बताया कि कुछ देर बाद अल्ताफ का एक और साथी रिचर्ड कार्डोजा भी उनके साथ आ गया। अल्ताफ के पास शराब की कुछ बोतलें थीं और उसने महिला को जबरन शराब पिलाई। महिला और उसके परिवार द्वारा दर्ज कराई गयी शिकायत के अनुसार अल्ताफ ने शराब में नशीला पदार्थ मिलाकर उसे पीने के लिए मजबूर किया। बाद में उसने कथित तौर पर उसके साथ दुष्कर्म किया और उसे उसके घर वापस छोड़ दिया। पुलिस अधिकारी ने बताया, हमने अल्ताफ और कार्डोजा दोनों को गिरफ्तार कर लिया है और उनके द्वारा इस्तेमाल किए गए वाहनों को जब्त कर लिया है। पीड़िता ने अपना बयान दर्ज कराया है जिसे मजिस्ट्रेट के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा।

हैदराबाद : अधिकारियों ने अभिनेता नागार्जुन के एन-कन्वेंशन सेंटर को ध्वस्त किया

हैदराबाद/भाषा। सरकारी अधिकारियों ने शनिवार को हैदराबाद के माधापुर में तेलुगु अभिनेता नागार्जुन के संयुक्त स्वामित्व वाले एन–कॉन्वेंशन सेंटर को ध्वस्त कर दिया। आरोप है कि इस कन्वेंशन सेंटर का निर्माण तम्मिडीकुंटा झील के पास अतिक्रमण की गई जमीन पर किया जा रहा था। अभिनेता नागार्जुन ने तेलंगाना उच्च न्यायालय में याचिका दायर कर ध्वस्तीकरण पर रोक लगाने का अनुरोध किया, जिस पर अदालत ने अंतरिम रोक लगा दी । नागार्जुन ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि उन्होंने कानून का उल्लंघन कर कोई कृत्य नहीं किया है तथा ध्वस्तीकरण गलत सूचना के आधार पर किया गया। आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया कि 'हैदराबाद डिजास्टर रिस्पांस एंड एसेट प्रोटेक्शन एजेंसी' (एचवाईडीआरएए), ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम, नगर नियोजन, सिंचाई और राजस्व विभागों के अधिकारियों ने झील के 'फुल टैंक लेवल' (एफटीएल)/ बफर क्षेत्र में अतिक्रमण हटा दिए।

सैलजा ने आप से गठबंधन की संभावना नकारी, बोलीं: अपने दम पर चुनाव लड़ेगी कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस महासचिव कुमारी सैलजा ने हरियाणा विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी (आप) के साथ गठबंधन की संभावना को खारिज करते हुए कहा है कि उनकी पार्टी खुद में मजबूत है तथा अपने दम पर चुनाव लड़ेगी। उन्होंने 'पीटीआई' के विशेष कार्यक्रम '4पार्लियामेंट स्ट्रीट' में समाचार एजेंसी के संपादकों के साथ बातचीत में यह दावा भी किया कि इस चुनाव में इंडियन नेशनल लोक दल (इनेलो) और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के गठबंधन और जननायक जनता पार्टी (जजपा) से कांग्रेस को कोई नुकसान नहीं होगा तथा मुख्य विपक्षी दल पूर्ण बहुमत की सरकार बनाएगा।

हरियाणा में सभी 90 विधानसभा सीट के लिए एक अक्टूबर को मतदान होगा। मतगणना चार अक्टूबर को होगी। इस चुनाव में 'आप' के साथ गठबंधन की संभावना के बारे में पूछे जाने पर पूर्व केंद्रीय मंत्री सैलजा ने कहा, ''हम (इंडिया गठबंधन में) साझेदार हैं, लेकिन यह तय किया गया था कि राज्य के स्तर पर (गठबंधन) फैसला होगा। पहले आम आदमी पार्टी ने कहा है कि वह विधानसभा चुनाव में गठबंधन नहीं करेंगे।''

उनका कहना था, ''मेरा मानना है कि कांग्रेस खुद में मजबूत है और वह अपने दम पर चुनाव लड़ेगी।'' पिछले 13 अगस्त को हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा था कि राज्य के विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी के साथ गठबंधन के बारे में कोई चर्चा नहीं है तथा कांग्रेस खुद में सक्षम है। इससे पहले, कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने भी गत चार जुलाई को कहा था कि दिल्ली और हरियाणा के विधानसभा चुनावों में आम आदमी पार्टी के साथ गठबंधन की बहुत गुंजाइश नहीं है। हालांकि, महाराष्ट्र और झारखंड के विधानसभा चुनावों में विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन बरकरार रहेगा।

'कांग्रेस-नेकां गठबंधन को पूरा समर्थन देंगे अगर वह पीडीपी का एजेंडा स्वीकार करे'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने शनिवार को कहा कि जम्मू–कश्मीर में कांग्रेस–नेकां गठबंधन अगर उनकी पार्टी के एजेंडे को स्वीकार करने के लिए तैयार है, तो वह पूर्ण समर्थन देते हुए विधानसभा चुनाव में सभी सीट गठबंधन के लिए छोड़ देंगी। महबूबा ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ गठबंधन की संभावना से भी इनकार किया, जिसके साथ पीडीपी ने पहले गठबंधन सरकार चलायी थी। महबूबा ने कहा, ''गठबंधन और सीट बंटवारे की बात भूल जाइए, अगर कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) हमारा एजेंडा (कश्मीर मुद्दे का समाधान और मार्गों को खोलने के संबंध में कदम उठाना) स्वीकार करने के लिए तैयार हैं, तो हम उनसे कहेंगे कि वे सभी सीट पर चुनाव लड़ें और हम आपका पूर्ण समर्थन करेंगे।''

गुरुग्राम में फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़, 20 गिरफ्तार

गुरुग्राम/भाषा। हरियाणा में गुरुग्राम के सोहना रोड स्थित फ्लोरा एवेन्यू 33 सोसायटी के तीन फ्लैट से संचालित एक फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़ कर चार महिलाओं सहित 20 लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि आरोपी ऑनलाइन तकनीकी सहायता उपलब्ध कराने का झांसा देकर विदेशी नागरिकों को ठगते थे। उनके कब्जे से 25 मोबाइल फोन, 16 लैपटॉप और 50,000 रुपए नकद बरामद किए गए।

पुलिस के अनुसार उन्हें सूचना मिली थी कि फ्लोरा एवेन्यू 33 सोसायटी के फ्लैट ए–20, 21 और 22 में फर्जी कॉल सेंटर चलाया जा रहा है, जिसमें ऑनलाइन तकनीकी सहायता का झांसा देकर विदेशी नागरिकों से ठगी की जा रही है। उसने बताया कि सूचना मिलने के बाद साइबर अपराध थाना की टीम ने शुक्रवार रात छापेमारी की।

साल भर बाड़े में रहने के बाद चीते फिर से जंगल में विचरण के लिए तैयार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दुनिया में पहले अंतरमहाद्वीपीय स्थानांतरण के तहत भारत लाए गए अफ्रीकी चीते जल्द ही फिर से जंगल में स्वतंत्र रूप से विचरण करने लगेंगे। लगभग एक साल पहले उन्हें स्वास्थ्य जांच और निगरानी के लिए मध्य प्रदेश के कुनो राष्ट्रीय उद्यान के जंगल से वापस बाड़ों में भेज दिया गया था।

अधिकारियों ने 'पीटीआई–भाषा' को बताया कि केंद्र की चीता परियोजना संचालन समिति ने शुक्रवार को फैसला किया कि देश के मध्य भागों से मानसून की वापसी के बाद अफ्रीकी चीतों और भारत में जन्मे उनके शावकों को चरणबद्ध तरीके से जंगल में छोड़ा जाएगा। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, मध्यप्रदेश के अधिकतर इलाकों से अक्टूबर के पहले सप्ताह तक आमतौर पर मानसून लौट जाता है। इस संबंध में एक अधिकारी ने कहा, ''समिति के सदस्यों और राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) के अधिकारियों ने कुनो का दौरा किया और चीतों को छोड़ने के विषय पर चर्चा की। बारिश का दौर समाप्त हो जाने के बाद वयस्क चीतों को विभिन्न चरणों में जंगल में छोड़ा जाएगा, जबकि शावकों और मादा चीतों को दिसंबर के बाद छोड़ा जाएगा।'' अधिकारी के अनुसार, सभी 25 चीते स्वस्थ हैं, जिसमें 13 वयस्क और 12 शावक शामिल हैं। आठ चीतों का पहला जत्था नामीबिया से सितंबर 2022 में भारत लाया गया था और बाद में 12 चीतों का दूसरा जत्था दक्षिण अफ्रीका से लाया गया था। शुरुआत में चीतों को जंगल में छोड़ दिया गया था, लेकिन 'सेप्टीसीमिया' के कारण तीन चीतों –त्बिलिसी (नामीबिया से) नाम की मादा और तेजस तथा सूरज नामक दो दक्षिण अफ्रीकी नर की मौत के बाद पिछले साल अगस्त तक उन्हें वापस बाड़ों में भेज दिया गया था। 'सेप्टीसीमिया' एक ऐसा संक्रमण है जो रक्त में जीवाणु के प्रवेश हो जाने से फैलता है। वर्तमान में पवन नामक केवल एक चीता ही जंगल में स्वतंत्र रूप से घूम रहा है। अधिकारियों का कहना है कि उस पर नजर रखना और उसे पकड़ना कठिन है।

नाबलिग से अश्लील हरकत करने को लेकर पांच लोगों पर मामला दर्ज

जींद/भाषा। हरियाणा के जींद में एक नाबालिग लडक़ी के साथ कथित रूप से अश्लील हरकत करने पर पांच लोगों पर मामला दर्ज किया गया है जिनमें एक को नामजद किया गया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। नरवाना की महिला ने पुलिस में शिकायत की कि पिछले दिन जब उसकी नाबालिग बेटी गैबी स्कूल के निकट से गुजर रही थी, तब ढाकल गांव के शिवम तथा उसके साथियों ने उसके साथ अश्लील हरकत की। शिकायतकर्ता के अनुसार जब उसकी बेटी ने विरोध किया तो आरोपियों ने उसे बुरा अंजाम भुगतने की धमकी दी।

शेवरॉन कर्नाटक में 8,300 करोड़ रु. का निवेश करेगी : पाटिल

बेंगलूरु। ऊर्जा समाधान उपलब्ध कराने वाली अग्रणी वैश्विक कंपनी शेवरॉन ने शनिवार को यहां अपना इंजीनियरिंग एवं नवाचार उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने के लिए 8,300 करोड़ रुपये का निवेश करने की घोषणा की।

इस निवेश की घोषणा एक उच्चस्तरीय बैठक के दौरान की गई, जिसमें कर्नाटक के बड़े और मध्यम उद्योग तथा बुनियादी ढांचा विकास मंत्री एम बी पाटिल और अन्य लोग शामिल हुए। बुनियादी ढांचा विकास मंत्री एम बी पाटिल ने कहा, कर्नाटक लगातार आर्थिक वृद्धि और विकास को बढ़ावा देने में अग्रणी रहा है।

कुल 8,300 करोड़ रुपये के इस निवेश को लागू करने में राज्य सरकार और शेवरॉन कंपनी के बीच सहयोग कर्नाटक में इंजीनियरिंग और नवाचार में महत्वपूर्ण प्रगति का स्पष्ट संकेत है।

राज्य सरकार नवाचार, आर्थिक वृद्धि और रोजगार सृजन को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। शेवरॉन इंडिया के प्रमुख अक्षय साहनी ने नए केंद्र के लिए कंपनी के दृष्टिकोण को साझा किया। उन्होंने कहा, यह भारत की असाधारण प्रतिभा को किफायती, विश्वसनीय स्वच्छ ऊर्जा प्रदान करने के लिए हमारे वैश्विक नेटवर्क के संसाधनों और विशेषज्ञता के साथ काम करने का अवसर प्रदान करेगा। मंत्री के कार्यालय द्वारा साझा किए गए एक बयान के अनुसार, केंद्र ऊर्जा प्रणाली प्रौद्योगिकी नवाचारों में तेजी लाने के लिए इंजीनियरिंग और डिजिटल सेवाओं में 2025 तक 600 इंजीनियरों को नियुक्त करेगा। राज्य ने प्रगतिशील नीतियों के माध्यम से तकनीकी प्रगति को बढ़ावा देने के लिए अनुकरणीय कदम उठाए हैं, जिससे नवाचार के लिए एक सक्षम वातावरण तैयार हुआ है।

मंत्री ने कहा कि बेंगलूरु में पहले से ही 500 से अधिक वैश्विक सक्षमता केन्द्र (जीसीसी) हैं तथा वित्त, स्वास्थ्य सेवा, खुदरा, विनिर्माण और अन्य क्षेत्रों सहित भारत के जीसीसी में इसका योगदान 30 प्रतिशत से अधिक है। शेवरॉन सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (इंजन) स्थानीय पेशेवरों के लिए रोजगार के महत्वपूर्ण अवसर पैदा करेगा।

सलामी — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई के एग्मोर स्थित राजारत्नम स्पोर्ट्स स्टेडियम में भारत के राष्ट्रपति पदक, केन्द्रीय गृहमंत्री पदक और मुख्यमंत्री पदक पुलिस विभाग को पुरस्कार स्वरूप देने के समारोह में सलामी लेते हुए तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन। उन्होंने भ्रष्टाचार विरोधी और सतर्कता विभाग, अग्निशमन और बचाव सेवा विभाग, जेल और सुधार सेवा विभाग, होम गार्ड और नागरिक सुरक्षा बल और फोरेंसिक विज्ञान विभाग में अच्छा काम करने वालों को पदक से सम्मानित किया।

सम्मान — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई के एग्मोर स्थित राजारत्नम स्पोर्ट्स स्टेडियम में भारत के राष्ट्रपति पदक, केन्द्रीय गृहमंत्री पदक और मुख्यमंत्री पदक पुलिस विभाग को पुरस्कार पदक से सम्मानित करते हुए मुख्यमंत्री एमके स्टालिन। इस मौके पर महानिदेशक शंकर जीवाल मौजूद थे।

शासन का द्रविड़ मॉडल कभी भी विभिन्न धर्मों के लिए बाधा नहीं रहा है : स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

डिंडीगुल। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने शनिवार को कहा कि शासन का द्रविड़ मॉडल कभी भी विभिन्न धर्मों के लिए बाधा नहीं रहा है और यह सभी धर्मों के लिए उदार है। स्टालिन ने चेन्नई से पलानी में पहले वैश्विक मुथामिज मुरुगन सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए कहा कि उनकी पार्टी द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) की सरकार सामाजिक एवं अन्य क्षेत्रों समेत राज्य के समग्र विकास पर ध्यान केंद्रित कर रही है। उन्होंने कहा कि धार्मिक स्थल किसी भी भेदभाव से मुक्त होने चाहिए। दो दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन राज्य हिंदू धार्मिक एवं धर्मार्थ बंदोबस्ती विभाग द्वारा बड़े पैमाने पर किया जा रहा है और आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले विभाग के मंत्री पी. के. शेखर बाबू की मुख्यमंत्री ने सराहना की।

स्टालिन ने कहा, हर किसी की अलग-अलग मान्यताएं होती हैं। इसमें कुछ भी ऊंचा या नीचा नहीं है। सरकार का द्रविड़ मॉडल कभी भी उन आस्थाओं-मान्यताओं में बाधा नहीं बना है, बल्कि यह 'सबके लिए सब कुछ' की अवधारणा के आधार पर समग्र विकास के लिए प्रयासरत है।

स्टालिन ने कहा, श्रद्धालुओं के कल्याण को ध्यान में रखते हुए, हमने मंदिरों में विकास कार्य शुरू कर दिए हैं... भगवान मुरुगन के छह निवासों में लगभग 251 कार्य प्रगति पर हैं, जिनकी अनुमानित लागत 789.85 करोड़ रुपये है और भगवान मुरुगन के अन्य मंदिरों में 277.27 करोड़ रुपये की लागत से 588 कार्य किए जा रहे हैं।

स्टालिन ने 11 भारतीय मछुआरों की गिरफ्तारी का मामला केंद्र के समक्ष उठाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने श्रीलंकाई नौसेना द्वारा कथित समुद्री उल्लंघन के लिए तमिलनाडु के 11 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार करने के मामले को शनिवार को केंद्र के समक्ष उठाया तथा उनकी रिहाई के लिए तत्काल कदम उठाने की मांग की। श्रीलंका की नौसेना ने एक नाव को जब्त भी किया है।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर को लिखे पत्र में स्टालिन ने शुक्रवार को कहा, मैं तमिलनाडु के मछुआरों को पकड़े जाने की एक और घटना पर गंभीर चिंता के साथ आपको पत्र लिख रहा हूं। उन्होंने बताया कि मछुआरों को नागपट्टिनम जिले के कोडियाकराई के दक्षिण-पूर्व में मछली पकड़ते समय गिरफ्तार किया गया। स्टालिन ने कहा, मैंने इस बात पर जोर दिया है कि ऐसी घटनाएं बार-बार हो रही हैं, जो चिंता पैदा करती हैं। अकेले 2024 में, श्रीलंकाई नौसेना ने 324 मछुआरों को पकड़ा और 44 नावों को जब्त किया है। तमिलनाडु में मछुआरा समुदाय को इसके चलते भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है, जिससे उनका जीवनयापन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इसके अलावा, पिछले दो सप्ताह में श्रीलंका के अज्ञात व्यक्तियों द्वारा समुद्र में मछुआरों पर हमले की कुछ घटनाएं हुई हैं और इस मुद्दे को तत्काल हल करने की आवश्यकता है।

वायनाड में भूस्खलन मानवीय उदासीनता, लालच पर प्रकृति की प्रतिक्रिया का एक उदाहरण : केरल उच्च न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि। केरल उच्च न्यायालय ने कहा है कि केरल के वायनाड जिले में हुए भूस्खलन में 200 से अधिक लोगों की मौत 'मनुष्य की उदासीनता और लालच' के प्रति प्रकृति की प्रतिक्रिया का एक और उदाहरण है। अदालत ने कहा कि चेतावनी के ''संकेत'' बहुत पहले ही दिखाई दे गए थे लेकिन हमने उन्हें विकास के उस एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए नजरअंदाज करने का विकल्प चुना जो संभवतया हमारे राज्य को आर्थिक समृद्धि के उच्च मार्ग पर ले जाएंगे।

अदालत ने कहा कि 2018 और 2019 में प्राकृतिक आपदाओं, लगभग दो वर्षों तक वैश्विक महामारी और हालिया भूस्खलनों ने दर्शाया है कि हमारे तरीकों में त्रुटि है। न्यायमूर्ति ए के जयशंकरन नांबियार और न्यायमूर्ति श्याम कुमार वी एम की पीठ ने 30 जुलाई को हुए भूस्खलनों के बाद अदालत द्वारा स्वत: संज्ञान लिए मामले संबंधी याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा, अगर हम अपने तरीकों में सुधार नहीं करते हैं और इस समस्या से निपटने के लिए सकारात्मक कदम नहीं उठाते हैं, तो शायद बहुत देर हो जाएगी।

भूस्खलन की कई घटनाओं से वायनाड के तीन गांव पूरी तरह नष्ट हो गए और 119 लोग अब भी लापता हैं। पीठ ने 23 अगस्त के अपने आदेश में कहा कि अदालत ने केरल में सतत विकास के लिए राज्य सरकार को अपनी वर्तमान धारणाओं पर आत्मनिरीक्षण करने और उसके संबंध में अपनी नीति पर फिर से विचार करने हेतु ''राजी करने के लिए'' स्वत: संज्ञान लेते हुए जनहित याचिका पर सुनवाई शुरू की। पीठ ने कहा कि अदालत प्राकृतिक संसाधनों के दोहन, पर्यावरण, वनों और वन्यजीवों के संरक्षण, प्राकृतिक आपदाओं की रोकथाम, प्रबंधन और शमन और सतत विकास लक्ष्यों के संबंध में राज्य की मौजूदा नीतियों की समीक्षा करेगी।

अदालत ने निर्देश दिया कि राज्य पर्यावरण पर प्रभाव के आकलन का आवश्यक अध्ययन करेगा और संबंधित इलाके के व्यक्तियों या निवासियों के विचारों को जानने के लिए पर्याप्त जनसभाएं करेगा। पीठ ने केंद्र और केरल सरकार को हलफनामा दाखिल कर यह स्पष्ट करने का भी निर्देश दिया है कि इन आपदाओं से निपटने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं और क्या राज्य में हुई प्राकृतिक आपदाओं के मद्देनजर वे आपदा प्रबंधन अधिनियम (डीएमए) 2005 के तहत अनिवार्य विषय विशेषज्ञों की संख्या बढ़ाने का प्रस्ताव रखते हैं। अदालत ने उन्हें हलफनामे दाखिल करने के लिए तीन सप्ताह का समय दिया है।

तमिलनाडु के अंतरिक्ष स्टार्टअप ने पहला पुन: प्रयोज्य हाइब्रिड रॉकेट सफलतापूर्वक प्रक्षेपित किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु स्थित स्टार्टअप स्पेस जोन इंडिया' ने शनिवार को अपना पहला पुन: प्रयोज्य हाइब्रिड रॉकेट, मिशन आरएचयूएमआई-2024 सफलतापूर्वक प्रक्षेपित किया, जिसपर ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन पर शोध करने के लिए एक मोबाइल प्लेटफॉर्म लगाया गया है। स्पेस जोन इंडिया पिछले दो वर्षों से मिशन आरएचयूएमआई के तहत विभिन्न परियोजनाओं का संचालन कर रहा है।

चेन्नई के पास 'ईस्ट कोस्ट रोड' पर तिरुविदंतई में सुबह-सुबह प्रक्षेपित किया गया आरएचयूएमआई रॉकेट एक जेनेरिक-ईंधन-आधारित हाइब्रिड मोटर युक्त है और इसमें विद्युत चालित पैराशूट का इस्तेमाल किया गया है।

स्पेस ज़ोन इंडिया के संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) आनंद मेगालिंगम ने कहा, ''यह 3.5 मीटर ऊंचा रॉकेट है और इसे लगभग 7.25 बजे प्रक्षेपित किया गया। पहले इसके प्रक्षेपण के लिए सात बजे का समय निर्धारित था।'' उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''यह एक परिज्ञापी (साउंडिंग) रॉकेट से कहीं अधिक है। यह लगभग 35 किलोमीटर की ऊंचाई तक उड़ा और अभी मेरी टीम योजना के अनुसार इसे वापस लेने के लिए वहां मौजूद है (क्योंकि यह दोबारा इस्तेमाल होने वाला रॉकेट है)।'' उन्होंने तट के पास मोबाइल लॉन्च पैड से प्रक्षेपण के बारे में बताया, ''नवासी डिग्री झुकाव की तुलना में, हमने भारी हवा और झोंकों के कारण रॉकेट को 70 डिग्री झुकाव के साथ प्रक्षेपित किया था।'' मिशन आरएचयूएमआई को हाइब्रिड रॉकेट की दुनिया का पहला सचल प्रक्षेपण बताया गया है। आनंद मेगालिंगम ने बताया कि आरएचयूएमआई का नाम उनके बेटे रूमिथरन के नाम पर रखा गया है।

श्रीलंका नौसेना ने मछली पकड़ने के आरोप में 11 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/कोलंबो। श्रीलंकाई नौसेना ने देश के जलक्षेत्र में कथित रूप से अवैध शिकार करने के आरोप में 11 और भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया है जिससे इस वर्ष गिरफ्तारियों की कुल संख्या 333 हो गई है। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में यह बात कही गयी है।

श्रीलंकाई नौसेना ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि शुक्रवार को उत्तरी प्रांत जाफना के प्वाइंट पेड्रो तट के पास 11 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार कर लिया गया और उनकी मछली पकड़ने वाली नाव जब्त कर ली गई।

इसमें कहा गया है कि पकड़े गए लोगों को आगे की कार्रवाई के लिए कांकेसंथुराई मछली पकड़ने वाले बंदरगाह पर लाया गया। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार इसके साथ ही इस वर्ष श्रीलंकाई नौसेना द्वारा गिरफ्तार किए गए भारतीयों की संख्या बढ़कर 333 हो गई है तथा उनके जब्त किए गए जहाजों की संख्या 45 हो गई है।

इस बीच तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने 11 और मछुआरों की गिरफ्तारी के बाद विदेश मंत्री एस जयशंकर को पत्र लिखा है।

उन्होंने कहा, मैंने बार-बार इस बात पर प्रकाश डाला है कि ऐसी घटनाएं चिंताजनक आवृत्ति पर हो रही हैं। अकेले 2024 में श्रीलंकाई नौसेना द्वारा 324 मछुआरों और 44 नौकाओं को पकड़ा गया था।

तमिलनाडु में मछुआरों को बार-बार की गई गिरफ्तारियों के कारण भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है, जिससे उनके निर्वाह के साधन गंभीर रूप से प्रभावित हो रहे हैं।

कांग्रेस आलाकमान को कर्नाटक के राजनीतिक घटनाक्रम की जानकारी दी गई : सिद्दरामय्या

बेंगलूरु। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने शनिवार को कहा कि कांग्रेस आलाकमान को राज्य में हाल के राजनीतिक घटनाक्रम और राज्यपाल द्वारा उनके खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी के बारे में बता दिया गया है। सिद्दरामय्या ने उनके खिलाफ मुकदमा चलाये जाने की मंजूरी दिये जाने को ''संविधान विरोधी और अवैध'' करार दिया। उन्होंने कहा कि राज्यपाल द्वारा कुछ विधेयकों को सरकार को वापस भेजने के मुद्दे पर मंत्रिमंडल में चर्चा की जाएगी तथा बैठक में आगे की कार्रवाई पर निर्णय लिया जाएगा।

सिद्दरामय्या, उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार और कई वरिष्ठ मंत्रियों ने शुक्रवार को नई दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी से मुलाकात की और चर्चा की। सिद्दरामय्या ने कहा, ''हम कल खुद दिल्ली गए थे... डी. के. शिवकुमार और मैंने (कांग्रेस आलाकमान को) राज्य में राजनीतिक घटनाक्रम, खासकर मैसूरू शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) मुद्दे पर विपक्ष की पदयात्रा (बेंगलूरु से मैसूरू तक पैदल मार्च) के बारे में बताया है।'' उन्होंने यहां पत्रकारों से कहा, हमने उन्हें (आलाकमान को) सरकार के स्पष्ट रुख से अवगत करा दिया है कि राज्यपाल द्वारा मेरे खिलाफ मुकदमे की मंजूरी देना संविधान विरोधी और अवैध है तथा इसे अदालत में चुनौती दी जानी चाहिए। हमने उन्हें यह भी बताया है कि मंत्रिमंडल और विधायक दल दोनों ने इसकी (राज्यपाल की मंजूरी की) निंदा की है तथा उन्हें बताया कि राज्यपाल के फैसले को उच्च न्यायालय में चुनौती दी गई है।

भाजपा नेता ने गहलोत से सिद्दरामय्या को रिपोर्ट सार्वजनिक करने का निर्देश देने का अनुरोध किया

बेंगलूरु। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व राष्ट्रीय महासचिव और विधान पार्षद सीटी रवि ने शनिवार को कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत से अनुरोध किया कि वे मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या को न्यायमूर्ति केम्पन्ना समिति की रिपोर्ट सार्वजनिक करने का निर्देश दें। यह रिपोर्ट भ्रष्टाचार के आरोपों और अवैध रूप से गैर-अधिसूचित (डीनोटिफिकेशन) करने से जुड़े अर्कावती लेआउट विवाद के बारे में है।

राज्यपाल को लिखे एक पत्र में रवि ने कहा कि वह पिछली कांग्रेस सरकार द्वारा 852 एकड़ से जुड़ी अधिसूचना वापस लेने से संबंधित अर्कावती लेआउट' विवाद पर ध्यान आकर्षित करना चाहेंगे जिसकी कीमत लगभग 8,000 करोड़ रुपये आंकी गई है।

तमिलनाडु की अदालतों में 233 नये न्यायाधीश किये जायेंगे नियुक्त : मुख्य न्यायाधीश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि विभिन्न न्यायालयों के लिए 300 से अधिक नए न्यायाधीशों की अपील की थी

इरोड। मद्रास उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश डी कृष्णकुमार ने शनिवार को कहा कि तमिलनाडु की विभिन्न अदालतों में शीघ्र ही 233 न्यायाधीश नियुक्त किये जायेंगे। न्यायमूर्ति कृष्णकुमार ने यहां इरोड के जिलाधिकारी कार्यालय में हुए कार्यक्रम में वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से मोडाकुरिची तालुक के इलूमाथुर में जिला मुंशिफ-सह-न्यायिक मजिस्ट्रेट अदालत का उद्घाटन किया।

उन्होंने कहा, हमने तमिलनाडु सरकार से राज्य में चल रहे विभिन्न न्यायालयों के लिए 300 से अधिक नए न्यायाधीशों की नियुक्ति करने की अपील की है और सरकार ने 233 न्यायाधीशों की नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। न्यायाधीशों की नियुक्ति जल्द ही कर दी जाएगी। न्यायमूर्ति कृष्णकुमार ने कहा कि फिलहाल इरोड में 41 अदालतें चल रही हैं। उन्होंने कनिष्ठ अधिवक्ताओं से वरिष्ठ वकीलों का सम्मान करने तथा जटिल मामलों में उनसे सलाह एवं सुझाव लेने का अनुरोध किया। इससे पहले, वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से कोडुमुडी में एक उपन्यायालय का उद्घाटन करते हुए उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश एम एम सुंदरेश ने कहा कि न्यायिक अदालतें वादियों के फायदे के लिए बनायी गयी हैं तथा वकीलों को नवीनतम संशोधनों एवं कानून की बारीकियों की जानकारी रखनी चाहिए। मद्रास उच्च न्यायालय की न्यायाधीश (इरोड जिले की पोर्टफोलियो न्यायाधीश) अनीता सुमनाथ ने वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से पेरुन्दुरई में विरासत भवन (ओल्ड जेएम कोर्ट बिल्डिंग) का उद्घाटन किया। इरोड के जिलाधिकारी राजा गोपाल सुनकारा, प्रधान जिला न्यायाधीश बी मुरुगेशन, विभिन्न तालुकों के बार एसोसिएशन अध्यक्ष इस मौके पर मौजूद थे।

युवा कांग्रेस ने निर्देशक रंजीत के खिलाफ दर्ज कराई पुलिस में औपचारिक शिकायत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वायनाड। एक बांग्ला अभिनेत्री द्वारा प्रसिद्ध मलयालम फिल्म निर्देशक और राज्य द्वारा संचालित केरल चलचित्र अकादमी के अध्यक्ष, रंजीत पर दुर्व्यवहार करने का आरोप लगाए जाने के बाद कांग्रेस पार्टी की युवा शाखा ने उनके खिलाफ पुलिस में औपचारिक शिकायत दर्ज कराई है।

युवा कांग्रेस की राज्य इकाई के उपाध्यक्ष एबिन वर्की ने पुलिस प्रमुख के समक्ष औपचारिक शिकायत दर्ज कराते हुए फिल्म निर्देशक के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने वायनाड जिले के मेप्पाडी स्थित जिस रिसॉर्ट में रंजीत रुके हुए थे उसके बाहर अपने संगठन के झंडे लेकर प्रदर्शन किया। युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने राज्य की राजधानी में राज्य के संस्कृति मंत्री साजी चेरियन के आधिकारिक आवास तक विरोध मार्च निकाला और उनके इस्तीफे की मांग की। पुलिस द्वारा लगाए अवरोधकों के कारण उनके विरोध मार्च को रोक दिए जाने के बाद उन्होंने मंत्री का पुतला भी जलाया। इससे पहले दिन में चेरियन ने कहा था कि यदि बंगाली अभिनेता द्वारा निर्देशक के खिलाफ लगाए गए आरोप साबित हो जाते हैं तो रंजीत के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी, जिसके बाद मंत्री के खिलाफ विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया था।

एसआईटी ने जद(एस) विधायक रेवन्ना, पूर्व सांसद प्रज्ज्वल के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया

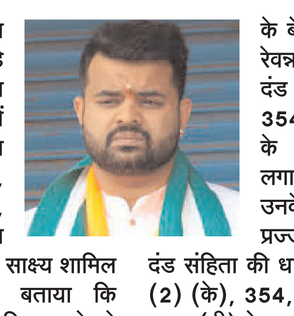

बेंगलूरु। अपराध जांच विभाग के विशेष जांच दल (एसआईटी) ने पूर्व सांसद प्रज्ज्वल रेवन्ना के खिलाफ दुष्कर्म मामले और उनके पिता एवं विधायक एच डी रेवन्ना के खिलाफ यौन उत्पीड़न मामले में आरोपपत्र दाखिल किया है। प्रज्ज्वल के खिलाफ चार मामलों की जांच कर रही एसआईटी ने कहा कि 2,000 से अधिक पृष्ठों के आरोपपत्र में करीब 150 गवाहों के बयान दर्ज हैं।

एक विशेष अदालत में जो आरोपपत्र दाखिल किया गया है उसमें रेवन्ना परिवार की एक घरेलू सहायिका के कथित यौन शोषण से जुड़े आरोप भी शामिल हैं। आरोपपत्र में घटनास्थल का निरीक्षण, जैविक, भौतिक, वैज्ञानिक, मोबाइल, डिजिटल तथा अन्य प्रासंगिक साक्ष्य शामिल हैं। एसआईटी ने बताया कि आरोपपत्र दाखिल किए जाने से पहले विशेषज्ञ की राय भी ली गयी है। पूर्व प्रधानमंत्री और जनता दल (सेक्यूलर) प्रमुख एच डी देवेगौड़ा के बेटे एवं विधायक रेवन्ना पर भारतीय दंड संहिता की धारा 354 और 354 (ए) के तहत आरोप लगाए गए हैं जबकि उनके 33 वर्षीय बेटे प्रज्ज्वल पर भारतीय दंड संहिता की धारा 376, 376 (2) (के), 354, 354 (ए) और 354 (बी) के तहत आरोप लगाए गए हैं। पिता-पुत्र के खिलाफ पहली शिकायत उनके आवास पर घरेलू सहायिका रही महिला ने दर्ज कराई थी। पीड़िता विधायक की पत्नी भवानी की रिश्तेदार भी है। उसने आरोप लगाया कि उसका कई बार यौन उत्पीड़न किया गया।

प्रज्ज्वल ने हासन सीट से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के उम्मीदवार के तौर पर हाल में लोकसभा चुनाव लड़ा था और वह हार गया था। लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण के मतदान से पहले सोशल मीडिया पर कई अश्लील वीडियो सामने आए जिसमें प्रज्ज्वल द्वारा कई महिलाओं का यौन शोषण करते हुए देखा गया।

साइकिल चलाना पर्यावरण एवं स्वास्थ्य के लिए लाभदायक : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि बढ़ता प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और संसाधनों का अंधाधुंध दोहन हमारी धरती को दिन-प्रतिदिन कमजोर बना रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसे में हम सभी का कर्तव्य है कि मिलकर पर्यावरण को बचाने के लिए सार्थक प्रयास करें। शर्मा ने कहा कि हम सब मिलकर पर्यावरण और अपने स्वास्थ्य की सुरक्षा का संकल्प लें और हरा-भरा व स्वस्थ भविष्य सुनिश्चित करें। प्रकृति को बचाने के लिए बदलाव की शुरूआत हमें स्वयं से ही करनी होगी।

मुख्यमंत्री शर्मा ने शनिवार को जयपुर के एसएमएस स्टेडियम से हिन्दू आध्यात्मिक एवं सेवा मेला तथा आइएमसीटी फाउण्डेशन द्वारा पर्यावरण सरंक्षण के लिए आयोजित साइकिल रैली को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम पर्यावरण संरक्षण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं तथा हमें स्वास्थ्य के प्रति जागरूक भी करते हैं। इनसे हम शारीरिक रूप से तो स्वस्थ रहते ही हैं साथ ही, हमारा मानसिक स्वास्थ्य भी अच्छा रहता है।

राइड फॉर ए ग्रीन फ्यूचर, पैडल फॉर द प्लेनेट तथा चलो प्रकृति की ओर के संदेश के साथ द्वितीय साइक्लोथोन में 12 हजार से अधिक युवाओं, महिलाओं, बजुर्गों तथा बच्चों ने उत्साह के साथ भागीदारी की। यह साइकिल रैली एसएमएस स्टेडियम से प्रारंभ होकर अल्बर्ट हॉल पर समाप्त हुई। शर्मा ने कहा कि हम सबका यह सामूहिक दायित्व है कि हम पर्यावरण का संरक्षण करें। उन्होंने कहा कि हम अपने व्यक्तिगत जीवन में भी वाहन से प्रदूषण फैलाते हैं तो ऐसे में यह हमारी जिम्मेदारी है कि इसकी क्षतिपूर्ति करने के लिए हम अधिक से अधिक संख्या में पेड़ लगाएं एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए सदैव तत्पर रहें।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सभी प्रदेशवासियों से प्रकृति को नुकसान नहीं पहुंचाने तथा पर्यावरण के संरक्षण की अपील की। उन्होंने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा चलाए गए 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान में हम सब बढ़-चढ़कर हिस्सा लें तथा पर्यावरण संरक्षण की तरफ कदम बढ़ाएं। इस दौरान युवा मामले एवं खेल राज्यमंत्री के के विश्नोई, सांसद श्रीमती मंजू शर्मा, विधायक बालमुकंदाचार्य, जयपुर ग्रेटर नगर निगम उप महापौर पुनीत कर्णावट, पर्यावरणविद तथा बड़ी संख्या में युवा एवं आमजन उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री आज महाराष्ट्र और राजस्थान का दौरा करेंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली/जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रविवार को महाराष्ट्र और राजस्थान का दौरा करेंगे। महाराष्ट्र में वह 11 लाख नयी लखपति दीदियों को प्रमाणपत्र वितरित करेंगे जबकि राजस्थान में वह उच्च न्यायालय की प्लेटिनम जुबली के समापन समारोह को संबोधित करेंगे।

प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने शनिवार को एक बयान में यह जानकारी दी। पीएमओ ने कहा कि प्रधानमंत्री 25 अगस्त को पूर्वाह्न करीब 11:15 बजे जलगांव में लखपति दीदी सम्मेलन में भाग लेंगे और इस दौरान राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार के तीसरे कार्यकाल के दौरान हाल ही में लखपति बनीं 11 लाख नयी लखपति दीदियों को प्रमाणपत्र वितरित करेंगे तथा उन्हें सम्मानित भी करेंगे। प्रधानमंत्री देश भर से आने वाली लखपति दीदियों के साथ भी बातचीत करेंगे।

इस दौरान, प्रधानमंत्री 2,500 करोड़ रुपये का एक 'रिवॉल्विंग फंड' जारी करेंगे जो 4.3 लाख स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) के लगभग 48 लाख सदस्यों को लाभान्वित करेगा। पीएमओ ने कहा कि वह 5,000 करोड़ रुपये के बैंक ऋण का भी वितरण करेंगे जिससे 2.35 लाख एसएचजी के 25.8 लाख सदस्यों को लाभ होगा।

इसने कहा, लखपति दीदी योजना शुरू होने के बाद से अब तक एक करोड़ महिलाओं को लखपति दीदी बनाया जा चुका है। सरकार ने तीन करोड़ लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य रखा है। जलगांव से प्रधानमंत्री जोधपुर पहुंचेंगे और वहां करीब साढ़े चार बजे राजस्थान उच्च न्यायालय की प्लेटिनम जुबली के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। प्रधानमंत्री राजस्थान उच्च न्यायालय संग्रहालय का भी उद्घाटन करेंगे।

राजस्थान बनेगा मेडिकल ट्यूरिज्म का हब जल्द आएगी 'हील इन राजस्थान' पॉलिसी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल एवं चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के मार्गदर्शन में राजस्थान को मेडिकल ट्यूरिज्म के क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए लगातार नीतिगत फैसले लिए जा रहे हैं। इस दिशा में जल्द ही 'हील इन राजस्थान' पॉलिसी लाई जाएगी। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की ओर से तैयार किए गए पॉलिसी के प्रारूप पर शनिवार को सभी हितधारकों के साथ विस्तृत चर्चा कर सुझाव लिए गए। इन सुझावों के आधार पर नीति को जल्द ही अंतिम रूप दिया जाएगा।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभ्रा सिंह की अध्यक्षता में स्वास्थ्य भवन में आयोजित उच्च स्तरीय बैठक में प्रदेश में मेडिकल वेल्यू ट्यूरिज्म बढ़ाने के लिए विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। श्रीमती सिंह ने कहा कि राज्य सरकार राजस्थान में चिकित्सा के क्षेत्र में एक नए युग का सूत्रपात कर रही है। इसी सोच के साथ इस वर्ष के बजट में स्वास्थ्य के क्षेत्र को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए कुल बजट का 8.26 प्रतिशत प्रावधान स्वास्थ्य के लिए किया गया है। यह अब तक का सर्वाधिक बजट प्रावधान है। अतिरिक्त मुख्य सचिव ने कहा कि राजस्थान में चिकित्सा के क्षेत्र में आधारभूत ढांचे का तेजी से विकास किया जा रहा है। विश्व स्तरीय संस्थानों का निर्माण यहां हो रहा है। होलिस्टिक एप्रोच के साथ ऐलोपैथी एवं आयुष चिकित्सा तथा वैलनेस गतिविधियों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। सवाई मानसिंह अस्पताल में आयुष्मान टॉवर का निर्माण, दो मेडिसिटी एवं मारवाड़ मेडिकल यूनिवर्सिटी की स्थापना, हर जिले में मेडिकल कॉलेज एवं नर्सिंग कॉलेज, टेलीमेडिसिन को बढ़ावा, निजी क्षेत्र में भी कई उच्च श्रेणी के चिकित्सा संस्थानों का प्रदेश में आना ऐसे कदम हैं, जिनसे राजस्थान मेडिकल ट्यूरिज्म की दिशा में नई ऊंचाइयां छुएगा। साथ ही, मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना में भी पोर्टेबिलिटी का प्रावधान जल्द ही होने से यहां बाहर के राज्यों के रोगी उपचार के लिए आ सकेंगे।

श्रीमती सिंह ने कहा कि प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं का निरंतर उत्थान होने, वाजिब दरों पर सुगमतापूर्वक उपचार उपलब्ध होने से प्रदेश में मेडिकल ट्यूरिज्म की संभावनाएं तेजी से विकसित हुई हैं। नीतिगत निर्णयों के माध्यम से राज्य सरकार इन संभावनाओं को और अधिक विस्तार देना चाहती है। इससे प्रदेश न केवल स्वास्थ्य के क्षेत्र में मॉडल स्टेट के रूप में सामने आएगा, बल्कि निवेश एवं रोजगार के भी बडे. अवसर सृजित होंगे। फार्मा, होटल व्यवसाय सहित अन्य उद्यमों को भी इससे बढ़ावा मिलेगा। हील इन राजस्थान पॉलिसी इन संभावनाओं को धरातल पर लाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी।

बैठक में चिकित्सा के क्षेत्र से जुडे. विशेषज्ञों ने प्रदेश में मेडिकल ट्यूरिज्म बढ़ाने के लिए राजधानी के साथ-साथ अन्य जिलो में भी उच्च स्तरीय स्वास्थ्य सुविधाएं विकसित करने, सड़क एवं एयर कनेक्टिविटी को बेहतर करने, चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में अवसर बढ़ाने, रोगियों एवं उनके परिजनों के लिए आवास की समुचित सुविधाएं उपलब्ध करवाने, निजी क्षेत्र के चिकित्सा संस्थानों को प्रोत्साहित करने के लिए नियमों को अधिक सुगम व निवेश अनुकूल बनाने सहित कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए। महात्मा गांधी यूनिवर्सिटी ऑफ मेडिकल सांइसेज के चेयरपर्सन डॉ. विकास स्वर्णकार ने कहा कि चिकित्सा विभाग द्वारा तैयार किए गए प्रारूप में मेडिकल ट्यूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए सभी पक्षों को बेहतर तरीके से शामिल किया गया है। साथ ही, राज्य सरकार द्वारा लगातार लिए जा रहे नीतिगत निर्णय भी प्रशंसनीय हैं। मणिपाल अस्पताल के निदेशक रंजन ठाकुर ने कहा कि मेडिकल ट्यूरिज्म के लिए बेहतर नीति लाने पर चिकित्सा विभाग के प्रयासों को सराहा। इण्यिन मेडिकल एसोसिएशन के प्रदेशाध्यक्ष डॉ. रजनीश शर्मा ने कहा कि दूसरे राज्यों की तुलना में स्वास्थ्य के क्षेत्र में राजस्थान में लागू की जा रही नीतियां ज्यादा प्रभावी हैं।

हमारी धरती को कमजोर कर रहा है संसाधनों का अंधाधुंध दोहन : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को कहा कि बढ़ता प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और संसाधनों का अंधाधुंध दोहन हमारी धरती को दिन-प्रतिदिन कमजोर बना रहा है, ऐसे में सभी का कर्तव्य है कि वे पर्यावरण को बचाने के लिए मिलकर सार्थक प्रयास करें। शर्मा ने जयपुर के एसएमएस स्टेडियम में एक साइकिल रैली को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया।

इस अवसर पर शर्मा ने सभी से पर्यावरण और अपने स्वास्थ्य की सुरक्षा का संकल्प लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा,प्रकृति को बचाने के लिए बदलाव की शुरुआत हमें स्वयं से ही करनी होगी।

उन्होंने कहा, ऐसे कार्यक्रम पर्यावरण संरक्षण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं तथा हमें स्वास्थ्य के प्रति जागरूक भी करते हैं। इनसे हम शारीरिक रूप से तो स्वस्थ रहते ही हैं साथ ही, हमारा मानसिक स्वास्थ्य भी अच्छा रहता है। शर्मा ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण सभी का सामूहिक दायित्व है। उन्होंने कहा कि लोग अपने व्यक्तिगत जीवन में भी वाहन से प्रदूषण फैलाते हैं तो ऐसे में यह सभी जिम्मेदारी है कि इसकी क्षतिपूर्ति करने के लिए वे अधिक से अधिक पेड़ लगाएं एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए सदैव तत्पर रहें। मुख्यमंत्री ने सभी प्रदेशवासियों से प्रकृति को नुकसान नहीं पहुंचाने तथा पर्यावरण के संरक्षण की अपील की। इस रैली का आयोजन हिन्दू आध्यात्मिक एवं सेवा मेला तथा 'आइएमसीटी फाउण्डेशन' द्वारा किया गया था।

सरकारी कर्मचारियों के आरएसएस की गतिविधियों में भाग लेने पर लगे प्रतिबंध को हटाया

जयपुर/दक्षिण भारत । राजस्थान की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार ने सरकारी कर्मचारियों के राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की गतिविधियों में भाग लेने पर लगा प्रतिबंध हटा दिया है। कार्मिक विभाग के संयुक्त सचिव राजेंद्र सिंह कविया ने पिछले आदेशों का हवाला देते हुए 52 साल इस पुराने प्रतिबंध को हटाने के लिए एक परिपत्र जारी किया है।

परिपत्र के अनुसार, 1972 और 1981 के निर्देशों की समीक्षा के बाद, उन संगठनों की सूची से आरएसएस का नाम हटाने का निर्णय लिया गया है जिनकी गतिविधियों पर पहले प्रतिबंध लगाया गया था। केंद्र सरकार भी सरकारी कर्मचारियों के आरएसएस की गतिविधियों में भाग लेने पर प्रतिबंध हटा चुकी है। केंद्र सरकार के कार्मिक मंत्रालय ने नवंबर 1966 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के शासन के दौरान लगाए गए प्रतिबंध को हटा दिया है।

सैनिकों की बहादुरी और वीरांगनाओं का त्याग हमारे लिए प्रेरणास्रोत : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हमारे जांबाज सैनिक देश के असली हीरो हैं। वे हमारी मातृभूमि के प्रहरी हैं। इन वीरों के अदम्य साहस और हौसलों के कारण ही 140 करोड़ देशवासी निश्चित होकर रह रहे हैं। हमारे जवान प्रत्येक भारतवासी का स्वाभिमान है। शर्मा ने कहा कि राजस्थान वह धरा है, जहां मां अपने एक बेटे के शहीद होने पर दूसरे बेटे को भी सेना में भेजने का जज्बा दिखाती है। उन्होंने कहा कि इन सपूतों को जन्म देने वाली मां और उनके परिजन देश की रक्षा के लिए बड़े से बड़ा बलिदान देना अपना गौरव मानते हैं। भारत माता के गौरव को ऊंचा रखने में हमेशा सैनिकों के साथ वीरांगनाओं ने भी त्याग की मिसाल कायम की है। सैनिकों की बहादुरी और वीरांगनाओं के त्याग की कहानियां हमेशा प्रेरणा का स्रोत रही हैं।

शर्मा शनिवार को एक निजी चैनल के कार्यक्रम 'है नमन उनको, ए ट्रिब्यूट टू रियल हीरोज' को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने शहीदों की वीरांगनाओं और परिजनों को सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम सैनिकों और वीरांगनाओं के प्रति हमारे दिलों में जो सम्मान और आदर है, उसकी एक सच्ची अभिव्यक्ति है। उनके प्रति हमारी कृतज्ञता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि राजस्थान वीरों की भूमि है यहां की माताओं ने अपने बेटों को और वीरांगनाओं ने अपने सुहाग को देश को समर्पित किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हम अपनी जिम्मेदारी को पूरी तरह से निभाएं और सैनिकों के परिवारों को सहयोग प्रदान करें। यह हमारी जिम्मेदारी बनती है कि हम समाज में उनकी उपस्थिति को महसूस करें और उनके लिए एक ऐसा वातावरण तैयार करें जिसमें वे अपने कर्तव्यों को पूरा करने में सच्चा संतोष और गर्व महसूस कर सकें।

शर्मा ने कहा कि कारगिल का युद्ध बड़ा विकट था। दुश्मन पहाड़ की चोटी से गोलियां बरसाता रहा और हमारे सैनिक कारगिल की चोटियों पर बैठे दुश्मन को परास्त करने के लिए आगे बढ़ते गए। हमारे जवानों ने बर्फीले एवं दुर्गम पहाड़ों पर ऑक्सीजन की कमी जैसी मुश्किल परिस्थितियों में भी अपने फौलादी हौसलों से दुश्मन को खाक में मिला दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सैनिकों और उनके परिवारों के कल्याण से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण फैसले लिए हैं। आजादी के बाद दशकों से अटकी वन रैंक वन पेंशन को लागू करने का काम किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने नेशनल वार मेमोरियल बनवाया जो वीरों की गाथाओं से देश को प्रेरित कर रहा है।

शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री से प्रेरणा लेकर प्रदेश सरकार भी सैनिकों और उनकी वीरांगनाओं के कल्याण के लिए कई कदम उठा रही है। दूसरे विश्वयुद्ध में भाग लेने वाले सैनिकों और उनकी वीरांगनाओं की मासिक पेंशन राशि 10 हजार से बढ़ाकर 15 हजार रुपये कर दी गई है। उन्होंने कहा कि सैनिक कल्याण विभाग के समस्त कार्यों के ओटोमेशन के लिए वेब-पोर्टल शुरू किया है।

इसके माध्यम से राज्य सरकार की समस्त सुविधाओं एवं योजनाओं का सीधा लाभ सैनिक परिवारों को मिल सकेगा तथा उनकी समस्याओं का भी शीघ्र निस्तारण संभव हो सकेगा। सैनिकों, भूतपूर्व सैनिकों एवं उनके परिवारों के कल्याण की सभी सुविधाएं एक स्थान पर उपलब्ध कराने के लिए जयपुर में 20 करोड़ की लागत से सैनिक कल्याण भवन बनेगा। इसके लिए भूमि का आवंटन किया जा चुका है।

नेशनल कांफ्रेंस से चुनावी गठबंधन पर कांग्रेस का असली चेहरा सामने आया : भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार भाजपा प्रदेश मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि जम्मू कश्मीर में नेशनल कांफ्रेंस के साथ चुनावी गठबंधन से कांग्रेस का असली चेहरा सामने आ गया है। कांग्रेस ने साबित कर दिया है कि देश में उसके क्या मंसूबे है? उन्होंने कहा कि जम्मू कश्मीर के चुनाव को लेकर कांग्रेस की नीति से कई तरह के सवाल खड़े हो रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले दिनों नेशनल कांफ्रेंस के नेताओं की ओर से दिए गए बयानों पर देश में कई सवाल खड़े हो रहे हैं कांग्रेस से पूछना चाहते हैं कि कांग्रेस आज इस नेता कांफ्रेंस के साथ चुनाव लड़ने जा रही है, जिसने कहा कि अगर वह सत्ता में आए तो धारा 370 और 35ए को लागू करेंगे, तो क्या कांग्रेस नेशनल कॉन्फ्रेंस से सहमत है? कांग्रेस को यह जवाब देना चाहिए। धारा 370 के चलते देश के हजारों वीर जवान कश्मीर में शहीद हुए, उसमें राजस्थान के वीरों की बहुत बड़ी संख्या है, जिन्होंने मां भारती के लिए और हमारे कश्मीर मुकुट के लिए अपने आप को समर्पित किया।

नेशनल कांफ्रेंस के नेताओं के बयान आने के बाद राजस्थान के जहन में भी यह सवाल आना लाजमी है। जम्मू कश्मीर में जो एससी एसटी के लोग हैं उन्हें 370 हटने के बाद आरक्षण का लाभ मिलने लगा है तो क्या कांग्रेस आरक्षण छिनना चाहती है। नेशनल कांफ्रेंस के भ्रष्टाचार पर जिस तरह से लगाम लगी और फिर से इस तरह की बयान देकर क्या इस तांडव को फिर से शुरू करना चाहते हैं। कांग्रेस इसमें उनके साथ है ऐसा कॉन्फ्रेंस में देश के लोगों को गुमराह किया। आज कांग्रेस के साथ मिलकर फिर मुख्य धारा में आना चाहते है, जिन लोगों ने रोजगार के नाम पर युवाओं को 47 हाथ में थमाई। कांग्रेस आज उनके साथ आ रही है इन पार्टियों ने जम्मू कश्मीर को अपने जागीर समझ रखी थी और खुलेआम लूट कर रहे थे। नरेंद्र मोदी ने जो इन लोगों को किस बाहर किया तो आज यह सब एक हो गए है। आज का कश्मीर बदल चुका है और वहां पर अमन शांति है आरक्षण विकास हो रहा है, लेकिन अब कांग्रेस का असली चरित्र सामने आ गया है, जो पहले भी ऐसा करती रही है। सत्ता के लालच में देश की एकता और सुरक्षा के साथ खेलने का काम करती रही है।

भिवाड़ी में जौहरी की दुकान में लूट से आक्रोशित व्यापारी धरने पर बैठे

जयपुर। खैरथल-तिजारा जिले के भिवाड़ी में जौहरी की दुकान में लूटपाट के दौरान बदमाशों द्वारा की गई गोलीबारी में दुकान मालिक की मौत और वारदात से आक्रोशित व्यापार संघ के पदाधिकारियों व अन्य लोग आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग को शनिवार को धरना शुरू किया। पुलिस के अनुसार पुलिस के आला अधिकारी मौके पर पहुंचे हैं और व्यापारियों से बातचीत कर रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी के विधायक बाबा बालकनाथ भी व्यापारियों से बातचीत करने के लिए धरना स्थल पर पहुंचे।

जयपुर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक अनिल कुमार टाक ने बताया कि आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए अलग-अलग टीमें गठित की गई हैं। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान कर उनकी तलाश की जा रही है। यह घटना भिवाड़ी के सेंट्रल मार्केट में शुक्रवार को हुई जहां कार में सवार होकर आए पांच बदमाश आभूषण की दुकान में घुसे।

सफाई का संकल्पः जिला कलेक्टर और एसपी ने स्वयं उठाया मचकुंड की सफाई का जिम्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

धौलपुर। जिला कलेक्टर श्रीनिधि बीटी और पुलिस अधीक्षक सुमित मेहरड़ा ने शनिवार को धौलपुर के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल मचकुंड पर स्वच्छता अभियान की कमान संभाली। जिला कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक जब झाड़ू, फावड़ा, खपरा लेकर मचकुंड प्रांगण में उतरे तो अन्य अधिकारी और आमजन भी जुट गए और कुछ घंटों के श्रम से मचकुंड चमक उठा। यह अभियान स्थानीय लोगों, अधिकारियों, सफाईकर्मियों के साथ मिलकर चलाया गया।

सुबह 8 बजे से जिले के प्रमुख धार्मिक स्थल मचकुंड में सफाई की गई। गंदगी और प्लास्टिक उत्पादों को साफ करते हुए अधिकारियों ने न केवल स्वच्छता का संदेश दिया बल्कि स्थानीय लोगों को भी इस कार्य में शामिल होने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान बोट के जरिये भी मचकुंड कुंड की व्यापक सफाई की गई। अधिकारियों के इस प्रयास को देखकर छात्र और आमजन भी सफाई अभियान में जुट गए। इस सामूहिक प्रयास की सराहना करते हुए जिला कलेक्टर ने नगर परिषद आयुक्त को शहर में कचरे की सफाई के निर्देश दिए।

धार्मिक एवं पर्यटन महत्व के स्थल मचकुंड की समस्याओं को लेकर जिला कलक्टर ने आवारा जानवरों और बंदरों के नियंत्रण, सुलभ शौचालय की सफाई के निर्देश दिए। साथ ही कचरा पात्रों के रखरखाव एवं नए कचरा पात्र लगवाये जाने हेतु कहा।

जिला कलेक्टर श्रीनिधि बीटी ने आश्वासन दिया कि मचकुंड पर मौजूद सभी सुविधाओं को जल्द ही बेहतर किया जायेगा इस मौके पर अतिरिक्त जिला कलेक्टर ब्रह्मलाल जाट, सीईओ जिला परिषद सुदर्शन सिंह तोमर, उपखंड अधिकारी डॉ. साधना शर्मा, नगर परिषद आयुक्त अशोक शर्मा और अन्य जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद थे।

सेना प्रमुख का मणिपुर दौरा दर्शाता है कि केंद्र शांति बहाली के लिए उत्सुक है : बीरेन सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

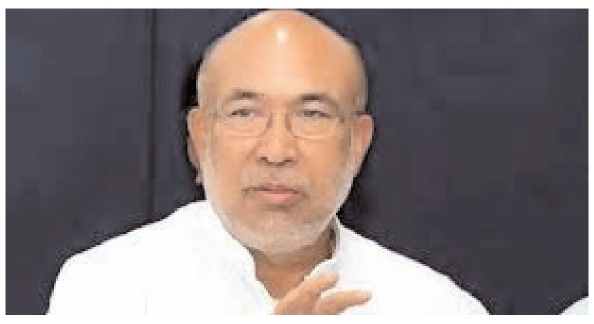

इम्फाल/भाषा। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने शनिवार को कहा कि सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी का दौरा दर्शाता है कि केंद्र इस पूर्वोत्तर राज्य में जातीय हिंसा को लेकर चिंतित है और शांति बहाली को लेकर उत्सुक है।

सिंह ने यह भी कहा कि सेना प्रमुख ने एक महत्वपूर्ण मोड़ पर मणिपुर का दौरा किया है। उन्होंने यहां मुख्यमंत्री सचिवालय में मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए कहा, ''सेना प्रमुख तीन या चार कमांडरों के साथ आए थे, जिनमें पूर्वी कमान के कमांडर भी शामिल थे। हमने कई मुद्दों पर विचार-विमर्श किया और उनका मुख्य उद्देश्य राज्य में जल्द से जल्द शांति बहाल करना था। उन्होंने सीमावर्ती क्षेत्रों के मुद्दों और पड़ोसी देश में संकट पर भी चर्चा की।'' सेना के एक बयान में कहा गया कि जनरल द्विवेदी ने मणिपुर में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने क्षेत्र में शांति और सद्भाव बनाए रखने की दिशा में भारतीय सेना और असम राइफल्स के प्रयासों की सराहना की। सिंह ने कहा, ''राज्य के महत्वपूर्ण मोड़ पर उनका दौरा दर्शाता है कि मणिपुर संकट को लेकर केंद्र चिंतित है और शांति बहाल करने के लिए उत्सुक है। सेना प्रमुख ने कुछ वरिष्ठ अधिकारियों को मणिपुर सरकार के साथ उचित चर्चा के बाद कार्रवाई करने का निर्देश (भी) दिया।''

कार्रवाई के निलंबन (एसओओ) के लिए केंद्र, मणिपुर सरकार और कुकी उग्रवादी संगठनों के बीच समझौते पर सिंह ने कहा, ''इस बारे में केंद्र की ओर से कोई ठोस निर्देश नहीं दिया गया है।''

मुख्यमंत्री ने पहले विधानसभा को सूचित किया था कि राज्य मंत्रिमंडल ने उग्रवादी समूहों की अवांछित गतिविधियों को देखने के बाद मार्च 2023 में समझौते से हाथ खींचने का फैसला किया था और इस साल 29 फरवरी से समझौते को आगे नहीं बढ़ाया गया है।

एसओओ समझौते पर केंद्र, मणिपुर सरकार और कुकी उग्रवादी संगठनों के दो समूहों- कुकी नेशनल ऑर्गनाइजेशन (केएनओ) और यूनाइटेड पीपुल्स फ्रंट (यूपीएफ) ने हस्ताक्षर किए थे।

इस समझौते पर 2008 में हस्ताक्षर किए गए थे और उसके बाद समय-समय पर इसे बढ़ाया गया। एसओओ समझौते के हिस्से के रूप में, केंद्र और राज्य सरकार की एजेंसियों, केएनओ और यूपीएफ के प्रतिनिधियों से मिलकर एक संयुक्त निगरानी समूह (जेएमजी) का गठन किया गया था, जो बुनियादी नियमों के पालन की निगरानी करता था।

स्कूली बस पर गोली चलायी गयी, कोई विद्यार्थी घायल नहीं हुआ, जांच के लिये तीन टीम गठित

सहारनपुर (उप्र)/भाषा। सहारनपुर जिले के देवबंद थानाक्षेत्र में छुट्टी के बाद बच्चों को उनके घर छोड़ने जा रही एक स्कूल बस पर एक व्यक्ति ने अपने साथियों के साथ मिलकर गोली चला दी लेकिन कोई घायल नहीं हुआ। पुलिस ने यह जानकारी दी। बस चालक ने इस मामले में थाने में तहरीर दी है। पुलिस ने इस तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज किया है और तीन टीम का गठन भी किया है।

पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) सागर जैन ने बताया कि राजमार्ग 59 पर स्थित एक स्कूल का बस चालक रवि कुमार आज छुट्टी के बाद बच्चों को छोड़ने जा रहा था और जब बस राजखेड़े के निकट पहुंची तब कुछ युवकों ने उसे रोकने का प्रयास किया।

जैन ने बताया कि चालक ने खतरे की आशंका को देखते हुए बस को नहीं रोका जिस पर इन युवकों ने बस पर गोलियां चला दीं। उनके अनुसार गोलीबारी के फलस्वरूप बस में सवार बच्चों मे दहशत फैल गयी। उन्होंने बताया कि चालक बस को तेजी से निकालकर ग्राम दिवालहेडी तक ले गया और इस बीच बदमाश भी फरार हो गये। उन्होंने ने बताया कि गोलियां चलाने वाले एक युवक की पहचान कर ली गयी तथा तीन टीम गठन की गयी हैं।

सरकार महिलाओं के खिलाफ अपराध करने वालों को सजा देने के बजाय उनके साथ खड़ी है: उद्धव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। शिवसेना-उद्धव बालासाहेब ठाकरे (शिवसेना-यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने शनिवार को कहा कि यह दुख की बात है कि महिलाओं के खिलाफ अपराधों में शामिल दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने के बजाय महाराष्ट्र सरकार उनके साथ खड़ी है। ठाकरे ने महिलाओं के खिलाफ अपराधों और बदलापुर में दो बच्चियों के कथित यौन उत्पीड़न को लेकर एक प्रदर्शन के दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य में महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए 'महायुति' सरकार को हटाना जरूरी है।

ठाकरे ने सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा, ''यह दुख की बात है कि दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने के बजाय वह उनके साथ खड़ी है।'' उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र ने मौजूदा सरकार जितनी ''बेशर्म'' सरकार कभी नहीं देखी। 'महायुति' भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना और अजित पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) का गठबंधन है। ठाकरे ने शिंदे पर परोक्ष हमला करते हुए कहा कि 'कंस मामा' (महाभारत के एक पात्र का संदर्भ) अपनी कलाइयों पर राखी बंधवाने में व्यस्त हैं। उन्होंने सवाल किया कि शिंदे अपनी भतीजियों को न्याय कब दिलाएंगे। बदलापुर घटना के विरोध में ठाकरे, उनकी पत्नी रश्मि और उनके बेटे एवं महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री आदित्य ने काला रिबन और मुंह पर काली पट्टी बांधकर दादर इलाके में शिवसेना भवन पर पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ प्रदर्शन किया। पार्टी ने राज्य के कई अन्य हिस्सों में भी विरोध प्रदर्शन किया।

प्रशांत किशोर की नई पार्टी में विभिन्न सामाजिक समूहों को दिया जाएगा समान प्रतिनिधित्व

नई दिल्ली/भाषा। जन सुराज अभियान को राजनीतिक दल की शक्ल देने में जुटे चुनाव रणनीतिकार प्रशांत किशोर विभिन्न सामाजिक समूहों को पार्टी में समान प्रतिनिधित्व देने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं ताकि पार्टी को किसी विशेष मतदाता समूह से जोड़ने की किसी भी संभावित अवधारणा को दूर रखा जा सके। जन सुराज के प्रतिनिधियों ने कहा कि नए दल की स्थापना दो अक्टूबर को होगी, जिसकी केंद्रीय समिति में 25 सदस्य होंगे। इनमें सामान्य श्रेणी, अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी), अति पिछड़ा वर्ग (ईबीसी), अनुसूचित जाति और अल्पसंख्यक समुदाय के पांच-पांच सदस्य होंगे। 25 सदस्य एक वर्ष के कार्यकाल के लिए पार्टी के नेता का चुनाव करेंगे तथा सबसे वंचित समुदाय के प्रतिनिधि को पहला कार्यकाल मिलेगा, उसके बाद अन्य समुदायों के प्रतिनिधि को यह पद मिलेगा। किशोर पहले ही घोषणा कर चुके हैं कि वह नेतृत्व समूह का हिस्सा नहीं होंगे और गृह राज्य में पदयात्रा जारी रखेंगे। वह चाहते हैं कि 2025 अंत में होने वाले विस चुनाव से पहले नई पार्टी पूरी तरह से जड़ें जमा ले। हाल में की घोषणा के अनुसार, अभियान का कोई भी संस्थापक सदस्य जिसके पास 5,000 प्रस्तावक हों, वह पार्टी की केंद्रीय समिति का सदस्य बनने के लिए चुनाव प्रक्रिया का हिस्सा बन सकता है।

भाजपा धर्म, लव जिहाद और बाढ़ जिहाद के नाम पर समाज में जहर फैला रही है : सोरेन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शनिवार को भाजपा पर धर्म, जाति, लव जिहाद और बाढ़ जेहाद के बहाने समाज में 'जहर' फैलाने का आरोप लगाया।

सोरेन ने यह भी दावा किया कि अनुसूचित जनजाति (एसटी), अनुसूचित जाति (एससी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के आरक्षण को कमजोर करने की साजिश चल रही है।

मुख्यमंत्री ने हजारीबाग में एक सरकारी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ये टिप्पणियां कीं, जहां उन्होंने झारखंड मुख्यमंत्री महिला सम्मान योजना (जेएमएमएसवाई) के तहत महिला लाभार्थियों के खातों में 1-1 हजार रुपए की पहली किस्त हस्तांतरित की।

इस अवसर पर सात जिलों हजारीबाग, धनबाद, बोकारो, गिरिडीह, कोडरमा, रामगढ़ और चतरा के 13.94 लाख लाभार्थियों के खातों में कुल 139.40 करोड़ रुपए हस्तांतरित किए गए। सोरेन ने भाजपा पर हमला बोलते हुए कहा, भाजपा असम, छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश से नेताओं को लेकर आती है, क्योंकि यहां के उसके नेता सक्षम नहीं हैं। उन्होंने कहा कि ये नेता हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई, अगड़े-पिछड़े के नाम पर समाज में जहर फैला रहे हैं।

असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा का नाम लिए बिना उन पर निशाना साधते हुए सोरेन ने कहा, हाल ही में भाजपा के एक मुख्यमंत्री ने अपने राज्य में आई बाढ़ को 'बाढ़ जिहाद' नाम दिया। दिलचस्प बात यह है कि अब वे पानी में भी हिंदू-मुस्लिम, अगड़े-पिछड़े, आदिवासी और दलित ढूंढ रहे हैं। सोरेन ने कहा, कभी वे लव जिहाद, कभी शिक्षा जिहाद कहते थे और अब बाढ़ जिहाद कहते हैं। ऐसे लोगों से सावधान रहें।

हरियाणा : भाजपा ने छुट्टियों का हवाला देकर निर्वाचन आयोग से विधानसभा चुनाव टालने का आग्रह किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। भाजपा की हरियाणा इकाई ने निर्वाचन आयोग को पत्र लिखकर एक अक्टूबर को होने वाले विधानसभा चुनाव को कुछ समय के लिए टालने का अनुरोध किया है। पार्टी ने चुनाव तिथि से पहले और बाद में छुट्टियों का हवाला देते हुए कहा है कि इससे मतदान प्रतिशत कम हो सकता है। शनिवार को प्रदेश भाजपा के एक नेता ने कहा कि पार्टी की राज्य इकाई के प्रमुख ने आयोग को पत्र भेजा है।

हरियाणा के मुख्य चुनाव अधिकारी पंकज अग्रवाल ने पुष्टि की कि आयोग को शुक्रवार को ई-मेल के माध्यम से पत्र की एक प्रति प्राप्त हुई है। अग्रवाल ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''हमें प्रदेश भाजपा से पत्र मिला है और हमने इसे निर्वाचन आयोग को भेज दिया है।'' भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की राज्य चुनाव प्रबंधन समिति के सदस्य वरिंदर गर्ग ने कहा, ''हमने तर्क दिया है कि एक अक्टूबर को विधानसभा चुनाव की तारीख से पहले सप्ताहांत पर छुट्टी है और उसके बाद कुछ छुट्टियां हैं, जिससे मतदान प्रतिशत प्रभावित हो सकता है क्योंकि लोग लंबे सप्ताहांत पर छुट्टी पर चले जाते हैं।'' गर्ग ने शनिवार को फोन पर 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''हमने इस संबंध में आयोग को पत्र लिखा है। बेहतर मतदान प्रतिशत के लिए, छुट्टियों की श्रृंखला समाप्त होने के बाद कोई भी नई तारीख ठीक रहेगी।''

उन्होंने कहा, ''शनिवार (28 सितंबर) को अनेक लोगों के लिए अवकाश रहता है, जबकि रविवार को भी अवकाश है। एक अक्टूबर को राज्य में चुनाव अवकाश है, इसके बाद दो अक्टूबर को गांधी जयंती है, जो अवकाश है और तीन अक्टूबर को महाराजा अग्रसेन जयंती के कारण भी अवकाश है।''

दूसरे धर्म के युवक से शादी करने पर नाराज पिता ने पुत्री की हत्या की

कन्नौज (उप्र)/भाषा। कन्नौज जिला मुख्यालय के सदर कोतवाली क्षेत्र में एक व्यक्ति ने दूसरे धर्म के युवक से शादी करने से नाराज होकर अपनी बेटी की कुल्हाड़ी से हमलाकर हत्या कर दी। पुलिस ने शनिवार को बताया कि आरोपी पिता को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस के अनुसार, सदर कोतवाली क्षेत्र के निवासी सुरेंद्र सिंह ठाकुर की पुत्री पारुल (30) ने दो वर्ष पूर्व दूसरे धर्म के एक युवक से निकाह कर लिया था। इसके बाद से ही सुरेंद्र नाराज था। दो साल बाद पारुल रक्षाबंधन पर पिता के घर आई थी और तब से पिता-पुत्री के बीच रोज झगड़ा हो रहा था। शुक्रवार देर रात सुरेन्द्र सिंह ने विवाद बढ़ने पर पारुल की कुल्हाड़ी से वार करके हत्या कर दी। पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। नगर क्षेत्राधिकारी (सीओ) डॉ. कमलेश कुमार ने शनिवार को बताया कि पीड़िता की मां की तहरीर पर प्राथमिकी दर्ज कर सुरेंद्र सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया है।

'बुलडोजर न्याय' पूरी तरह अस्वीकार्य है : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने शनिवार को कहा कि देश में बुलडोजर न्याय पूरी तरह अस्वीकार्य है और यह बंद होना चाहिए।

पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने यह आरोप भी लगाया कि भाजपा शासित राज्यों में अल्पसंख्यकों को बार-बार निशाना बनाया जाना बेहद परेशान करने वाला विषय है। उन्होंने यह टिप्पणी उस वक्त की है जब मध्य प्रदेश के छतरपुर में पथराव की घटना के एक आरोपी की कोठी को बुलडोजर से तोड़ दिया गया।

खरगे ने एक्स पर पोस्ट किया, किसी का घर तोड़ना और उसके परिवार को बेघर करना अमानवीय भी है और अन्यायपूर्ण भी। भाजपा शासित राज्यों में अल्पसंख्यकों को बार-बार निशाना बनाया जाना बेहद परेशान करने वाला है। कानून के शासन द्वारा शासित समाज में ऐसे कार्यों के लिए कोई स्थान नहीं है।

उन्होंने कहा, कांग्रेस पार्टी संविधान की घोर अवहेलना, नागरिकों के बीच भय पैदा करने की रणनीति के रूप में बुलडोजर का उपयोग करने के लिए भाजपा राज्य सरकारों की कड़ी निंदा करती है। अराजकता प्राकृतिक न्याय का स्थान नहीं ले सकती। अपराधों का फैसला अदालतों में होना चाहिए, न कि राज्य-प्रायोजित दबाव के माध्यम से। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने एक्स पर पोस्ट किया, अगर कोई किसी अपराध का आरोपी है तो उसका अपराध और उसकी सजा सिर्फ अदालत तय कर सकती है। लेकिन आरोप लगते ही आरोपी के परिवार को सजा देना, उनके सिर से छत छीन लेना, कानून का पालन न करना, अदालत की अवहेलना करना, आरोप लगते ही आरोपी का घर ढहा देना- यह न्याय नहीं है। उन्होंने कहा कि यह बर्बरता और अन्याय की पराकाष्ठा है।

कांग्रेस नेता के अनुसार, कानून बनाने वाले, कानून के रखवाले और कानून तोड़ने वाले में फर्क होना चाहिए। सरकारें अपराधी की तरह व्यवहार नहीं कर सकतीं। कानून, संविधान, लोकतंत्र और मानवता का पालन सभ्य समाज में शासन की न्यूनतम शर्त है। जो राजधर्म नहीं निभा सकता, वह न तो समाज का कल्याण कर सकता है, न ही देश का। प्रियंका गांधी ने कहा, बुलडोजर न्याय पूरी तरह अस्वीकार्य है, यह बंद होना चाहिए।

सिपाही भर्ती परीक्षा का प्रश्न पत्र 'आउट' कराने के नाम पर ठगी करने वाला गिरफ्तार

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश पुलिस के विशेष कार्यबल (एसटीएफ) ने शनिवार को आरक्षी (सिपाही) भर्ती परीक्षा का प्रश्न पत्र 'आउट' कराने के नाम पर ठगी करने वाले गिरोह के एक सदस्य को यहां गिरफ्तार किया। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गयी। इस बीच पुलिस महानिदेशक प्रशांत कुमार ने राज्य की राजधानी लखनऊ में कुछ परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। एसटीएफ की ओर से शनिवार को जारी किये गये एक बयान में कहा गया कि पुलिस आरक्षी भर्ती परीक्षा का प्रश्न पत्र 'आउट' कराने के नाम पर ठगी करने वाले गिरोह के सदस्य अनिरुद्ध मोदनवाल को यहां गाजीपुर थाना क्षेत्र में राजकीय पॉलिटेक्निक गेट के पास शुक्रवार रात गिरफ्तार किया गया। मोदनवाल भदोही जिले के सुरियावां थाना क्षेत्र के सुरियावां बाजार का निवासी है। बयान के मुताबिक आरोपी के पास से मोबाइल, क्रेडिट कार्ड, पेटीएम से अभ्यर्थियों से पैसा लेने का स्क्रीन शॉट आदि बरामद किये गये हैं।

'कॉफी विद करन' विवाद ने मुझे बहुत डरा दिया था : केएल राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत के विकेटकीपर-बल्लेबाज केएल राहुल ने 'कॉफी विद करन' विवाद के खुद पर हुए असर के बारे में कहा कि इससे वह बहुत डर गये थे और इसने उन्हें काफी बदल दिया। पांच साल पहले राहुल और टीम के साथी क्रिकेटर हार्दिक पंड्या को बॉलीवुड निर्देशक करण जौहर के 'टॉक शो' में महिलाओं के बारे में टिप्पणी करने के बाद देश भर में आक्रोश का सामना करना पड़ा था।

इस शो में की गई टिप्पणी से सोशल मीडिया पर कोहराम मच गया जिससे इन दोनों खिलाड़ियों को आस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे श्रृंखला से पहले निलंबित कर दिया गया। राहुल ने निखिल कामथ के साथ एक पॉडकास्ट में कहा, ''यह इंटरव्यू एक अलग दुनिया था। इसने मुझे बदल दिया। पूरी तरह से बदल दिया।''

इस पॉडकास्ट में बॉलीवुड अभिनेत्री कृति सनोन के अलावा गायक बादशाह भी शामिल थे। राहुल ने कहा, ''मैं बचपन से ही बहुत शर्मीला और मृदुभाषी था। फिर भारत के लिए खेलते हुए मेरा आत्मविश्वास काफी बढ़ गया था। मुझे लोगों समूह के साथ कोई समस्या नहीं होती थी। अगर एक कमरे में 100 लोग होते तो मुझे हर कोई जानता क्योंकि मैं हर किसी से बात करता। '' उन्होंने कहा, ''अब मैं ऐसा नहीं करता क्योंकि उस इंटरव्यू ने मुझे बहुत डरा दिया। टीम से निलंबित होना, मुझे कभी स्कूल से भी निलंबित नहीं किया गया था, मुझे स्कूल में कभी सजा नहीं मिली थी। यह सब मेरे साथ कभी नहीं हुआ। मुझे नहीं पता था कि इससे कैसे निपटूं।'' राहुल ने स्कूल के दिनों के बारे में बात करते हुए कहा कि उन्हें स्कूल में कभी भी सजा नहीं मिली थी। उन्होंने कहा, ''मैंने स्कूल में छोटी छोटी शरारतें कीं, लेकिन ऐसा कुछ नहीं किया जिससे मुझे स्कूल से निकाल दिया जाए या मेरे माता-पिता को आना पड़े। वो मेरी पढ़ाई शरारत थी और फिर आपको पता चलता है कि यह कितनी बुरी थी।'' इस शो में 2019 में विवाद तब शुरू हुआ जब राहुल और पंड्या ने ऐसी टिप्पणियां कीं जिन्हें 'सेक्सिस्ट' करार दिया गया। इस एपिसोड में क्रिकेटरों ने अपने रिश्तों पर खुलकर बात की। उनकी इन टिप्पणियों की प्रशंसकों के अलावा महान क्रिकेटर सुनील गावस्कर और हरभजन सिंह ने कड़ी आलोचना की थी।

शिखर धवन ने क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत के अनुभवी सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास की घोषणा की है। दो साल पहले देश के लिए अपना अंतिम मैच खेलने वाले इस वामहस्त बल्लेबाज ने कहा कि वह तीनों प्रारूपों में देश का प्रतिनिधित्व करने के बाद एक संतुष्ट इंसान के तौर पर इस खेल को अलविदा कह रहे हैं।

इस 38 साल के खिलाड़ी ने 2010 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विशाखापट्टनम में एकदिवसीय मैच के साथ अपने अंतरराष्ट्रीय करियर को शुरू किया था। उन्होंने देश के लिए अपना आखिरी मैच 2022 में बांग्लादेश के खिलाफ खेला। धवन ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''मैं अपनी क्रिकेट यात्रा का यह अध्याय समाप्त कर रहा हूं लेकिन मेरे साथ अनगिनत यादें हैं और मैं बहुत आभारी हूं। प्यार और समर्थन के लिए धन्यवाद। जय हिंद।'' उन्होंने इस पोस्ट के साथ जारी वीडियो में कहा, ''नमस्कार सभी को, आज मैं एक ऐसे मोड़ पर खड़ा हूं जहां से पीछे देखने पर सिर्फ यादें ही नजर आती हैं और आगे देखने पर पूरी दुनिया। मेरी हमेशा से सिर्फ एक ही मंजिल थी भारत के लिए खेलना और वो हुआ भी जिसके लिए मैं कई लोगों का शुक्रगुजार हूं।'' उन्होंने कहा, ''वो कहते हैं ना कहानी में आगे बढ़ने के लिए पन्ने पलटना जरूरी है, बस मैं भी ऐसा ही करने जा रहा हूं। मैं अंतरराष्ट्रीय और घरेलू क्रिकेट से अपने संन्यास की घोषणा करता हूं। अब जब मैं अपनी क्रिकेट यात्रा को अलविदा कह रहा हूं तो मेरे दिल में सुकून है कि मैं अपने देश के लिए बहुत खेला।'' धवन ने भारत के लिए 34 टेस्ट, 167 एकदिवसीय और 68 टी20 मैच खेले हैं। धवन का क्रिकेट सोनेट क्लब में परवान चढ़ा और पश्चिम दिल्ली के इस खिलाड़ी को मैदान पर हर परिस्थिति में संघर्ष करने वाले क्रिकेटर के तौर पर जाना जाता है। धवन ने भारत के लिए 34 टेस्ट, 167 वनडे और 68 टी20 अंतरराष्ट्रीय में भाग लिया, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में खराब फॉर्म और यशस्वी जयसवाल और शुभमन गिल जैसी युवा सलामी बल्लेबाजों के उभरने के कारण उन्हें टीम से बाहर होना पड़ा। उन्होंने 50 ओवर के प्रारूप में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया जिसमें उन्होंने 44.11 की औसत से 6,793 रन बनाए।

उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में 40.61 की औसत और सात शतक की मदद से 2,315 रन बनाए। धवन ने कहा, '' मैं बहुत शुक्रगुजार हूं, बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) और डीडीसीए (दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ) का, जिन्होंने मुझे मौका दिया और सारे फैन्स का जिन्होंने मुझे इतना सारा प्यार दिया।'' उन्होंने कहा, ''मैं खुद से यही बात कहता हूं कि तू इस बात से दुखी मत हो कि तू अपने देश के लिए फिर नहीं खेलेगा, पर इस बात की खुशी अपने पास रख कि तू देश के लिए खेला और यही मेरे लिए सबसे बड़ी बात है।''

नीरज चोपड़ा एक-दो साल में 93 मीटर दूर तक भाला फेंकेंगे: देवेंद्र झाझड़िया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिग्गज पैरा एथलीट देवेंद्र झाझड़िया को लगता है कि स्टार भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा के लिए 90 मीटर दूर भाला फेंकना बस समय की बात है और उन्होंने भविष्यवाणी की कि वह एक या दो साल में 93 मीटर दूर भाला फेंक सकते हैं।

चोपड़ा ने इस महीने की शुरूआत में पेरिस ओलंपिक में 89.45 मीटर भाला फेंककर रजत पदक जीता था। उन्होंने गुरुवार को फिर से लुसाने डायमंड लीग में 89.49 मीटर के थ्रो के साथ दूसरा स्थान हासिल किया। झाझड़िया खुद पैरा भाला फेंक के दिग्गज हैं और जिन्होंने एफ46 श्रेणी में दो पैरालंपिक स्वर्ण पदक जीते हैं। उन्होंने कहा कि जब चोपड़ा 90 मीटर की बाधा को पार करेंगे तो वह इसे बड़े अंतर से पार करेंगे जिसमें वह तीन से चार मीटर से आगे होंगे। झाझड़िया (43 वर्ष) ने पीटीआई से कहा, ''अगर मैं भाला फेंक की भाषा में कहूं तो 89 से अधिक मीटर इस वक्त नीरज के लिए एक 'बैरियर' बन गया है। मैंने अपने 20 साल के खेल करियर में देखा है कि जब कोई 'बैरियर' टूटता है तो वह महज एक मीटर या उससे कम से नहीं बल्कि तीन से चार मीटर से टूटता है। '' उन्होंने कहा, ''जब नीरज ऐसा करेंगे तो वह सिर्फ 90 मीटर से नहीं बल्कि तीन से चार मीटर दूर तक भाला फेंकेंगे। मेरे शब्दों को याद रखना।''

सुविचार

जिस दिन ज्यादा सोचना बंद कर देंगे, उसी दिन जिंदगी खूबसूरत लगने लगेगी!

ट्वीट

हिंदू देवी-देवताओं का अपमान करना एवं हिन्दुओं की धार्मिक आस्था को ठेस पहुँचाना कांग्रेसियों के डीएनए में है। जिसकी बानगी एक बार फिर तब देखने को मिली जब श्रीकृष्ण जन्माष्टमी से ठीक पहले कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष डोटासरा ने श्रीकृष्ण का अपमान किया।

-भजनलाल शर्मा

भिवाड़ी में हुई डकैती एवं हत्या की घटना बेहद गंभीर एवं राज्य सरकार के माथे पर कलंक के समान है। इस घटना को लेकर एडीजी क्राइम एवं आईजी रेंज से बात कर जानकारी ली। यहां डकैतों ने एक व्यापारी की गोली मारकर हत्या कर दी एवं दूसरे व्यापारी घायल हैं।

-अशोक गहलोत

कहानी

मधु कांकरिया

बुलंद हस्तियों के बीच एक शाम

मिसेज गोयल इस चूक के लिए अपने पति को बुरा भला कहने लगी, 'किसी को नहीं भूले एक आंटी को हो कैसे भूल गए? हर दिन डेढ़-दो घंटे रख ही लेती हैं सोनू को। उन्ही के चलते मैं पूरी शाम सोनू को लेकर निश्चिंत रहती हूँ, लेकिन तुम्हें मेरा सुख कब सुहाया है? तुम तो चाहते ही हो कि मैं नौकरी-वोकरी छोड़ तुम्हारी चाकरी में ही लगी रहूँ।

वाकया उन दिनों का जब महानगर मुंबई को धीरे-धीरे सोचने, खोजने और समझने में लगा था मैं। वे दरअसल मेरे अंडे से बाहर निकलने के दिन थे। इसलिए हर शाम मैं अपने दड़बे से बाहर निकलता और जब भी बाहर निकलता, आंटी को अँग्रेजी के एल अकार के बने सोसाइटी के प्रांगन में ढेरों नीम, पीपल, चंपा, चमेली और गंधराज के पेड़ों से घिरे लंबे से लॉन में टहलते हुए देखता था। अपने समय के अँधेरों से घिरे लोगों के बीच भी आंटी अपने में ही रमी रहती थी, खोई सी, गुनगुनाती सी। कभी फ्रेम (बच्चों की गाड़ी) में बैठे गोल गदराए खूबसूरत बच्चों को निहारती जिन्हें उनकी बदकिस्मती और महँगाई की मारी आयाएँ घुमाती रहती तो कभी जोगन की सी निस्संगता से जोगिंग करती घुटने से ऊपर पेंट पहनी लड़कियों की मस्त चाल, नंगी टाँगें और खुली बाँहों को देखती रहती। तो कभी आँखों में खुला अचंभा लिए, तितली की तरह उड़ती आधुनिकाओं को अपने पालतू कुत्तों को सैर कराते देखती। कई बार बगीचे के कोनो-अंतरों में आंटी की ही हमउम्र महिलाओं का ग्रुप भजन कीर्तन करते हुए भी दिख जाता पर उनमें शामिल होने की बजाय परम निरपेक्ष भाव से आंटी पास से हवा के शांत झोंके की तरह गुजर जाती। मंद-मंद मुस्कान और जीवन राग बिखेरती आंटी चलती भी यूँ जैसे इस दुनिया और धरती से उन्हें कोई शिकायत नहीं हो।

लगभग पचपन वर्षीय आंटी मेरी पड़ोसी थीं। यह बात अलग है कि यह भी मैं तभी जान पाया जब मुझे उनकी जरूरत महसूस होने लगी। मैं पाँचवें माले के एक तरफ था और आंटी लिफ्ट के एकदम दूसरी तरफ। आंटी के परिदृश्य में आते ही चट्टान की तरह कठोर और वजनी हमारे दिन एकाएक तितली के पंखों की तरह रंगीन और हल्के हो गए थे। 'आंटी आज मेरा कूरियर आएगा, प्लीज रख लेना। आंटी यह लो चाभी मेरी मेड आए तो काम करवा लेना। आंटी, धोबी को ये कपड़े दे देना, आंटी प्लीज दूध वाला आए तो दूध ले लेना, नहीं गरम मैं आकर कर लूँगा, क्या कहा, दूध फट जाएगा, ठीक है, गरम भी कर लेना आंटी जी!'

दरअसल मैं मुंबई में एम.बी.ए. कर रहा था। हम चार लड़के आंटी के पास वाले फ्लैट में ही एक साथ रहते थे। हम सुबह-सुबह ही निकल जाते, दिनभर हमारी क्लास चलती। इस कारण कभी डाक, तो कभी धोबीवाला, तो कभी दूधवाला, तो कभी कामवाली बाई, सभी को अब जैसे आंटी का खुला घर मिल गया था। दिन भर आंटी हमारी प्रतिनिधि बनी हमारा सामान देती-लेती रहती। और हम निश्चित हो कॉलेज में भी देर तक मस्ती मारते रहते। हमारी पौ बारह थी क्योंकि अब हमें चिंता नहीं थी कि हम नहीं पहुँचे तो घर की व्यवस्था गड़बड़ा जाएगी। अब कामवाली आंटी से चाबी ले लेती। धोबी आंटी से कपड़े ले लेता, किरानी वाला आंटी के पास हमारा सामान रख देता। दूध वाला आंटी को दूध दे देता, आंटी की इस उदारता की खबर जाने कैसे उड़ते हुए हमारे दूसरे पड़ोसी मि. गोयल तक भी पहुँच गई। एक दिन मैंने देखा मि. गोयल का तीन वर्षीय बेटा सोनू आंटी की गोद में बैठा-बैठा चना बादाम टूँग रहा था। वह टीवी पर छोटा भीम देखने की जिद कर रहा था और आंटी उसे समझा रही थी कि ज्यादा टीवी देखने से बच्चों की कोमल आँखें खराब हो जाती हैं। और उसे कोई नीली परी की कहानी सुना कर बहला भी रही थी। कई बार सोनू कुछ समझ नहीं पाता, वह पूछना चाहता तो पूछ भी नहीं पाता। आंटी चिंतित हो कहने लगी - 'क्या होगा इन बच्चों का भी। न ये ठीक से अँग्रेजी बोल पाते हैं और न हिंदी। इस कारण इनके अंदर एक अलग तरह की घुटन रहती है। बच्चे भी क्या करें, इनकी मातृभाषा हिंदी है पर माँएँ हैं कि जन्म से ही अँग्रेजी बोल-बोल हिंदी सीखने ही नहीं देती हैं। मैंने एक बार कहा भी मिसेज गोयल से तो कहने लगी, 'यदि मैं अँग्रेजी नहीं बोलूँगी तो अँग्रेजी इसके लिए एलियन भाषा बन के रह जाएगी'। सोचो यदि मातृ भाषा एलियन रह जाए तो ज्यादा नुकसान है या विदेशी भाषा एलियन रह जाए तो ज्यादा नुकसान है? मैं क्या बोलता, खुद मैं भी अपने नन्हें-मुन्ने भतीजो से अँग्रेजी में ही बोलता था पर उस दिन जाने अनजाने मेरे मन की कोई फाँक भी आंटी के विचार में शामिल हो गई थी इस कारण आंटी की बात का जवाब देने की बजाय मैंने बात घुमा कर पूछ डाला 'आंटी यह कहाँ से आ टपका? 'आंटी ने अद्भुत जवाब दिया 'यह मेरे एकांत को रचने और मेरी जिंदगी में आनंद घोलने आ पहुँचा'। अपने आराम और दूसरे कामों को स्थगित कर आंटी पूरी गंभीरता से मुंडी हिला-हिला, मुँह बना-बना और आँखें मटका-मटका कर उसे कहानी सुनाती रही, जैसे-भावी पीढ़ी का निर्माण कर रही हो और किसी गंभीर श्रोता की तरह सोनू कहानी सुनता रहा।

मि. और मिसेज गोयल दोनों ही अपनी-अपनी कंपनी में सीनियर मैनेजर थे। मिसेज गोयल अपने तीन वर्षीय बेटे सोनू को अपने साथ ही ले जाती थी। उसे वे किसी क्रेच में डाल फिर अपने ऑफिस जाती। कई बार शाम को क्रेच की गाड़ी पहले आ जाती, मिसेज गोयल बाद में आती। जालीदार बंद गाड़ी में बैठा सोनू अक्सर रोता रहता, कई बार हमसे जिद करता की हम उसे अपने साथ ले चलें। एक बार सोनू से बात करते-करते ही बदबू का भभका सा लगा। मुझे लगा आस-पास कुछ गंदगी पड़ी होगी। मैंने सोनू के ड्राइवर से कहा कि वह गाड़ी थोड़ी दूर पार्क कर दें, यहाँ बदबू आ रही है। वह हँसने लगा - यह बदबू सोनू बाबा के पेंट से आ रही है, उसने पॉटी कर दिया है। मैं तो जैसे आसमान से गिरा। हे भगवान यह सब भी होता है! मैंने उतावला होकर कहा 'जब तुम जानते हो तो उसका पेंट क्यों नहीं बदल देते हो? 'उसने अजीब सा जवाब दिया 'सिर्फ पेंट बदलने से क्या होगा? मुझे उसे साफ भी करना होगा, मेरा काम जब तक उसकी माँ नहीं आ जाए, उसकी चौकीदारी करना है, उसकी माँ बनना नहीं है। फिर मैंने मैडम को फोन पर बता भी दिया है। अब वे जाने और उनका काम जाने।

एक बार भयंकर गर्मी थी, सोनू बंद गाड़ी में बैठे-बैठे झुलस ही गया था, मुझे सोनू पर बड़ा तरस आया, मैंने गाड़ीवाले से कहा, 'जब तक इसकी मम्मा नहीं आ जाती, कम से कम इसे खुली हवा में बाहर तो रहने दो, कैसे कैदियों की तरह इसे अंदर ठूँस रखा है। उसने बड़ा मायूस जवाब दिया 'मैं जैसे ही इसे छोड़ दूँगा यह पिंजरे से छूटे पक्षी की तरह उड़ने लगेगा और मैं दिन भर का थका हारा, मुझमें इतनी जान नहीं कि इसके पीछे-पीछे दौड़ूँ। जब इनकी माँ को ही इनकी चिंता नहीं तो मैं क्यों सोचूँ।'

बहरहाल दिन बीत रहे थे। हम सब जिंदगी को झेलने और उसके बंदोबस्त में लगे थे। ये वो दिन थे जब भविष्य में कुछ बन पाने के नसतोड़ तनाव में ही हमारा वर्तमान स्वाहा हो रहा था। इस तनाव को झेल न पाने की वजह से हमारे एक सहपाठी का मानसिक संतुलन ही बिगड़ गया था। और उसे कॉलेज स्थगित कर काउंसलिंग लेनी पड़ रही थी। एक ने आत्महत्या की असफल चेष्टा की। मैं भी अपने को डिप्रेशन से बचाने के लिए खुद को कभी 'भाग्य' के हवाले करता तो कभी 'डू द बेस्ट एंड लिव द रेस्ट' जैसे जीवन मंत्र के हवाले छोड़ देता। हम सभी खुद को बेफिक्र रखने की भरसक कोशिश करते। इस कारण कॉलेज से घर और घर से कॉलेज के बीच जो कुछ भी समय हमें मिलता उसमें युवराज के छक्के और राखी सावंत के ठुमके हमें हमारी तनावों की दुनिया से कुछ देर के लिए ही सही दूर ले जाते, हमारा दिल बहलाते और हमारे पंखों को हवा देते।

उन्हीं दिनों एक बार आंटी का घबड़ाया हुआ फोन आया मेरे पास, 'तुरंत आओ, सोनू को बहुत उल्टियाँ हो रही है, उसकी माँ फोन नहीं उठा रही है' मैं भी घबड़ा गया। घर पहुँचा तो देखा कि सदैव खिला-खिला सा रहने वाला आंटी का मुखमंडल तनाव, चिंता और थकान के बादलों से घिरा हुआ था। आंटी की साड़ी उलटी से लथपथ थी, पूरे घर में अजीब सी उलटी की गंध भरी हुई थी, जंगली हिरण की तरह हर तरफ धमाचौकड़ी मचाने वाला सोनू गमछा ओढ़े सोफे पर ही अधमरा सा लेटा हुआ था। आंटी आँगन को फिनाइल से साफ करते हुए ही फोन पर मिसेज गोयल से बतिया रही थी। मिसेज गोयल आंटी को फोन पर समझा रही थी 'आप चिंता मत कीजिए, यह तो इसी प्रकार उलटी करता रहता है, इसने क्रेच में कुछ ज्यादा खा लिया होगा। आप तो बस इसे थोड़ा नमक चीनी घुला पानी पिला दीजिए। मैं नौ बजे तक पहुँच जाऊँगी, क्या बताऊँ आज बॉस के साथ एक बहुत जरूरी मीटिंग में फँस गई हूँ। उस दिन पहली बार देखा मैंने आंटी को क्षुब्ध होते हुए, माथा पकड़ बोली वे, 'हे भगवान क्या हो गया है इसकी माँ को, बेटा अधमरा हो रहा है, अभी तक छह उलटी कर चुका है और इसकी माँ कह रही है 'चिंता की कोई बात नहीं, क्रेच में ज्यादा खा लिया होगा, यह तो इसी प्रकार करता रहता है उलटी'। हे भगवान, किस हादसे में मर गई हैं इनकी ममता, किसने बना दिया उन्हें ऐसा! कैसा समय है! बॉस को फुल टाइम, पति को पार्ट टाइम और बच्चे घास फूस की तरह बढ़ रहे हैं? चेहरा देखो इसका, कैसे छुआरे सा सूख गया है। और बात करते-करते ही आंटी ने मुझे सोनू के लिए नमक चीनी का पानी बनाने में लगा दिया और खुद सोनू के कपड़े बदलने में लग गई। हमेशा सोनू को छोटा भीम देखने से रोकने वाली आंटी ने इस बीच खुद ही टीवी पर छोटा भीम लगा दिया जिससे सोनू का मन लगा रहे।

अगले सप्ताह से ही मैं एमबीए के इंटर्नशिप में व्यस्त हो गया, आंटी के यहाँ आना जाना थोड़ा कम हो गया लेकिन फिर भी हम दोनों घरों के बीच आंटी को लेकर अदृश्य खींचातानी चलती रहती थी। आंटी जैसी दुधारू गाय को हम सभी अपने-अपने खूँटे में बाँध लेना चाहते थे। हम दोनों को ही डर रहता कि कहीं कोई अकेला ही आंटी को हाईजैक न कर ले, इस कारण अपनी जिंदगी में व्यस्त होते हुए भी मैंने दुआ-सलाम जारी रखी और तभी मैंने आश्चर्य से देखा कि सबसे दूर-दूर रहने वाली बंद गोभी मिसेज गोयल भी अनायास ही मेरे ही पदचिह्नों पर चलने लगीं थीं, बल्कि मुझसे भी कदम भर आगे ही थीं।

उन्ही दिनों मुझे एकाएक गोयल परिवार की तरफ से सोनू के जन्मदिन के उपलक्ष्य में रखी पार्टी में शरीक होने का निमंत्रण मिला। मुझे इस निमंत्रण की उम्मीद नहीं थी। क्योंकि उनकी दुनिया और हमारी दुनिया एकदम अलग-अलग थी। वहाँ वे सभी बुलंद हस्तियाँ आने वाली थी जो अपने जीवन में कामयाबी के शिखर को छूँ चुकी थीं या छूने के करीब थीं। मेरा भी वहाँ जाना जरूरी था क्योंकि मैं भी कामयाबी से हाथ मिलाने के इस दुर्लभ अवसर को खोना नहीं चाहता था। इसलिए समय कम होने के बाबजूद मैं वहाँ गया। उनका घर जरूरत से ज्यादा चमक रहा था। सोनू किसी रूठे राजकुमार की तरह बैठा हुआ था। समृद्धि किसी परी की तरह अपने पंख पसारे खड़ी थी। किसी दीवार पर मोनालिसा मुस्कुरा रही थी तो किसी दीवार पर एमएफ हुसैन के घोड़े दौड़ लगा रहे थे। कुछ आत्मविश्वास के गुच्छे वहाँ चहक रहे थे तो कुछ नेशनल और मल्टीनेशनल जमूरे अलग से ही दमक रहे थे। मि. महेश्वरी अपनी विदेश यात्रा का बखान कर रहे थे तो मि. चंदानी जिनकी फोरेन पोस्टिंग तय थी मुंबई को कोस रहे थे कि दो महीने से यहाँ सूरज तक नहीं दिखा, क्या होगा यहाँ रहकर। मिसेज बाफना का ख्याल था कि यदि देश की बागडोर किसी कोर्पोरेट को दे दी जाए तो देश शायद बच सकता है। मिस्टर भारद्वाज को संतोष था कि उन्होंने अपने प्रवासी पुत्र को स्काईप पर ही गणपति पूजा करवा दी। इसी बीच मिस्टर रवि ने सीमा पर गश्त लगाते दो भारतीय सैनिकों के सर काट ले जाने वाली घटना का जिक्र शुरू किया ही था कि मिस्टर महेश्वरी ने उन्हे डपट दिया - यार ऐसी घुटन और डिप्रेसिंग बातों के लिए हमारा ऑफिस ही क्या कम है जो तुम यहाँ भी ऐसी बातें ले बैठे? हें हें करते मिस्टर रवि ने दाँत निपोर दिए। इसी बीच केक काटने की रस्म शुरू हुई। इतनी भीड़-भाड़, शोर-गुल, आक्रामक रोशनी, कैमरा और तेज म्यूजिक को सुन सोनू शायद डर गया था और चीख मार-मार कर रोने लगा था। सोनू के चीख मारने के साथ ही हम लोगों की 'फील गुड' की लय-ताल गड़बड़ा गई थी। सोनू ने रोते-रोते कहा, 'मुझे केक नहीं काटना, मुझे आंटी के पास जाना है। और तभी जैसे 26/11 का अटैक हो गया हो। गोयल दंपति को साँप सूँघ गया। चिड़िया सी चहकती मिसेज गोयल की बिल्लौरी आँखें छिपकली की आँख की तरह बाहर निकल आई, 'शिट यार, आंटी को तो बुलाना ही भूल गए'।

मिसेज गोयल इस चूक के लिए अपने पति को बुरा भला कहने लगी, 'किसी को नहीं भूले एक आंटी को हो कैसे भूल गए? हर दिन डेढ़-दो घंटे रख ही लेती हैं सोनू को। उन्ही के चलते मैं पूरी शाम सोनू को लेकर निश्चिंत रहती हूँ, लेकिन तुम्हें मेरा सुख कब सुहाया है? तुम तो चाहते ही हो कि मैं नौकरी-वोकरी छोड़ तुम्हारी चाकरी में ही लगी रहूँ। नुकीले तार जैसी शख्सियत वाले मि. गोयल कुछ देर सुनते रहे, झल्लाते रहे, पत्नी को शांत करने की कोशिश भी की, पर पत्नी थी कि एकदम गरम स्त्री, बेकाबू। जंगली बिल्ली कि तरह नोचने-झपटने को तैयार। पार्टी की रंगत बिगड़ती देख उन्होंने भी अंतिम दाँव लगाया और डफर कह दिया मिसेज गोयल को - 'क्या आंटी-आंटी रट लगा रखी है। अरे यह तो सोचो कि इस पीजा, बर्गर, डांस और ड्रिंक की पार्टी में आकर कर भी क्या लेती आंटी? वे हमें देख कर दुखी होती और हम उन्हें देखकर। खुश होओ कि दो दुख कम हुए' मि.गोयल के इस खुलासे के साथ ही एक जोरदार ठहाका लगा। बादल छँटे, तापमान सामान्य हुआ, पार्टी की रंगत लौटी। मिसेज गोयल फिर आवभगत में लग गई। तेज म्युजिक पर कुछ जोड़े थिरकने लगे, 'कजरारे-कजरारे तेरे नयन बड़े कजरारे...।' कुछ 'लुंगी डांस की फरमाईश करने लगे। सोनू रोते-रोते ही सो गया। बुलंद हस्तियों और कामयाब लोगों की पार्टी फिर धीरे-धीरे सबाब पर चढ़ने लगी।

- 'हिन्दी समय' से साभार

संजय उवाच

संजय भारद्वाज
9890122603
writersanjay@gmail.com

शिवोऽहम....(5)

आत्मषटकम पर मनन-चिंतन की प्रक्रिया में आज पाँचवें श्लोक पर विचार करेंगे। अपने परिचय के क्रम में अगला आयाम आदिगुरु शंकराचार्य कुछ यूँ रखते हैं,

न मे मृत्युशंका न मे जातिभेद:
पिता नैव मे नैव माता न जन्म:
न बंधुर्न मित्रं गुरुर्नैव शिष्यं
चिदानन्दरूपः शिवोऽहम शिवोऽहम ।।

इसका शाब्दिक अर्थ है कि न मुझे मृत्यु का भय है, न मुझमें जाति का कोई भेद है। न मेरा कोई पिता है, न कोई माता है, न ही मेरा जन्म हुआ है। न मेरा कोई भाई है, न कोई मित्र, न कोई गुरु है और न ही कोई शिष्य। मैं चैतन्य रूप हूँ, आनंद हूँ, शिव हूँ, शिव हूँ।

मृत्यु के संदर्भ में देखें तो शंकराचार्य जी महाराज के कथन से स्पष्ट है कि देह छूटना आशंका नहीं होना चाहिए। यों भी यात्रा में पड़ाव आशंका नहीं हो सकता। यात्रा तो परमात्मा के अंश की है, यात्रा आत्मा की है। यात्रा के सनातन और यात्री के शाश्वत होने का प्रसंग आए और योगेश्वर उवाच स्मृति में न आए, यह संभव ही नहीं। भगवान गीतोपदेश में कहते हैं,

न जायते म्रियते वा कदाचिन्नायं भूत्वा भविता वा न भूयः।
अजो नित्यः शाश्वतोऽयं पुराणो न हन्यते हन्यमाने शरीरे।।

आत्मा का किसी भी काल में न जन्म होता है और न ही मृत्यु। यह पूर्व न होकर, पुनः न रहनेवाला भी नहीं है। आत्मा अजन्मा, नित्य, शाश्वत और पुरातन है, शरीर के नाश होने पर भी इसका नाश नहीं होता।

मैं मृत्यु नहीं हूँ, अत: स्वाभाविक है कि जन्म भी नहीं हूँ। जो कभी जन्मा ही नहीं, वह मरेगा कैसे? जो कभी मरा ही नहीं, वह जन्मेगा कैसे?..ओशो की समाधि पर लिखा है, 'नेवर बॉर्न, नेवर डाइड, ऑनली विज़िटेड दिस प्लानेट अर्थ बिटविन....' उन्होंने न कभी जन्म लिया, न उनकी कभी मृत्यु हुई। वे केवल फलां तिथि से फलां तिथि तक सौरग्रह धरती पर रहे।'

विचार करें तो बस यही अवस्था न्यूनाधिक हर जीवात्मा की है। स्पष्ट है कि केवल जन्म और मृत्यु तक सीमित रखकर जीवन नहीं देखा जा सकता।

पिता न होना अर्थात किसीके जन्म का कारक न बनना और माता न होना अर्थात किसीको जन्म देने का कारण न होना। जन्म से मृत्यु तक जीवात्मा द्वारा देह धारण करने का कारण और कारक परमात्मा ही हैं। प्राप्त देह, यात्रा की निमित्त मात्र है।

न मार्ग का दर्शन, न मार्ग का अनुसरण.., न गुरु होना, न शिष्य होना। बंधु, मित्र न होना, रक्त का या परिचय का सम्बंध न होना। जगत के सम्बंधों तक सीमित नहीं है अस्तित्व। माता, पिता, गुरु, शिष्य, बंधु, मित्र इहलोक के नश्वर सम्बंध हैं जबकि जीवात्मा ईश्वर का आंशिक अवतरण है।

जातिभेद का उल्लेख करते हुए आदिगुरु स्पष्ट करते हैं कि मैं न कुलविशेष तक सीमित हूँ, न ही वंशविशेष हूँ। 'ईश्वरः सर्वभूतानां हृद्देशेऽर्जुन तिष्ठति।' ...जाति का एक अर्थ उत्पत्ति भी है। जीवात्मा उत्पत्ति और विनाश से परे है।

जीवात्मा अपरिमेय संभावना है जिसे देह और मर्त्यलोक की आशंका तक सीमित कर हम अपने अस्तित्व को भूल रहे हैं। अपनी एक रचना स्मरण आ रही है,

संभावना क्षीण थी, आशंका घोर,
बायीं ओर से उठाकर, आशंका के सारे शून्य
धर दिये संभावना के दाहिनी ओर..,
गणना की संभावना खो गई,
संभावना अपरिमेय हो गई..!

मनुष्य अपने अस्तित्व की अपरिमेय संभावनाओं को पढ़ने लगे तो कह उठेगा,..'मैं चैतन्य रूप हूँ, आनंद हूँ, शिव हूँ, शिव हूँ,...शिवोऽहम।'

बोध कथा

क्रोधित राजा और ऋषि

ढोलकपुर नाम के साम्राज्य में एक जाने-माने ऋषि रहते थे, जो लोगों का भाग्य बताने के लिए प्रसिद्ध थे। उस राज्य का हर व्यक्ति उन प्रसिद्ध ऋषि व उनके कौशल के बारे में जानता था। एक दिन उस ऋषि के बारे में वहां के राजा को भी पता चला। राजा के मन में भी अपने भविष्य को जानने की इच्छा होने लगी। इसी के चलते उसने अपने सैनिकों को ऋषि के पास भेजा और पूरे सादर-सम्मान से उन्हें महल लेकर आने का आदेश व आमंत्रण दिया। राजा की आज्ञा के अनुसार सैनिक ऋषि के पास गए और ऋषि को राजा का आमंत्रण सुनाते हुए उनसे महल चलने की प्रार्थना करने लगे। ऋषि भी सैनिकों के साथ महल चलने के लिए तैयार हो गए।

जब ऋषि महल पहुंचे, तो राजा ने बड़े ही उत्साह से उनका स्वागत-सत्कार किया और उन्हें अपने दरबार में सम्मान के साथ बैठाया। जब ऋषि ने थोड़ा आराम कर लिया, तो राजा ने ऋषि के सामने अपने मन की इच्छी रखी और उनसे अपने भविष्य के बारे में पूछा। ऋषि ने राजा से उसकी जन्मकुंडली मंगाई और उसे ध्यान से देखने लगे। कुछ देर तक राजा की कुंडली देखने के बाद प्रसिद्ध ऋषि ने राजा को बताया कि भविष्य में उनका भाग्य आशीर्वाद भरा हुआ है और जीवन में सबकुछ अच्छा ही होगा। इस तरह ऋषि ने राजा के भाग्य में बारे में अच्छी-अच्छी बातें बताई। राजा खुद से जुड़ी अच्छी भविष्यवाणी सुनकर बहुत प्रसन्न हुआ। उसने खुश होकर ऋषि को सोने और चांदी का उपहार दिया। इसके बाद राजा ने ऋषि से अपने भविष्य से जुड़े दुर्भाग्य के बारे में पूछा। राजा के पूछे अनुसार ही ऋषि ने राजा के दुर्भाग्य से जुड़ी बातें भी बता दीं। उन्हें सुनकर राजा बहुत क्रोधित हो गया। वह गुस्से में ऋषि पर चिल्लाने लगा और धमकाते हुए कहा कि इतनी बेतुकी बातें करने की आपकी हिम्मत भी कैसे हुई।

राजा ने गुस्सा होते हुए अपनी तलवार निकाली और ऋषि की तरफ इशारा करते हुए कहा कि अब मुझे मेरी मृत्यु का समय बताओ। ऋषि समझ चुका था कि राजा अपना दुर्भाग्य सुनकर उसपर क्रोधित हो गया है। राजा की मृत्यु वाली बात सुनते ही वह शांति से कुछ गणना करने लगा। इसके बाद शांत स्वर में कहा, 'मेरी गणना और कौशल के अनुसार, आपकी मृत्यु मेरी मृत्यु के ठीक एक घंटे बाद होगी।' राजा ऋषि की यह बात सुनकर हैरान हो गया। अब उसे अपनी गलती का एहसास होने लगा। उसने तुरंत अपनी तलवार नीचे रखी और ऋषि के साथ किए गए अपने दुर्व्यवहार के लिए उनसे माफी मांगी। बाद में राजा ने ऋषि को ढेर सारा धन दिया और उन्हें वापस कुटिया में आदर व सम्मान के साथ भेज दिया।

वीर गाथा

कैप्टन सज्जन सिंह मलिक: देशवासियों के लिए 'सज्जन' और आतंकवादियों के लिए थे 'काल'

कैप्टन सज्जन सिंह मलिक का जन्म 25 नवंबर, 1979 को राजस्थान में चूरू जिले के किरतन गांव में हुआ था। उनके पिता भारतीय सेना में थे। उन्होंने बेटे का दाखिला राष्ट्रीय सैन्य स्कूल, बेलगाम में करवाया था। सज्जन को सेना में जाने की प्रेरणा वहां से मिली थी। इसके बाद उन्होंने एनडीए की परीक्षा दी, जहां कामयाब हुए और आईएमए, देहरादून भेजे गए। उन्हें 10 पैरा (एसएफ) में नियुक्त किया गया था।

साल 2004 में कैप्टन सज्जन सिंह आतंकवाद विरोधी अभियानों के तहत अपनी यूनिट के साथ जम्मू-कश्मीर में तैनात थे। एक दिन यूनिट को बारामूला जिले की बांदीपुर तहसील के इलाके में कुछ आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिली। उन आतंकवादियों की गतिविधियों, नेटवर्क और षड्यंत्र आदि का पता लगाने और सही समय पर खात्मा करने के लिए कैप्टन सज्जन को बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई थी। उन्होंने 7 जुलाई की रात को गुंडपुरा गांव में आतंकवादियों के खात्मे की योजना बनाई। इससे पहले उन्होंने उनकी गतिविधियों पर कड़ी नज़र रखी थी।

कैप्टन सज्जन ने ऑपरेशन शुरू किया और संदिग्ध इलाके की घेराबंदी कर ली थी। अगले दिन जब आतंकवादी उस गांव से निकलकर बाहर जाने की तैयारी कर रहे थे तो कैप्टन सज्जन ने उन पर गोलीबारी का आदेश दिया। अचानक हुई इस कार्रवाई से आतंकवादियों में भगदड़ मच गई थी।

उसी दौरान दो आतंकवादी संकरी गलियों का फायदा उठाकर भागने की कोशिश करने लगे। कैप्टन सज्जन ने उनका पीछा किया और दोनों को वहीं मार गिराया। हालांकि कैप्टन खुद भी गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उन्हें तीन गोलियां लगी थीं।

इसके बावजूद उन्होंने अपने जवानों का हौसला बढ़ाना जारी रखा। वे उन्हें आदेश देते रहे। कैप्टन ने तीसरे आतंकवादी को उसके बहुत नजदीक जाकर ढेर कर दिया। कुछ समय बाद कैप्टन सज्जन वीरगति को प्राप्त हो गए।

अपने कर्तव्य के लिए समर्पित और बहादुर सैनिक कैप्टन सज्जन सिंह मलिक के बलिदान को हमेशा याद रखा जाएगा। उन्हें 'कीर्ति चक्र' से सम्मानित किया गया।

महत्त्वपूर्ण
Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

प्रदर्शन

नई दिल्ली में शनिवार को जंतर-मंतर पर सभी जानवरों की स्वतंत्रता और पशु अधिकारों की मांग करते हुए विरोध प्रदर्शन किया।

भारत और श्रीलंका के बीच सैन्य अभ्यास 'मित्र शक्ति' संपन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलंबो/भाषा। भारत और श्रीलंका की सेनाओं के बीच वार्षिक द्विपक्षीय अभ्यास 'मित्र शक्ति' का 10वां संस्करण संपन्न हो गया है। इस अभ्यास का उद्देश्य अंतर-संचालन क्षमता और आपसी समझ को बढ़ाना था। भारतीय उच्चायोग ने शनिवार को यह जानकारी दी।

'मित्र शक्ति' का 10वां संस्करण 12 अगस्त को श्रीलंका के मदुरु ओया स्थित सेना प्रशिक्षण स्कूल में शुरू हुआ था।

उच्चायोग ने कहा कि इस अभ्यास का उद्देश्य सशस्त्र बलों के बीच अंतर-संचालन और आपसी समझ को बढ़ाना था तथा पेशेवर सम्मान, व्यक्तिगत संबंध और व्यापक प्रशिक्षण संपर्क के आधार पर घनिष्ठ रक्षा संबंधों को और प्रगाढ़ बनाना था।

एक बयान में कहा गया है कि यह अभ्यास आतंकवाद से निपटने, संयुक्त सामरिक अभियान चलाने और युद्ध कौशल विकसित करने में दक्षता बढ़ाने में मदद करता है।

बयान के अनुसार, यह एक-दूसरे के अनुभवों को साझा करने और अपनाई जा रही सर्वोत्तम प्रथाओं से सीखने के लिए एक आदर्श मंच भी प्रदान करता है।

मिशन ने कहा कि यह अभ्यास इस क्षेत्र में आयोजित किए जा रहे सबसे बड़े द्विपक्षीय अभ्यासों में से एक है।

समारोह

अमृतसर में शनिवार को भगवान कृष्ण और राधा की पोशाक पहने बच्चे एक समारोह में भाग लेते हुए।

बंगाली अभिनेत्री ने फिल्म निर्माता रंजीत पर 'दुर्व्यवहार' का आरोप लगाया

तिरुवनंतपुरम/कोलकाता/भाषा। बंगाली अभिनेत्री श्रीलेखा मित्रा ने प्रख्यात मलयालम फिल्म निर्देशक और सरकारी केरल चलचित्र अकादमी के अध्यक्ष रंजीत के खिलाफ दुर्व्यवहार का आरोप लगाया है, जिससे केरल की पिनाराई विजयन सरकार के लिए नई मुसीबत खड़ी हो गई है। केरल सरकार न्यायमूर्ति हेमा समिति की रिपोर्ट पर कथित निष्क्रियता को लेकर विपक्ष के निशाने पर है। रिपोर्ट में मलयालम सिनेमा उद्योग में महिलाओं के उत्पीड़न और शोषण के मामलों का खुलासा किया गया था, जिसके बाद दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई थी। फिल्म निर्माता ने कथित तौर पर मित्रा के आरोप को खारिज कर दिया है और कहा है कि इस मामले में 'असली पीड़ित' वह हैं।

लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट (एलडीएफ) की प्रमुख घटक दल भाकपा उनमें शामिल है जो बंगाली अभिनेत्री श्रीलेखा मित्रा के आरोपों की जांच की मांग कर रहे हैं। श्रीलेखा मित्रा ने न्यायमूर्ति हेमा समिति के निष्कर्षों से पैदा हुई हलचल की पृष्ठभूमि में वर्षों पुरानी एक घटना को याद किया है। मित्रा ने कोलकाता में 'पीटीआई भाषा' को बताया, संबंधित व्यक्ति (रंजीत) मलयालम फिल्म उद्योग में एक बड़ा नाम है और एक राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानि निर्देशक है। मैं एक आगामी फिल्म परियोजना पर चर्चा करने के लिए उनके निवास पर गयी थी और मुझे उनका व्यवहार पसंद नहीं आया। उन्होंने कुछ बातें चुपके से कीं और जब हम पटकथा पर चर्चा कर रहे थे तो मुझे असहज महसूस हुआ। उन्होंने कहा, मैंने तुरंत ही इस परियोजना का हिस्सा न बनने का अपना निर्णय बता दिया, वहां से चली गई और अगले दिन कोलकाता वापस आ गई। उन्होंने कहा, मुझे नहीं पता कि उन्होंने फिल्म उद्योग में अन्य महिला कलाकारों के साथ भी ऐसा ही व्यवहार किया है या नहीं। अगर उन्होंने भी ऐसी ही स्थिति का सामना किया है तो यह उन पर निर्भर करता है कि वे खुलकर बात करें या नहीं। हो सकता है कि उनकी ताकत और प्रभाव से दूसरे लोग चुप हों।

केरल में कई लोगों ने रंजीत से फिल्म अकादमी के अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने की मांग की। जाने-माने फिल्म निर्माता डॉ. बीजू समेत कई लोग रंजीत के खिलाफ सामने आए।

हिंदू भारत की ओर पलायन नहीं कर रहे, वे संकटग्रस्त बांग्लादेश में रहकर लड़ रहे : हिमंत

सिलचर (असम)/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को दावा किया कि पड़ोसी बांग्लादेश में व्याप्त अस्थिरता के बावजूद वहां के हिंदुओं ने भारत में प्रवेश करने की कोशिश नहीं की है।

शर्मा ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, हिंदू बांग्लादेश में रह रहे हैं और लड़ रहे हैं। पिछले एक महीने में, एक भी हिंदू को भारत में प्रवेश करने की कोशिश करते नहीं पकड़ा गया है।'' उन्होंने यह भी कहा कि पड़ोसी देश के मुसलमान भारत के कपड़ा क्षेत्र में रोजगार तलाशने के लिए घुसपैठ करने का प्रयास कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने दावा किया, ''पिछले एक महीने में 35 मुस्लिम घुसपैठियों को गिरफ्तार किया गया है... वे प्रवेश करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन जो लोग आ रहे हैं वे असम के लिए नहीं, बल्कि कपड़ा उद्योग में काम करने के लिए बेंगलूरु, तमिलनाडु, कोयंबटूर जाने के लिए आ रहे हैं।'' उन्होंने कहा, हमने उन्हें रोका और वापस खदेड़ दिया। सौभाग्य से या दुर्भाग्य से, वे एक ही समुदाय के हैं।

शर्मा ने कहा कि त्रिपुरा के रास्ते घुसने की कोशिश कर रहे घुसपैठिए असम के करीमगंज से ट्रेन से यात्रा करते हैं और दक्षिण भारतीय शहरों में पहुंच जाते हैं। उन्होंने कहा कि असम और त्रिपुरा के पुलिस बल और बीएसएफ अवैध रूप से भारत में घुसने की कोशिश करने वालों को पकड़ रहे हैं।

शर्मा ने कहा कि अगर हिंदू आना चाहते तो वे विभाजन के समय ही आ जाते। मुख्यमंत्री ने कहा, वे बांग्लादेश को अपनी मातृभूमि मानते हैं, इसलिए वे नहीं आए। हमें उनका सम्मान करना चाहिए।

शर्मा ने कहा, हमने अपने प्रधानमंत्री से बांग्लादेश सरकार पर हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए दबाव डालने का अनुरोध किया है।

शर्मा ने शनिवार को बराक घाटी के तीन जिलों की अपनी तीन दिवसीय यात्रा पूरी की। इस दौरान सड़क और स्वास्थ्य सेवा के बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने समेत विभिन्न मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया।

शर्मा ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, मैंने प्रमुख हितधारकों के साथ एक व्यापक समीक्षा बैठक करके बराक घाटी की अपनी तीन दिवसीय यात्रा पूरी की। उन्होंने यात्रा की कुछ प्रमुख बातें साझा करते हुए कहा कि मुख्य ध्यान सड़क बुनियादी ढांचे पर है।

मनीषा कोइराला ने खोला अपनी 'खुशी का राज'

मुंबई/एजेन्सी

हिन्दी फिल्मों की दिग्गज अभिनेत्री मनीषा कोइराला ने अपने दोस्त के साथ फोटो शेयर कर खुशी का राज बताया। मनीषा ने अपने इंस्टाग्राम एकाउंट से शनिवार को एक फोटो शेयर की। मनीषा की इस फोटो पर 1 हजार से ज्यादा लाइक्स और यूजरों के द्वारा सुंदर-सुंदर कमेंट्स आए हैं। मनीषा ने फोटो का कैप्शन दिया कि बुरी याददाश्त और अच्छा सेंस ऑफ ह्यूमर खुश होने की वजह है। फोटो में मनीषा कोइराला कैमरे की तरफ नहीं देख रही हैं। वहीं, उनकी दोस्त हंसते हुए पोज दे रही हैं। मनीषा ने अपने इंस्टाग्राम एकाउंट स्टोरीज में कई वीडियो और फोटोज शेयर किए। एक वीडियो में वह पूल में दिखाई दे रही हैं, वहीं, दूसरे वीडियो में अपने दोस्तों संग जन्मदिन का जश्न मना रही हैं। मनीषा को एक जगह से दूसरी जगह की यात्रा करना बेहद पसंद हैं। उन्होंने इस बारे में अपनी इंस्टग्राम स्टोरीज पर फोटो शेयर कर बताया था कि यात्रा उनके लिए बहुत मायने रखती है। अभिनेत्री ने कहा कि यात्रा करना मेरे लिए बहुत मायने रखता है। हर यात्रा, चाहे कितनी भी दूर या पास हो, मुझे चीजों को देखने और दुनिया से और भी अधिक प्यार करने का मौका देती है। जब मैं यात्रा करती हूं, तो मैं नई जगहों को खोजने, अलग-अलग पृष्ठभूमि के लोगों से मिलने और ऐसी यादें बनाने के लिए उत्साहित होती हूं जिन्हें मैं कभी नहीं भूलूंगी। मनीषा ओटीटी सीरीज़ 'हीरामंडी: द डायमंड बाज़ार' में अहम भूमिका में थी। जिसमें उन्होंने एक वेश्यालय की मालकिन, मल्लिकाजान की भूमिका निभाई थी। 'हीरामंडी: द डायमंड बाज़ार' का दूसरा सीज़न जल्द ही नेटफ्लिक्स पर रिलीज किया जाएगा।

हिना खान की मां ने अपने जन्मदिन पर कैंसर से जूझ रही बेटी के लिए मांगी दुआ

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री हिना खान ने अपनी मां का जन्मदिन मनाया और इस दौरान मां ने अपनी बेटी के लिए एक भावुक और उम्मीद भरी कामना की। हिना ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें उनकी मां केक की मोमबत्ती बुझाने से पहले हिना के स्वास्थ्य की कामना करती नजर आ रही हैं। मेरी एकमात्र इच्छा है कि अगली बार इस समय तक हिना पूरी तरह से ठीक हो जाए और फिर हम जश्न मनाएंगे। यह मेरी दिल की इच्छा है, उनकी मां ने इस शुभकामनाओं के साथ केक की मोमबत्ती बुझा दी। अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा, आपके अच्छे स्वास्थ्य, खुशी और लंबी आयु की कामना करती हूं। आमीन.. दुआ। हिना वर्तमान में स्टेज 3 ब्रेस्ट कैंसर का इलाज करा रही हैं। महीनों के बाद वह शॉपिंग करने के लिए बाहर निकली। हिना को मैकरून खाते हुए, हॉट चॉकलेट पीते हुए और कुछ लग्जरी लेबल के साथ रिटेल थेरेपी करते हुए देखा गया। वह ब्लू डेनिम के साथ नियॉन ग्रीन फुल स्लीव टी-शर्ट पहने हुए दिखाई दीं और अपने लुक को एक विग के साथ पूरा किया, जिसे उन्होंने खुद के बालों से बनवाया था।

उन्होंने कैप्शन में लिखा, एक अच्छी तरह से लायक ट्रीट का आनंद लेते हुए... कुछ महीनों के बाद शॉपिंग और हॉट चॉकलेट के लिए बाहर निकली। बस मैं खुद को लाड़-प्यार कर रही हूं। उन्होंने एक वीडियो भी पोस्ट किया, जिसमें वह

काली टोपी से बंधे अपने कटे हुए बालों को दिखाती नजर आई।

उन्होंने कैप्शन में लिखा, जिस क्षण मुझे पता चला कि मेरे बाल झड़ जाएंगे, मैंने अपनी शर्तों पर इसे काटने का फैसला किया। फिर मैंने अपने खुद के बालों की एक विग बनाने का फैसला किया, जो मुझे इस चुनौतीपूर्ण समय के दौरान आराम देगा। मैं अपनी सभी बहादुर महिलाओं को एक विशेष संदेश देना चाहती हूं जो समान संघर्षों से गुजर रही हैं। यदि आप मेरे निर्णय से सहमत हैं तो मेरा सुझाव है कि आप भी ऐसा ही करें। इससे कम से कम एक चीज बहुत आसान हो जाएगी और आप बेहतर महसूस करेंगी। आपको घर जैसा महसूस होगा। अपने खोए हुए बालों को पहनकर हिना को घर जैसा महसूस होता है। उन्होंने बताया: यह सिर्फ एक चरण है, मुझे पता था कि मुझे इससे गुजरना होगा और मैंने पहले से ही अपने लिए इसे सामान्य करने का फैसला किया। अब जब मैं इसका इस्तेमाल कर रही हूं, तो मुझे लगा कि यह आप सभी के साथ साझा करने के लिए एक अच्छी कहानी होगी। क्योंकि आप लोग मेरे लिए एक सपने की तरह रहे हैं।

फिल्म 'सूर्यवंशम' 30 को होगी रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

भोजपुरी सिनेमा के पावर स्टार पवन सिंह की फिल्म सूर्यवंशम, 30 अगस्त को पूरे भारत में रिलीज होगी। यशी फिल्म्स (अभय सिन्हा) और रेणु विजय फिल्म्स एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनी फिल्म सूर्यवंशम का निर्माण निशांत उज्ज्वल ने किया है। फिल्म सूर्यवंशम की रिलीज़ की घोषणा करते हुए निर्माता निशांत उज्ज्वल ने दर्शकों से अपील की है कि वे इस फिल्म को अपने परिवार के साथ सिनेमाघरों में जाकर देखें। उन्होंने कहा कि सिनेमाहॉल में फिल्म देखने का जो अनुभव मिलेगा, वह टीवी या यूट्यूब पर नहीं मिल सकता है।फिल्म सूर्यवशम का ट्रेलर पहले ही वायरल हो चुका है और अब दर्शकों के इंतजार की घडी ख़त्म होने वाली है। फिल्म सूर्यवंशम दर्शकों को एक रोमांचक और भावनात्मक सफर पर ले जाएगी। इस फिल्म के जरिए पवन सिंह एक बार फिर से अपने फैन्स को मंत्रमुग्ध करने के लिए तैयार हैं।

पवन सिंह ने कहा कि सूर्यवंशम बेहद खूबसूरत फिल्म है। सूर्यवंशम हाल के दिनों में रिलीज हुई मेरी बेहतरीन फिल्मों में से यह एक है। फिल्म के निर्देशक रजनीश मिश्रा और छोटे भाई समान निर्माता निशांत उज्ज्वल ने एक खूबसूरत फिल्म बनाई है।

इस फिल्म में दर्शकों के मनोरंजन का पूरा ख्याल रखा गया है। फिल्म सूर्यवंशम का निर्देशन और लेखन रजनीश मिश्रा ने किया है। फिल्म सूर्यवंशम में पवन सिंह के साथ आस्था सिंह, शालू सिंह, चांदनी सिंह, गोपाल जी, माया यादव, अनूप अरोरा, राम सुजान सिंह, जोया खान, धामा वर्मा जैसे प्रमुख कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म के सह निर्माता डॉ. संदीप उज्ज्वल और सुशांत उज्ज्वल हैं, जबकि डीओपी (डायरेक्टर ऑफ फोटोग्राफी) की भूमिका देवेंद्र तिवारी ने निभाई है और एडिटर कोमल वर्मा हैं।

फिल्म का संगीत रजनीश मिश्रा, एसबीआर द्वारा तैयार किया गया है, और गीतकारों में प्यारेलाल यादव, रजनीश मिश्रा, विजय चौहान, रौशन सिंह विश्वास, और प्रफुल्ल तिवारी का नाम शामिल है। फिल्म के फाइट सीक्रेंस दिलीप यादव द्वारा डिजाइन किए गए हैं, जबकि कोरियोग्राफी कानू मुखर्जी, रिकी गुप्ता, और रवि पंडित ने की है।

कला निर्देशन नजीर शेख ने किया है, और कार्यकारी निर्माता हसन शेख और रमेश चौरसिया हैं। फिल्म के मार्केटिंग हेड विजय यादव हैं।

फिल्म 'कहां शुरू कहां खतम' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

ध्वनि भानुशाली और आशिम गुलाटी स्टारर फिल्म कहां शुरू कहां ख़तम का ट्रेलर रिलीज हो गया है। ध्वनि भानुशाली की बॉलीवुड डेब्यू फिल्म 'कहां शुरू कहां खतम' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। इसमें उनके साथ आशिम गुलाटी नजर आएंगे। लक्ष्मण उतेकर द्वारा निर्मित और सौरभ दासगुप्ता द्वारा निर्देशित यह फिल्म रोमांटिक कॉमेडी का एक नया रूप पेश करने के लिए तैयार है।ट्रेलर में ध्वनि भानुशाली को सिल्वर स्क्रीन पर एक नए चेहरे के रूप में पेश किया गया है, जो अपने चार्म और एनर्जी से लोगों का दिल जीत रही हैं।

फिल्म कहां शुरू कहां ख़तम में सुप्रिया पिलगांवकर, राकेश बेदी, सोनाली सचदेव, राजेश शर्मा, अखिलेन्द्र मिश्रा, चितरंजन त्रिपाठी, विक्रम कोचर, हिमांशु कोहली और विकास वर्मा की भी अहम भूमिका है। यह फिल्म 20 सितंबर 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। भानुशाली स्टूडियोज लिमिटेड और कठपुतली क्रिएशन्स प्रोडक्शन की यह फिल्म विनोद भानुशाली, लक्ष्मण उतेकर, करिश्मा शर्मा और कमलेश भानुशाली द्वारा निर्मित है।

'हाउसफुल 5' में अक्षय कुमार के साथ नजर आएंगी जैकलीन फर्नांडिस

मुंबई/एजेन्सी

हिंदी सिनेमा की सबसे बहुप्रतीक्षित फ्रेंचाइज़, हाउसफुल 5, लम्बे समय से चर्चाओं में हैं। अब यह फिल्म फ्लोर पर जाने के लिए तैयार है। बताया जा रहा है कि आगामी माह से यह फिल्म शूटिंग शुरू कर रही है। निर्माता साजिद नाडियाडवाला की इस फिल्म में अक्षय कुमार के साथ फरदीन खान, रितेश देशमुख और संजय दत्त मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। 300 करोड़ के भारी भरकम बजट में बनने वाली यह अब तक की सबसे महंगी हाउसफुल फिल्म है और निर्माता कास्टिंग के साथ इस

फ्रेंचाइज़ को और भी बड़ा बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। फिल्म का नेतृत्व करने के लिए शीर्ष ए लिस्ट अभिनेताओं को चुनने के बाद, साजिद नाडियाडवाला ने जैकलीन फर्नांडीज को हाउसफुल 5 की मुख्य महिला कलाकारों में से एक के रूप में चुना है। प्राप्त समाचारों के अनुसार जैकलीन को हाउसफुल 5 में अक्षय कुमार के साथ जोड़ा गया है। बताया जा रहा है कि, जैकलीन हाउसफुल फ्रेंचाइज़ में वापसी को लेकर उत्साहित हैं। उन्हें कॉमिक स्पेस पसंद है और वह साजिद नाडियाडवाला और हाउसफुल फ्रेंचाइज़ के साथ अपना जुड़ाव जारी रखने को लेकर उत्साहित हैं। सूत्र ने आगे बताया कि साजिद फिल्म में शामिल होने के लिए तीन अन्य शीर्ष अभिनेत्रियों से बातचीत कर रहे हैं और जल्द ही आधिकारिक घोषणा की जाएगी।

ट्रेजडी क्वीन मीना कुमारी का किरदार निभाना चाहती हैं 'मिर्जापुर' की 'बीना त्रिपाठी'

मुंबई/एजेन्सी

'मिर्जापुर' वेब सीरीज में बीना त्रिपाठी के किरदार में नजर आईं रसिका दुग्गल ने मीना कुमारी की भूमिका निभाने की इच्छा जताई है। एक्ट्रेस रसिका दुग्गल ने कहा कि वह दिवंगत स्टार मीना कुमारी की जिंदगी को बड़े पर्दे पर निभाना चाहती हैं। रसिका ने आईएएनएस से खास बातचीत में कहा, मैंने बायोपिक में मुख्य भूमिका निभाई है, क्योंकि ऐसा किरदार निभाना एक दिलचस्प है। आप किसी ऐसे व्यक्ति के किरदार को कैसे निभा सकते हैं, जिसके बारे में हर कोई पहले से ही बहुत कुछ जानता हो और जिनकी एक अलग पहचान भी हो। उन्होंने कहा कि मीना कुमारी के अलावा अमृता प्रीतम के किरदार को निभाने में भी उन्हें रुचि है। लंबे समय से इच्छा रही है। एक्ट्रेस ने कहा, मुझे उम्मीद है कि कोई मुझे कास्ट करेगा। लेकिन, अगर मीना कुमारी के किरदार में कोई अभिनेत्री होती तो मुझे लगता है कि वह मैं होती। अभिनेत्री को हाल ही में मेलबर्न के भारतीय फिल्म महोत्सव

के 15वें संस्करण में पुरस्कृत किया गया। रसिका दुग्गल ने पुरस्कार के बारे में बात करते हुए कहा, एक एक्टर के रूप में हमें अपने करियर के दौरान कुछ मुश्किल विकल्पों को चुनना पड़ता है। कोई भी व्यक्ति हमेशा अपने विकल्पों पर दोबारा विचार करता है, क्योंकि इसका कोई पैमाना नहीं होता है। हर एक एक्टर का सफर इतना अनूठा होता है कि इसमें कोई बेंचमार्क नहीं होता है। इसलिए आप हमेशा सोचते रहते हैं कि आपने सही विकल्प चुना है या नहीं। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि डाइवर्सिटी चैंपियन जैसे पुरस्कार मेरे करियर में अब तक किए गए काम का सम्मानित करते हैं। यह बहुत अच्छा है और इस तरह का सम्मान मिलना आपका हौसला बढ़ाता है। उन्होंने बॉक्स ऑफिस कलेक्शन और पुरस्कार की अहमियत पर कहा, इन दोनों में से कोई भी चीज मेरे नियंत्रण में नहीं है। मैं केवल किसी काम के बारे में चिंता कर सकती हूं, जिस पर मेरा नियंत्रण है। कैसे बॉक्स ऑफिस पर काम हो रहा है या फिर उसे कितना देखा जा रहा है। जो भी मेरे नियंत्रण से बाहर है, मैं उसके बारे में कुछ नहीं कर सकती। इससे अच्छा है कि मैं एक एक्टर के तौर पर खुद को साबित करूं। एक्ट्रेस रसिका दुग्गल ने कहा कि निश्चित तौर पर वो ज्यादा देखे जाने वाले प्रोजेक्टस को महत्व देती हैं। उनके मुताबिक, इसमें अधिक ऑप्शन मिलते हैं। जिससे उन्हें मनमाफिक प्रोजेक्ट करने में मदद मिलती है।

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

थोड़ी-सी भिन्नता के कारण व्यक्ति के मन में विचार बदलते हैं। अलग-अलग ज्ञान, दर्शन देखते हैं तो मन ऊपर-नीचे हो जाता है। व्यक्ति सत्य से विमुख हो जाता है। सत्य यानी जो शाश्वत, स्थायी हो, हमेशा आपके साथ चलता रहे। ऐसे सत्य का दर्शन कराने वाले, उसे जोड़कर रखने वाले परमात्मा का दर्शन है। वहां भी हमारा मिथ्यात्व शुरू हो जाता है। मिथ्यात्व मोहनीय कर्म का उपशम भी होता है। उपशम यानी हमारे कर्मों को दबा देना। जैसे पानी में फिटकरी डालने से उसमें रही हुई गंदगी नीचे जमा हो जाती है और पानी शुद्ध हो जाता है।

कृष्ण जन्मोत्सव — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तिरुपुर में दादी परिवार द्वारा कृष्ण जन्माष्टमी का जन्मोत्सव रायपुरम् के गणेश मन्दिर में मनाया गया। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। अपने अपने घरों से महिलाएं लड्डू गोपालजी को लेकर आई और राधाकृष्ण की झांकी सजाई गई। प्रभु को छप्पन भोग लगाया गया। महिलाओं ने मीठे मीठे भजनों से प्रभु को रिझाया। इस मौके पर दादी परिवार कि अध्यक्ष शीला शाह एवं दादी परिवार कि पदाधिकारी सरोज पत्ती, अर्पिता पित्ती, मंजु पारस, चंदा डिडवानिया, सरिता तुलस्यान, सुमन गुप्ता उपस्थित रही।

तप में आत्मा के कर्मों को धोने का सामर्थ्य है : युवाचार्य महेंद्र ऋषि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। एएमकेएम जैन मेमोरियल सेंटर में चातुर्मासार्थ विराजित श्रमण संघीय युवाचार्य महेंद्र ऋषिजी ने शनिवार को धर्मसभा में तप के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जिस प्रकार मक्खन से घी बनाने के लिए बर्तन को तपना पड़ता है, उसी तरह आत्मा की विशुद्धि, कर्मनिर्जरा के लिए शरीर को तपाना पड़ता है। उन्होंने तपस्यार्थियों की अनुमोदना करते हुए कहा कि तप मोक्ष का शॉर्टकट है। जब पुण्यवानी उदय में आती है, तब ही तप करने के भाव जगते हैं। तप में आत्मा के कर्मों को धोने का सामर्थ्य है। महासती दिव्ययशाश्री जी ने कहा कि व्यक्ति शब्दों के मायाजाल में बहुत से झूठ बोलता है। हम संकल्प लें कि जीवन में हमेशा सत्य के मार्ग पर चलें।

इस दौरान डीआरडीओ के पूर्व वैज्ञानिक डॉ. एमबी मोदी ने विज्ञान की कसौटी पर जैन धर्म पर अपने संबोधन में कहा कि जैन धर्म की दृष्टि में इसके दो प्रमुख भाग है दर्शन और धर्माचरण। लेकिन जैन धर्म जिन सिद्धांतों पर आधारित है, उसकी चर्चा ही नहीं होती। जैन धर्म में अहिंसा, अचौर्य आदि सिद्धांतों को मुख्य कहा गया है। ये हमारे जीवन के आचरण है। यदि मोक्ष का मार्ग प्रशस्त करना है तो दर्शन महत्वपूर्ण है। दर्शन दो भागों में बंटा है वास्तविक संरचना और व्यवहार में दर्शन देखना। यह द्रव्य, क्षेत्र, काल, भाव के अनुसार बदलता है। उन्होंने कहा शास्वत में परिवर्तन नहीं होता है, अशास्वत में परिवर्तन होता है। हमारा स्वभाव, धर्म समय के अनुसार बदलते हैं। यह जरूरी भी है। यदि नहीं बदलेंगे तो हम दरकिनार हो जाएंगे। हम तो ज्ञान में धनवान है और हमें राजा–महाराजा की श्रेणी में आना चाहिए लेकिन हमने अपने आपको प्रजा की श्रेणी में ला खड़ा किया। उन्होंने कहा धर्म की विशेषता यह है कि यहां कुछ आस्तिक, तो कुछ नास्तिक कहलाते हैं परन्तु विश्व में जैन एक मात्र धर्म है, जिसको संपूर्ण ग्लोबल धर्म की मान्यता मिल सकती है, यदि हम इसे सही ढंग से प्रस्तुत करें।

डॉ. मोदी ने कहा द्रव्य की चर्चा में भ्रम को दूर करने की आवश्यकता है। द्रव्य पांच है या छः, इस भ्रम में हम फंस जाते हैं। यह भ्रम हमारे समाज में है, आगमों में नहीं। हमने पांच द्रव्य को छः बना दिया। जैसे मकान बनाने के लिए स्थान, मेटेरियल, ट्रांसपोर्ट की आवश्यकता है, महावीर कहते हैं लोक भी इन तीन चीजों से ही बना है। द्रव्यों का गुण है परिवर्तन। द्रव्य से मूर्त पदार्थ कैसे बनते हैं, यह आगमों में आता है परन्तु प्रवचनों में, पुस्तकों में नहीं बताई जाती है। उन्होंने कहा जैन दर्शन वैज्ञानिक नहीं है, जैन दर्शन स्वयं विज्ञान है। पश्चिमी बुद्धजीवी भी कहते हैं जैन दर्शन में विज्ञान की झलक है। उन्होंने कहा जैन दर्शन के जो 25 सिद्धांत है, वे मूल सिद्धांत विज्ञान के हैं। समान सिद्धांतों में पहला सिद्धांत, जो अस्तित्व है, वह सत्य है। दूसरा, द्रव्य ही सत्य है। वैज्ञानिक कहते हैं एनर्जी ही द्रव्य है। यह द्रव्य सारा का सारा विज्ञान बन जाता है। तीसरा, भगवान कहते हैं द्रव्य में परिवर्तन होता है। विज्ञान में एनर्जी में परिवर्तन मानते हैं। चौथा, भगवान कहते हैं द्रव्य अस्तिकाय है। 1925 तक वैज्ञानिक नहीं जानते थे कि एनर्जी क्वांटम है। हमारे आगम पहले से यह कह रहे हैं। हमें मुख्यतः 6 द्रव्य और 9 तत्वों का वास्तविक अर्थ जानने, समझने की जरूरत है। हम जैन दर्शन का प्रचार–प्रसार करें। इससे पूर्व नेमीचंद सिंघवी ने डॉ. एमबी मोदी का परिचय दिया। इस दौरान वरिष्ठ श्राविका विमलाबाई सिंघवी, सुश्री कशिष मरलेचा, झलक मुणोत समेत कई तपस्यार्थियों ने तप के प्रत्याख्यान ग्रहण किये।

कृष्ण जन्माष्टमी — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई के अन्नानगर स्थित जेजीवी विद्यालय में छोटे बच्चों द्वारा बड़े उत्साह के साथ कृष्ण जन्मोत्सव मनाया। भगवान की पूजा की गई और प्रसाद वितरित किया गया। विद्यार्थी राधा–कृष्ण की वेशभूषा में आए और उन्होंने कृष्ण के जीवन के दृश्यों का मंचन किया तथा श्री कृष्ण पर आधारित गीत गाए। विद्यार्थियों ने भगवत गीता का पाठ किया।

मेडिकल कैम्प एवं अन्नदानम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। जरूरतमंदों के लिए निःशुल्क आंखों की जांच एवं लोगों की निःशुल्क बीपी व शुगर जाँच के लिए मेडिकल कैम्प का आयोजन टी. नगर पॉण्डी बाजार स्थित राजस्थानी जैन समाज के डॉ. सी एल मेहता हॉल में 24 अगस्त को उत्कृष्ट संथारा साधक, बारह व्रतधारी सुश्रावक स्व. मदनलाल गोठी की द्वितीय पुण्यतिथि प्रसंग पर महावीर इंटरनेशनल चेन्नई मेट्रो के संयोजन में आयोजित किया गया। कैम्प में पंजीकृत सभी लोगों के नेत्र रोगों की निःशुल्क जांच की गई एवं साथ ही शुगर एवं उच्च रक्तचाप की जांच भी की गई। इसमें डॉ. अग्रवाल आई अस्पताल के डॉक्टरों एवं अन्य सहयोगी चिकित्सकों ने निःशुल्क सेवाएं प्रदान की। इस प्रसंग पर राजस्थानी जैन समाज के बाहर एवं टी.नगर स्थित चारू वृद्धाश्रम में अन्नदानम भी किया गया।

मेडिकल कैम्प व अन्नदानम गौतमचन्द डॉ. उत्तमचन्द अनिलकुमार दीपककुमार विशाल गोठी परिवार टी. नगर के सहयोग से आयोजित किया गया।

इस मेडिकल कैम्प आयोजन में महावीर इंटरनेशनल के चेयरमैन ज्ञानचंद कोठारी एवं उनकी टीम के साथ दिलीप जैन का सराहनीय सहयोग रहा। जिन जिन रोगियों के नेत्र की जाँच हुई है उन्हें निःशुल्क चश्मा, व मोतियाबिंद का इलाज किया जायेगा।

वैष्णव बाजार 2024 में उमड़ा जन सैलाब

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। द्वारका दास गोवर्धन दास वैष्णव कॉलेज में दो दिनों तक चलने वाला मेला वैष्णव बाज़ार का आयोजन का समापन 24 अगस्त को हुआ। सुबह 9 बजे से शुरू होकर शाम तक चलने वाले इस बाजार में कॉलेज के छात्र–छात्राओं के द्वारा खाने–पीने और खेलों से लेकर, एक्सेसरीज और ढेरों स्टॉल के साथ और भी बहुत कुछ मौजूद था। दो दिनों तक चलने वाले इस मेले का उदघाटन प्रसिद्ध तमिल अभिनेता थम्बी रामैया और नकुल ने किया। उसके बाद भी दो दिनों तक अनेक सितारों की लाइन लगी रही। लगभग चालीस हज़ार से अधिक लोगों ने दो दिनों तक चले इस मेले में शिरकत की। कॉलेज के छात्रों में उद्यमिता की भावना के मौलिक विचार के साथ वैष्णव बाजार में कुल 200 स्टाल लगे जिसमें 40 फूड स्टॉल भी थे। जहां छात्रों ने अपनी रचनात्मकता को व्यावसायिक उद्यम के रूप में प्रस्तुत किया।

इस बाज़ार के मार्गदर्शक कॉलेज के सचिव डॉ अशोक कुमार मूँधड़ा का यह मानना है कि कॉलेज के छात्रों में कॉलेज परिसर से ही व्यापार को सीखने की कला को हमें प्रायोगिक रूप से विकसित करना होगा। हमने एक छोटे प्रयास से शुरू किया बाजार आज एक व्यापक रूप ले चुका है। यही छात्र जब अपना नया व्यापार शुरू करेंगे उस समय उनको ये अनुभव बहुत काम आएगा। वे कॉलेज से ही छात्रों में व्यापारिक अनुशासन लाना चाहते हैं। कोरोना के बाद नौकरी और व्यापार दोनों में परिस्थितियाँ बहुत बदल गई हैं इसलिए आज की यह पीढ़ी सिर्फ क्लास रूम की पढ़ाई पर ही निर्भर होकर कुछ नहीं कर सकती इसलिए इन्हें जीवन में सफल बनाने के लिए हमें नए नए तरीके विकसित करने होंगे।

कॉलेज के ईडी सेल, उद्यमिता द्वारा आयोजित डी जी वैष्णव कॉलेज का यह प्रमुख कार्यक्रम रहा। उद्यमिता प्रकोष्ठ और वैष्णव बाजार की संयोजक प्रोफेसर गायत्री ने बताया कि वैष्णव बाजार के पांचवें संस्करण को इतनी सफलता मिलेगी इसकी कल्पना हमने भी नहीं की थी। जिस तरह चेन्नई महानगर के सभी कॉलेज के विद्यार्थियों नें और युवाओं के साथ साथ बड़ों ने भी इसमें बढ़–चढ़कर भाग लिया वह देखने लायक था।

कॉलेज के प्राचार्य डॉ एस संतोष बाबू ने बाजार की सफलता का श्रेय सभी स्टाफ के साथ साथ उद्यमिता प्रकोष्ठ को दिया। जिनकी महीनों की मेहनत रंग लाई। उन्होंने कहा कि कॉलेज के स्टाफ ने एनसीसी, राष्ट्रीय सेवा योजना और क्रिमिनोलोजी विभाग के छात्र–छात्राओं के साथ मिलकर बहुत ही शानदार तरीके से दोनों दिन भीड़ को नियंत्रण में रखते हुए काम किया। उनके अनुसार दूसरे दिन शनिवार होने की वजह से 20 हजार से अधिक लोग वैष्णव बाज़ार को देखने आए और बिना किसी समस्या के बाजार का लुत्फ उठाया। दोनों दिनों में सभी स्टॉल लगाने वाले छात्रों ने भी खूब कमाई की। छात्रों ने अपने अनुभव को बताया और कहा कि इस साल सभी स्टॉल पर अच्छी कमाई हुई है और हमने एक नया रोमांच यहाँ पर देखा है। समापन समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में तमिल फ़िल्मों के अभिनेता और निर्देशक अमीर और फूड किंग के सीईओ शरत बाबु थे।

आयुष प्रवेश केंद्रीय परामर्श समिति(एएसीसीसी)
आयुष मंत्रालय, भारत सरकार
एएसीसीसी-यूजी/पीजी काउंसलिंग 2024
सूचना

AACCC — Ministry of Ayush, Government of India

यूजी (बीएएमएस/बीएसएमएस/बीयूएमएस/बीएचएमएस/बी.फार्मा-आईटीआरए) पाठ्यक्रमों के अंतर्गत अखिल भारतीय कोटा (एआईओ) सीटें और ए.वाई. 2024-25 के लिए आयुर्वेद, सिद्ध, यूनानी और होम्योपैथी (एएसयू एंड एच) के पीजी (एमडी/एमएस) पाठ्यक्रम

- सभी पात्र उम्मीदवार जिन्होंने एनईईटी (यूजी)–2024 और एआईएपीजीईटी–2024 परीक्षा उत्तीर्ण की है और स्नातक (बीएएमएस/बीएसएमएस/बीयूएमएस/बीएचएमएस/बी.फार्मा–आईटीआरए) पाठ्यक्रमों और स्नातकोत्तर (एमडी/एमएस) पाठ्यक्रमों में प्रवेश के इच्छुक हैं, उन्हें इसके द्वारा सूचित किया जाता है कि एएसयूएंडएच–यूजी/पीजी पाठ्यक्रमों की एआईक्यू–यूजी/पीजी सीटों के आवंटन के लिए एएसीसीसी यूजी/पीजी काउंसलिंग 2024, यूजी के लिए 28 अगस्त, 2024 से और पीजी के लिए सितंबर 2024 के पहले सप्ताह से निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आयोजित की जाएगी, जिसे एएसीसीसी वेबसाइट (https://aaccc.gov.in) पर अपलोड किया जाएगा।
- आयुष मंत्रालय का एएसीसीसी सरकारी/सरकारी सहायता प्राप्त कॉलेज/संस्थान, राष्ट्रीय संस्थान, केंद्रीय विश्वविद्यालयों और डीम्ड विश्वविद्यालयों (केंद्रीय अधिनियम के तहत स्थापित) के तहत एएसयू एंड एच–यूजी/पीजी पाठ्यक्रमों की एआईक्यू सीटों पर प्रवेश के लिए काउंसलिंग आयोजित करेगा।
- आयुर्वेद, सिद्ध, यूनानी और होम्योपैथी के निजी संस्थानों में यूजी और पीजी पाठ्यक्रमों की एआईक्यू सीटों पर प्रवेश के लिए काउंसलिंग राज्य/केंद्र शासित प्रदेश सरकार के संबंधित परामर्श प्राधिकरण द्वारा आयोजित की जाएगी।
- एशसीसीसी यूजी/पीजी काउंसलिंग 2024 में भाग लेने के लिए, उम्मीदवारों को एएसीसीसी की आधिकारिक वेबसाइट (https://aaccc.gov.in) पर खुद को पंजीकृत कराना आवश्यक है।
- कृपया ध्यान दें कि 'गैर–वापसीयोग्य पंजीकरण शुल्क' और 'वापसीयोग्य सुरक्षा जमा' का भुगतान अभ्यर्थियों को पंजीकरण के समय पोर्टल पर उनकी श्रेणी और काउंसलिंग के चयन के अनुसार करना होगा।
- सरकारी/सरकारी सहायता प्राप्त संस्थानों/कॉलेजों, राष्ट्रीय संस्थानों, केंद्रीय विश्वविद्यालयों, एएसीसीसी के तहत एएसयू एंड एच स्ट्रीम के तहत एआईक्यू–यूजी और पीजी सीटों के आवंटन के लिए आयुष मंत्रालय ऑनलाइन मोड के माध्यम से काउंसलिंग के चार राउंड आयोजित करेगा: यानी राउंड 1, राउंड 2, राउंड 3 और स्ट्रे वैकेंसी राउंड (चरण I और चरण II आवंटन)

राउंड	शर्तें *
i	निःशुल्क निकासी
ii	राउंड–3 के शुरू होने से 03 दिन पहले तक ज़ब्ती के साथ बाहर निकासी। यदि राउंड–3 के परिणाम तक इस अवधि से परे वापस ले लिया जाता है, तो एएसीसीसी काउंसलिंग के लिए अयोग्य हो जाएंगे।
iii	राउंड–3 परिणाम प्रकाशन के बाद, उम्मीदवार को आवंटित/अपग्रेडेड सीट पर शामिल होना होगा, अन्यथा काउंसलिंग शुल्क जब्त कर लिया जाएगा और वह आगे एएसीसीसी/राज्य/यूटी काउंसलिंग के लिए अयोग्य हो जाएगा।
स्ट्रे वैकेंसी राउंड (एसवीआर)	चरण-i:- एसवीआर–i के दौरान नए पंजीकरण और विकल्प भरने की सुविधा उपलब्ध है। एसवीआर–i परिणाम प्रकाशन के बाद, उम्मीदवार को आवंटित सीट को जॉइन करना होगा, अन्यथा काउंसलिंग शुल्क जब्त कर लिया जाएगा और वह आगे एएसीसीसी/राज्य/यूटी काउंसलिंग के लिए अयोग्य हो जाएगा। चरण-ii:- एसवीआर–ii में कोई पंजीकरण और विकल्प पूर्ति नहीं। एसवीआर–ळ में उम्मीदवारों द्वारा लॉक किए गए विकल्पों का प्रयोग योग्यता के अनुसार किया जाएगा और एसवीआर–i की गैर–रिपोर्ट की गईं सीटों पर चरण–ii आवंटन के लिए वरीयता होगी।एसवीआर–ii परिणाम प्रकाशन के बाद, उम्मीदवार को आवंटित सीट को जॉइन करना होगा, अन्यथा काउंसलिंग शुल्क जब्त कर लिया जाएगा और वह आगे एएसीसीसी/राज्य/यूटी काउंसलिंग के लिए अयोग्य हो जाएगा।
एसवीआर-डीम्ड विश्वविद्यालय (एसवीआर-डीयू)	डीम्ड विश्वविद्यालयों के एसवीआर में भाग लेने के इच्छुक गैर–पंजीकृत अभ्यर्थियों को एसवीआर–i के दौरान स्वयं को पंजीकृत कराना होगा।

* यह ए.वाई. 2024–25 के लिए संशोधित काउंसलिंग योजना की केवल एक बुनियादी रूपरेखा है। अधिक जानकारी के लिए, उम्मीदवारों को एएसीसीसी–यूजी/पीजी सूचना बुलेटिन और एफएक्यूज़ 2024 का संदर्भ लेना चाहिए।

- सभी डीम्ड विश्वविद्यालयों (सरकारी और निजी दोनों) (केंद्रीय अधिनियम के तहत स्थापित) में प्रवेश के लिए, एएसीसीसी, आयुष मंत्रालय ऑनलाइन मोड के माध्यम से काउंसलिंग के 04 (चार) राउंड आयोजित करेगा: यानी राउंड 1, राउंड 2, राउंड 3 और स्ट्रे वैकेंसी राउंड। इसके अलावा, एएसीसीसी–यूजी/पीजी काउंसलिंग के तीसरे राउंड के पूरा होने के बाद डीम्ड विश्वविद्यालयों के तहत खाली रह जाने वाली सीटों को एएसीसीसी पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन स्ट्रे वैकेंसी राउंड के लिए संबंधित डीम्ड विश्वविद्यालयों को वापस कर दिया जाएगा। केवल डीम्ड विश्वविद्यालयों के लिए एएसीसीसी–यूजी/पीजी पोर्टल पर पंजीकृत पात्र उम्मीदवार ही एसवीआर–डीयू में भाग लेने के पात्र हैं।
- शैक्षणिक वर्ष 2024–25 के लिए यूजी (बीएएमएस/बीएसएमएस/बीयूएमएस/बीएचएमएस/बी.फार्मा–आईटीआरए) पाठ्यक्रमों और पीजी (एमडी/एमएस) पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए काउंसलिंग शेड्यूल, सूचना बुलेटिन, काउंसलिंग योजना और अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न, और पात्रता मानदंड के बारे में विवरण https://aaccc.gov.in पर उपलब्ध हैं। कृपया नवीनतम अपडेट के लिए वेबसाइट के संपर्क में रहें।

CBC 17222/12/0003/2425

ज्ञानशाला प्रशिक्षिका सेमिनार का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। आचार्यश्री महाश्रमणजी की शिष्या साध्वी डा.गवेषणाश्रीजी के सान्निध्य में चेन्नई सभा व माधावरम ट्रस्ट के तत्वावधान में ज्ञानशाला प्रशिक्षिकाओं का सेमिनार आयोजित हुआ। डॉ गवेषणाश्रीजी ने कहा कि ज्ञानशाला आचार्य श्री तुलसी की बहुत बड़ी देन है। आचार्य श्री तुलसी ने जो भी अवदान दिये वो शिखरों तक चढ़ रहे है। प्रशिक्षिकाएं बहने बच्चों के लिए मां, माली, नाविक, और गुरु की भूमिका अदा कर रही है। सभी प्रशिक्षिका अपने ज्ञानशाला के बच्चों के लिए रोल मॉडल बने आदर्श बनें,क्योंकि बच्चा जैसा देखता है वैसा ही सीखता है। सभी बहनों के ऊपर बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। आप सभी का व्यवहार, स्वभाव मृदु व मधुर हो। ट्रस्ट की ओर से घीसूलाल बोहरा ने पधारे हुए सभी प्रशिक्षिकाओ का स्वागत किया। सभा की ओर से कमलेश नाहर, ज्ञानशाला प्रभारी एवं सह प्रभारी भी उपस्थित थे। आंचलिक प्रभारी अनिता चोपडा ने सभी प्रशिक्षिकाओ को ज्ञानशाला के बारे में अपना वक्तव्य दिया। इसी के साथ आज सुश्री जूही भूतोड़िया ने साध्वीश्रीजी से अठाई तप का प्रत्याख्यान किया। ट्रस्ट के अध्यक्ष घीसूलाल बोहरा, सभा के उपाध्यक्ष कमलेश नाहर, अनिल सेठिया, सुरेश रांका, राजेश सांड, सुरेश सकलेचा, शांतिलाल डूंगरवाल ने तपस्वियों का सम्मान किया। कार्यक्रम का संचालन नीलम आच्छा ने किया। धन्यवाद ज्ञापन इन्द्रा रांका ने दिया।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.